THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 307 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष पूर्णिमा 2080 गुरुवार, 25 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राम मंदिर के लिए बनीं दो और प्रतिमाएं सामने आईं

पहली श्यामल रंग की तो दूसरी सफेद संगमरमर की-मंदिर में ही की जाएंगी विराजित

अयोध्या, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में बालक राम यानी रामलला विराजमान हो चुके हैं। इस बीच राम मंदिर के लिए बनाई गई दूसरी और तीसरी मूर्ति भी सामने आई है। दूसरी मूर्ति सफेद मकराना संगमरमर से बनी है, जबकि तीसरी मूर्ति भी रामलला की प्रतिमा के रंग यानी श्यामल रंग की है। तीनों की लंबाई 51-51 इंच की है।

तीनों प्रतिमाओं में कमल आसन पर भगवान को विराजित दिखाया है। भगवान के 5 साल के बाल स्वरूप को तीनों में ही दर्शाया गया है। रामलला के अलावा भगवान राम की दोनों प्रतिमाओं को राम मंदिर के अलग-अलग फ्लोर पर स्थापित किया जाना है। दरअसल, ट्रस्ट ने मंदिर के लिए भगवान राम की 3 मूर्तियां बनवाई थीं। यह अलग-अलग पत्थरों से अलग-अलग कारीगरों ने तैयार की थी। आखिर में ट्रस्ट सदस्य की सहमति से कर्नाटक के मूर्तिकार योगीराज की बनाई रामलला की प्रतिमा को गर्भगृह के लिए चयनित किया था।

जबकि दूसरी प्रतिमा दक्षिण के ही मूर्तिकार गणेश भट्ट ने श्यामल रंग की और तीसरी मूर्ति राजस्थान के मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय ने बनाई है। सत्यनारायण पांडेय की बनाई प्रतिमा संगमरमर की है।

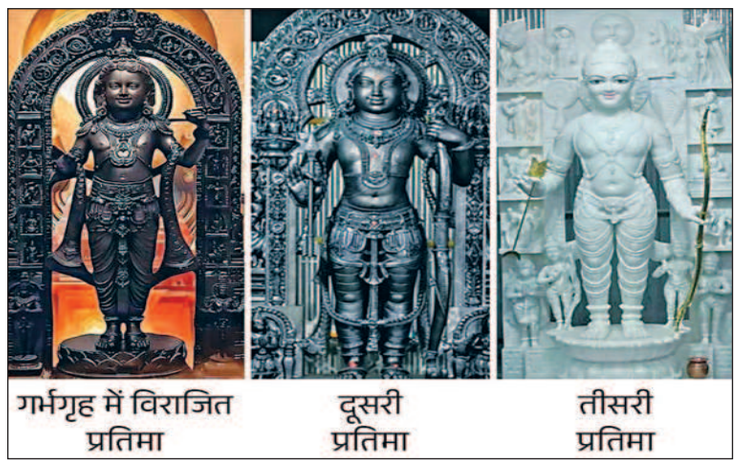

खड़गे की शाह को चिट्ठी-राहुल को खतरा

पुलिस भाजपा उपद्रवियों के साथ, राहुल को जेड+सिक्योरिटी मिलनी चाहिए

गुवाहाटी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। असम में राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृहमंत्री अमित शाह को दो पेज की चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 18 जनवरी को असम में एंट्री के बाद 22 जनवरी तक राहुल की सुरक्षा में चूक की 5 घटनाओं का जिक्र है।

खड़गे ने गृहमंत्री से कहा-असम के मुख्यमंत्री और वहां के डीजीपी को आप निर्देश दें ताकि कोई अनहोनी की स्थिति न बने। खड़गे का कहना है कि यात्रा के विरोध में भाजपा समर्थक राहुल के काफिले के बिल्कुल नजदीक पहुंच जा रहे हैं। ऐसे में राहुल को भी मजबूरन अपनी सुरक्षा को दरकिनार कर बाहर आना पड़ता है। राहुल को Z+ सिक्योरिटी मिलनी चाहिए।

खड़गे की चिट्ठी में 5 घटनाओं का जिक्र

असम में 18 जनवरी को पहले ही दिन पुलिस शिवसागर जिले के अमीगुरी में यात्रा को सुरक्षित रास्ता देने की बजाय भाजपा के पोस्टरों की सुरक्षा कर रही थी। 19 जनवरी को लखीमपुर में भाजपा से जुड़े कुछ उपद्रवी यात्रा के बैनर-पोस्टर फाड़ते और उन्हें उखाड़ते हुए पकड़े गए थे। सोनितपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम के साथ धक्का-मुक्की की। जयराम रमेश की कार पर हमला हुआ। यहां के एसपी मुख्यमंत्री के भाई हैं।

इसी दिन सोनितपुर जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के काफिले को रोकने की कोशिश की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने असम कांग्रेस प्रेसिडेंट भूपेन बोरा पर हमला किया। 22 जनवरी को नगांव जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का काफिला रोका और उनके बेहद करीब आकर उनके लिए असुरक्षित माहौल बना दिया। 23 जनवरी को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ी, राहुल समेत कई नेताओं पर एफआईआर

11वें दिन असम के बरपेटा से शुरू हुई यात्रा

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बुधवार को 11वें दिन असम के बरपेटा से शुरू हुई। यहां राहुल कार की छत पर बैठकर भीड़ को संबोधित किया। राहुल ने एक बार फिर असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट सीएम बताया। बीजेपी-आरएसएस के लोग एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं, एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाते हैं। वे नफरत फैलाते हैं, हम मोहब्बत फैलाते हैं।

ईडी के समक्ष पेश हुए विधायक रोहित पवार

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख विधायक रोहित आर. पवार यहां बुधवार को कथित धन शोधन मामले की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय के सामने एकत्र होकर प्रदर्शन किया।

रोहित आर. पवार ने दक्षिण मुंबई में ईडी कार्यालय में जाने से ठीक पहले अपने चचेरे दादा और पार्टी सुप्रीमो शरद पवार तथा कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले के पैर छुए और अन्य वरिष्ठ नेताओं से हाथ मिलाया। उनके निर्वाचन क्षेत्र कर्जत-जामखेड (अहमदनगर), पुणे और मुंबई से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता ईडी कार्यालय के पास एकत्र हुए, जहां किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर तालियां बजाईं, उनका उत्साह और रोहित पवार का मनोबल बढ़ाया। ईडी के समक्ष पेश होने से पहले रोहित पवार शांत दिखे।

उन्होंने नरीमन पॉइंट के एक पांच सितारा होटल में अपने परिवार के सदस्यों से विदाई ली, महाराष्ट्र विधानमंडल के समक्ष छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तथा संविधान की पट्टिका पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और नमन किया। बाद में वह पार्टी कार्यालय पहुंचे, जो ईडी दफ्तर के ठीक सामने है।

'मुझ पर और एफआईआर दर्ज कर ले असम पुलिस, मैं डरता नहीं'

बारपेटा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने असम की पुलिस को और प्राथमिकी दर्ज करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि जितना संभव हो, पुलिस उतने मामले दर्ज करे।

इसके बावजूद वे डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस सांसद ने पुराने सहयोगी और अब असम के मुख्यमंत्री, हिमंत बिस्वा सरमा को भी आड़े हाथों लिया। राहुल ने भूमि घोटाले और रिश्वतखोरी का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पूरे भारत में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। राहुल ने असम के बारपेटा में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मिलकर भी उन्हें डरा नहीं सकते। गौरतलब है कि भीड़ को कथित तौर पर उकसाने के लिए गुवाहाटी पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एक दिन बाद आक्रामक तेवर दिखाते हुए राहुल ने कहा, उन्हें नहीं पता कि असम के मुख्यमंत्री ने ऐसा क्यों सोच लिया कि पुलिस के पास मामले दर्ज होने पर वे डर जाएंगे। उन्होंने कहा कि 25 और मामले दर्ज कराएं। जितना संभव हो मामला दर्ज करें, उन्हें इस बात से फर्क नहीं पड़ता। वे किसी से डरने वाले नहीं हैं। हिमंता बिस्वा सरमा देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री है, जिसका कंट्रोलर दिल्ली में बैठा है। पता नहीं कहां से हिमंता बिस्वा सरमा के दिमाग में आ गया कि वो राहुल गांधी को डरा सकता है। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि सीएम सरमा के अलावा पीएम मोदी और शाह के भी दिल 'नफरत से भरे हुए हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस असम की भाषा, संस्कृति और इतिहास को मिटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ असम को नागपुर (आरएसएस मख्यालय) से चलाना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस और असम की जनता उन्हें ऐसा करने की इजाजत नहीं देगी। असम में यहीं के लोगों का शासन होगा। असम के मुख्यमंत्री ने दलितों और पिछड़े वर्ग का जितना बड़ा अपमान किया है, कोई नहीं कर सकता।

लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी टीएमसी

ममता बोलीं-कांग्रेस ने सीट शेयरिंग का प्रस्ताव ठुकराया, गठबंधन में बनी रहूंगी

कोलकाता, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 2024 लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा की है। ममता ने बुधवार को कहा-पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस ने मेरा प्रस्ताव ठुकराया दिया। हम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेंगे। दरअसल, कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में 10 से 12 सीटों की मांग कर रही है, जबकि टीएमसी केवल दो सीटें देने पर अड़ी है।

यह वे सीटें हैं जिन्हें कांग्रेस ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में जीता था। कांग्रेस के अलावा बंगाल में लेफ्ट पार्टियां भी हैं, जो 28 दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं। ममता ने बुधवार को हावड़ा में मीडिया से कहा- मेरी कांग्रेस से कोई चर्चा नहीं हुई है। मैंने हमेशा कहा है कि बंगाल में हम अकेले लड़ेंगे। मुझे इस बात की बिल्कुल चिंता नहीं है कि देश में क्या होगा, लेकिन हम सेक्युलर पार्टी हैं और बंगाल में हम अकेले भाजपा को हराएंगे। मैं अब भी इंडिया का हिस्सा हूं। ममता बनर्जी ने कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा-25 जनवरी को राहुल गांधी की न्याय यात्रा हमारे राज्य से गुजर रही है, लेकिन हमें इसके बारे में बताया तक नहीं गया। हमें यात्रा से जुड़ने के लिए नहीं बोला गया है, इसलिए हम इसमें शामिल नहीं होंगे। उधर, पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा- हम 13 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। इसके अलावा बिहार में भी जेडीयू और आरजेडी कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं हैं। यहां भी अनबन की खबर है।

कांग्रेस बोली-ममता के बिना गठबंधन की कल्पना नहीं

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने ममता के फैसले पर कहा-ममता बनर्जी ने कहा था कि हम भाजपा को हराना चाहते हैं और हम इसके लिए कुछ भी करेंगे। राहुल गांधी भी साफ कर चुके हैं कि ममता बनर्जी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। उनके बिना गठबंधन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

हादसे का शिकार हुईं ममता बनर्जी, सिर में लगी चोट

कोलकाता, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के सिर में चोट लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोहरे की वजह से उनकी कार हादसे का शिकार हुई। दी गई जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी बर्धवान से कोलकाता लौट रही थीं। अभी अचानक एक कार उनकी कार के सामने आ गई, इसके बाद उनकी गाड़ी के ड्राइवर ने तुरंत ब्रेक लगा दिए, जिस वजह से उनके सिर में चोट लगी।

आप भी अकेले लड़ेगी

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब की सभी 13 सीटों पर आम आदमी पार्टी (आप) अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। इसके लिए अंदरूनी तौर पर आप ने पूरी तैयारी कर ली है। 13 लोकसभा सीटों पर 40 नामों की लिस्ट भी तैयार कर ली गई है। किसी सीट पर 2 तो किसी पर 4 विकल्प भी रखे गए हैं।

आप से जुड़े सूत्रों के मुताबिक कुछ दिन पहले दिल्ली में हुई मीटिंग में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस फैसले को हरी झंडी दी है। इस मीटिंग में आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान और कई सीनियर नेता मौजूद थे। आप इस फैसले को विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की मीटिंग में भी रखेगी। पंजाब सीएम भगवंत मान पहले ही 13-0 से जीतने की बात कह चुके हैं। वह लगातार अलग चुनाव लड़ने की पैरवी कर रहे हैं। उधर, बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा-पूरे देश में पंजाब बनेगा हीरो, लोकसभा चुनाव में पंजाब में आम आदमी पार्टी 13 की 13 सीटें जीतेगी। सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी ने प्रत्येक सीट से कैंडिडेट के 3 विकल्प चुने हैं। अब इन उम्मीदवारों को लेकर पार्टी अपना सर्वे करवाएगी। साथ ही जो उम्मीदवार लोगों की पसंद हैं, उन्हें टिकट दी जाएगी।

पीएम मोदी एनसीसी कैडेट्स के कार्यक्रम में शामिल हुए

'आपकी जेनरेशन को अमृत पीढ़ी कहूंगा'

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनसीसी कैडेट्स के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस साल का गणतंत्र दिवस परेड दो कारणों से खास है। पहला-यह 75वां गणतंत्र दिवस होगा और दूसरा-यह देश की नारी शक्ति को समर्पित है।

पीएम मोदी ने वहां मौजूद कैडेट्स को कहा कि आपकी जेनरेशन को genZ कहा जाता है, लेकिन मैं आपको अमृत पीढ़ी कहूंगा। आप देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। पीएम ने आगे कहा कि आज राष्ट्रीय बालिका दिवस है। बेटियों में समाज और देश को बेहतर बनाने की क्षमता होती है। इतिहास के अलग-अलग दौर में भारत की बेटियों ने अपने फौलदी इरादों और समर्पण की भावना से कई बड़े परिवर्तनों की नींव रखी है। साथ ही पीएम ने बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि कल देश ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का बड़ा निर्णय लिया है। युवाओं को उनके बारे में पढ़ना चाहिए। कर्पूरी ठाकुर हमेशा अपनी सादगी के लिए जाने जाते रहे। उनका पूरा जीवन सामाजिक न्याय और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। आज भी उनकी ईमानदारी की मिसाल दी जाती है। एनसीसी कैडेट्स का एक महीने का गणतंत्र दिवस कैंप चल रहा है। 20 जनवरी को कैडेट्स के बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा-एनसीसी युवाओं में न केवल राष्ट्रीयता, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाता है। राष्ट्रीय गौरव मानव हृदय की सबसे मजबूत भावना है।

परेड के लिए 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 2274 कैडेट एक महीने तक चलने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस कैंप 2024 में भाग ले रहे हैं। इनमें 90% लड़कियां है। गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान 16 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 9 मंत्रालयों और विभागों की 25 झांकियां शामिल होंगी। इन राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, लद्दाख, तमिलनाडु, गुजरात, मेघालय, झारखंड, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना का नाम है।

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्रियों को फिलहाल राम मंदिर जाने से परहेज करने की सलाह दी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर और हाल ही में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर चर्चा की। कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने अपने सभी कैबिनेट सहयोगियों को फिलहाल अयोध्या राम मंदिर जाने से परहेज करने की सलाह दी। सूत्रों के मुताबिक, पीएम ने सुझाव दिया कि भारी भीड़ के कारण और प्रोटोकॉल वाले वीआईपी की वजह से जनता परेशान होगी। इस असुविधा को रोकने के लिए केंद्रीय मंत्रियों को मार्च में अयोध्या की अपनी यात्रा की योजना बनानी चाहिए। इससे पहले राम मंदिर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार को भी रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बताया गया कि दोपहर तक लगभग तीन लाख लोगों ने भगवान के दर्शन किए। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इसके अगले दिन मंगलवार को राम मंदिर के कपाट आम जनता के लिए खोल दिए गए थे।

28 जोन में बांटा गया नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट 14000 जवान किए जाएंगे तैनात

परेड देखने आ सकते हैं 80 हजार लोग

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुमान के मुताबिक, 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर करीब 77,000 लोगों के आने की संभावना है। गणतंत्र दिवस परेड के दिन इलाके की सुरक्षा के लिए भी कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से कर्तव्य पथ और उसके आसपास के इलाकों में करीब 14000 सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) दीपेंद्र पाठक ने बताया कि गणतंत्र दिवस के लिए दिल्ली के चारों ओर चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया है कि अयोध्या के राम मंदिर में सोमवार को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद दिल्ली के संवेदनशील इलाकों में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के बीच आपसी सहयोग की मदद से सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम रखी जा रही है। परेड नई दिल्ली जिले से शुरू होगी। दिल्ली पुलिस ने गुमशुदा व्यक्ति बूथ, हेल्पडेस्क, प्राथमिक चिकित्सा कियोस्क और सुविधा बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां आगंतुक परेड स्थल पर जाने से पहले अपने वाहनों की चाबियां जमा कर सकते हैं। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था, जोन दो) मधुप तिवारी ने कहा कि परेड में कम से कम 77,000 लोगों के आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमने नई दिल्ली जिले को 28 जोन में बांटा है। इन जोन का नेतृत्व वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। रिपब्लिक डे पर परेड में शिरकत करने जा रहे लोगों, सरकारी कर्मचारियों और परेड देखने जा रहे लोगों की सहूलियत को देखते हुए दिल्ली मेट्रो ने सेवाएं सुबह चार बजे से शुरू करने का फैसला किया है। डीएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो सुबह छह बजे तक प्रत्येक 30 मिनट पर रेल सेवाओं का संचालन करेगी। इसके बाद पूरे दिन सामान्य सेवा रहेगी। डीएमआरसी ने कहा कि जिन लोगों के पास रिपब्लिक डे कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए वास्तविक ई-निमंत्रण कार्ड या ई-टिकट होंगे।

74 यूक्रेनी कैदियों वाला रूसी प्लेन क्रैश

मॉस्को, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रूस में यूक्रेनी कैदियों को ले जा रहा एक प्लेन क्रैश हो गया है। हादसा पश्चिमी बेलगोरोड क्षेत्र में रूसी समय के मुताबिक सुबह करीब 11 बजे हुआ है। इस विमान में 74 कैदी मौजूद थे। यह रूस का आईएल-76 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि प्लेन में सवार सभी कैदियों की मौत हो गई है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। आरटी इंडिया के तरफ से जारी किए गए एक वीडियो में रूसी मिलिट्री का एक ट्रांसपोर्ट प्लेन अचानक तेजी से नीचे आते हुए और एक छोटी रिफाइनरी से कुछ दूरी पर क्रैश होते हुए देखा जा सकता है। यह प्लेन ल्यूशिन Il-76 था और इसकी लंबाई 164 फीट थी। प्लेन में क्रैशिंग के बाद आग लग गई।

आरआईए-नोवोस्ती एजेंसी ने रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि विमान में यूक्रेन के 74 सैनिक थे, जिन्हें पहले बंदी बनाया गया था। इन्हें करार के तहत रूसी सैनिकों की रिहाई के बदले छोड़ा जा रहा था। ये एक्सचेंज यूक्रेन बॉर्डर पर होना था। विमान में 6 क्रू मेंबर्स और 3 एस्कॉर्ट्स भी सवार थे।

जनवरी की शुरुआत में दोनों देशों के बीच 23 महीने से जारी जंग में सबसे बड़ा प्रिजनर एक्सचेंज यानी कैदियों की अदला-बदली हुई थी। यह प्रिजनर एक्सचेंज यूएई के अफसरों की मध्यस्थता और निगरानी में हुआ था। इस दौरान रूस ने यूक्रेन के 230 नागरिकों को तो वहीं यूक्रेन ने रूस के 248 कैदियों को रिहा किया था। जंग के दौरान दोनों देशों के बीच यह 48वां प्रिजनर एक्सचेंज था। 2016 में भी रूस की मिलिट्री का एक प्लेन की क्रैश हुआ था।

उमर खालिद को अभी जमानत नहीं

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के पूर्व छात्र उमर खालिद को फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि खालिद की जमानत याचिका पर 31 जनवरी को सुनवाई होगी।

कोर्ट ने प्राथमिकता के आधार पर इस मामले की सुनवाई का आदेश पारित किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस प्रशांत कुमार ने पिछले साल नौ अगस्त को खालिद की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। गौरतलब है कि उमर खालिद के साथ अन्य लोगों पर फरवरी, 2020 में पूर्वोत्तर दिल्ली में हुए दंगों का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने गूगल को

भ्रामक स्टारबक्स फ्रेंचाइजी गूगल फॉर्म को निलंबित करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक निर्देश जारी कर गूगल से जनता को 'स्टारबक्स फ्रेंचाइजी' के लिए आवेदन करने के लिए आमंत्रित करने वाले विभिन्न गूगल फॉर्म से जुड़े यूआरएल को निलंबित करने को कहा है। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने कहा कि मुकदमा दायर करने वाली स्टारबक्स, गूगल फॉर्म के इसी तरह के यूआरएल को सूचीबद्ध करते हुए एक हलफनामा दायर करने के लिए अधिकृत है।

इसके बाद उम्मीद की जाती है कि जानकारी मिलने पर गूगल उन यूआरएल को निलंबित कर देगा। स्टारबक्स, जो अपने फ्रेंचाइजी होने का झूठा दावा करने वाली अज्ञात संस्थाओं के खिलाफ अदालत गया है, ने दोहराया कि पिछले साल अप्रैल में स्टारबक्स के पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा दी गई थी। नए एप्लिकेशन का उद्देश्य उन धोखेबाजों पर लगाम लगाना है जो गूगल फॉर्म के माध्यम से खुद को 'स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ी' के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे।

विशेष रूप से, बहुराष्ट्रीय कॉफ़ीहाउस श्रृंखला स्टारबक्स, भारत में फ्रैंचाइज़ी मॉडल पर काम नहीं करती है

अदालत ने कहा, इसलिए, वादी के वकील का कहना है कि धोखेबाज़ स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ अवसरों के लिए आवेदन करने के लिए आम जनता से जानकारी मांग रहे हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है, भारत में मौजूद नहीं है। 'स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ी' जैसे शीर्षकों वाले इन फर्जी फॉर्मों ने व्यक्तियों को यह विश्वास दिलाने के लिए गुमराह किया कि वे भारत में स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ी के लिए आवेदन कर सकते हैं। अदालत ने भारत में गैर-मौजूद स्टारबक्स फ्रेंचाइजी से संबंधित जानकारी इकट्ठा करने के लिए धोखेबाजों द्वारा गूगल फॉर्म के दुरुपयोग के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए स्टारबक्स को राहत का अधिकार दिया।

इसके अतिरिक्त, अदालत ने ऐसे भ्रामक तरीकों से आम जनता से निजी जानकारी और डेटा मांगने को अनुचित करार दिया

इसमें कहा गया है: इस न्यायालय की राय में, वादी इस आवेदन में जो राहत चाहते हैं वह पाने के हकदार होंगे, न केवल यह कि ये गूगल फॉर्म स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए धोखेबाजों द्वारा पोस्ट किए जा रहे हैं (जो कि) भारत में मौजूद नहीं हैं। साथ ही आम जनता से निजी जानकारी और डेटा की मांग की जा रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति दयाल ने अंत में कहा कि यदि गूगल को विशिष्ट यूआरएल के बारे में आपत्ति है, तो वे स्टारबक्स को जवाब दे सकते हैं, और यदि आवश्यक हो, तो आगे के निर्णय और राहत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

सातवीं कक्षा की छात्रा ने 29वीं मंजिल से कूदकर जान दी

बेंगलुरु, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व बेंगलुरु के हुलीमावू इलाके में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक लड़की ने कथित रूप से 29वीं मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि 12 वर्षीय लड़की अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी और अवसाद में थी।

पुलिस ने इससे अधिक कुछ नहीं बताया। पुलिस के मुताबिक बेगुर रोड स्थित अपार्टमेंट के एक सुरक्षाकर्मी ने मंगलवार सुबह करीब पांच बजे कुछ शोर सुना और जब वह मौके पर पहुंचा तो उसने लड़की को खून से लथपथ हालत में पड़े देखा।

केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज 95 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफः सुप्रिया सुले

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता सुप्रिया सुले ने बुधवार को दावा किया कि संसद में प्रस्तुत सरकार के आंकड़ों के अनुसार केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज 95 प्रतिशत मामले विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि अंततः सत्य की जीत होगी। राकांपा सांसद सुले अपनी पार्टी के विधायक और रिश्ते में भतीजे रोहित पवार को दक्षिण मुंबई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दफ्तर तक छोड़ने के बाद पास में स्थित अपनी पार्टी के कार्यालय के बाहर संवाददाताओं से बात कर रही थीं। रोहित पवार कथित महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाला मामले में एक धनशोधन जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए आज सुबह एजेंसी के समक्ष पेश हुए। सुले ने कहा, "सत्यमेव जयते। यह हमारे लिए संघर्ष का समय है। भविष्य में चुनौतियां आएंगी, लेकिन हम उनसे उबर जाएंगे। हम संघर्ष करेंगे, लेकिन सत्य के मार्ग पर चलते रहेंगे। यह महाराष्ट्र के गौरव की लड़ाई है।" उन्होंने कहा, "सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज 95 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं।" सुले ने कहा कि इसलिए ईडी द्वारा रोहित को पूछताछ के लिए तलब करना हैरान करने वाला नहीं है। राकांपा सांसद ने कहा कि रोहित पवार ने महाराष्ट्र में किसानों और युवाओं की दशा को उजागर करने के लिए हाल में पूरे राज्य में 'संघर्ष यात्रा' निकाली और उसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

बस ने ट्रैक्टर और कार को मारी जबरदस्त टक्कर, 6 लोगों की हुई मौत

अहमदनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में मंगलवार देर रात राज्य परिवहन की एक बस ने एक ट्रैक्टर और एक कार को टक्कर मार दी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना देर रात करीब ढाई बजे पारनेर तहसील में अहमदनगर-कल्याण रोड पर धवलीपुरी फाटा के पास हुई। उन्होंने बताया कि गन्ना ले जा रहा एक ट्रैक्टर पलट गया था और उससे गन्ने उतारने के लिए दूसरा ट्रैक्टर लाया गया। पारनेर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि एक कार का ड्राइवर भी वाहन रोक कर सामान उतारने के काम में लोगों की मदद कर रहा था।

ईडी ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास पर फिर से की छापेमारी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक दल पर हमला किए जाने के 19 दिन बाद जांच एजेंसी अधिकारियों ने कथित तौर पर करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाला मामले में अपनी जांच के सिलसिले में फरार तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख के उत्तर 24 परगना जिला स्थित आवास पर बुधवार सुबह फिर से छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 120 से अधिक कर्मियों के साथ पहुंचे ईडी अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस और गवाहों के रूप में दो स्थानीय लोगों की उपस्थिति में संदेशखली इलाके में शेख के आवास के दरवाजे को तोड़ दिया। ईडी अधिकारी ने बताया, "हम आज शेख के आवास की तलाशी लेंगे। हम वहां के निवासियों से बात करने की भी कोशिश करेंगे।" उन्होंने बताया कि घर में प्रवेश करने के बाद ईडी अधिकारियों ने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया और तलाशी शुरू कर दी। पांच जनवरी को भीड़ ने टीएमसी नेता के आवास में प्रवेश करने की कोशिश के दौरान ईडी अधिकारियों के एक दल पर हमला कर दिया था। हमले में तीन अधिकारी घायल हो गये थे। जिला पुलिस और शेख के परिवार के सदस्यों ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी।

असम राइफल्स के जवान ने 6 साथियों पर बरसाईं गोलियां

फिर खुद को गोली से उड़ाया

इंफाल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में भारत म्यांमार बॉर्डर पर तैनात असम राइफल्स के एक जवान ने कथित तौर पर अपने साथियों पर फायरिंग की है। इसके बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बुधवार को पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मणिपुर के चंदेल जिले में असम राइफल्स के एक जवान ने पहले अपने सहकर्मियों पर गोली चलाई, जिसमें कम से कम 6 जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने आगे बताया कि यह घटना मंगलवार देर रात साजिक तम्पाक इलाके में हुई जब असम राइफल्स के जवान ने अपने साथियों पर गोली चला दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बाद में उसने खुद को गोली मार ली। मणिपुर पुलिस ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को चल रहे जातीय संघर्ष से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, इस तथ्य को देखते हुए कि घायलों में से कोई भी मणिपुर से नहीं है। तथ्यों का पता लगाने के लिए घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि घायल कर्मियों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

श्रीनगर से भी ठंडा जम्मू, पांच उड़ानें और चार ट्रेनें रद्द कल ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार

जम्मू, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में मौसम की मार से हर कोई बेहाल है। जम्मू शहर में कोहरा छाया हुआ है। हालांकि 12 बजे के करीब हल्की धूप निकली। लेकिन, लोगों को कड़ाके की ठंज का असर हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने गुरुवार को बादल छाए रहने और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी के आसार जताए हैं। वहीं, 26 जनवरी, शुक्रवार को कुछ इलाकों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। बुधवार को जम्मू में अधिकतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि श्रीनगर में अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री रहा। जम्मू में न्यूनतम तापमान 2।3 डिग्री रहा, जबकि श्रीनगर में माइनस 3.6 डिग्री रहा। मंगलवार को जम्मू से जाने वाली अंडमान, झेलम, एमसीटीएम और कालका ट्रेनें रद्द रहीं। वहीं जम्मू आने वाली और जम्मू से जाने वाली पांच उड़ानें भी रद्द रहीं, जबकि चार देरी से पहुंचीं। रद्द होने वाली उड़ानों में जम्मू-श्रीनगर-जम्मू, दिल्ली- जम्मू- श्रीनगर, श्रीनगर-जम्मू-दिल्ली और दिल्ली-जम्मू-श्रीनगर उड़ान शामिल हैं।

आरक्षण पर महाराष्ट्र में कुछ बड़ा होने वाला है

400 जातियों के महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दी चेतावनी

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महाराष्ट्र मराठा आरक्षण को लेकर मनोज जरांगे पाटील 26 जनवरी से आजाद मैदान पर अनशन करने के लिए पदयात्रा पर निकले हैं, तो वहीं ओबीसी समाज की 400 जातियां एक हो गई है। उनका कहना है कि किसी भी हाल में ओबीसी समाज के कोटे से मराठाओं को आरक्षण नहीं देने दिया जाएगा। जरांगे पाटिल सरकार को ब्लैकमेलिंग करने का तरीका अपना रहे हैं। यह बात राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बबनराव तायवाडे ने कही।

फिर गर्म हो रहा मराठा आरक्षण का मुद्दा

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर अपनी रणनीति जाहिर की। उनका कहना है कि यदि मराठो को ओबीसी कोटे से, सरकार आरक्षण देने की कोशिश करेगी तो लगभग 400 जातियां जो ओबीसी में आती है वह सड़कों पर उतर जाएंगी और पूरे महाराष्ट्र का घेराव करेगी। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर जारी आंदोलन के चलते हालत बिगड़ने की संभावनाएं बनी हुई है।

तो 400 जातियों के लोग करेंगे मुंबई का घेराव

ओबीसी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि ओबीसी समाज में लगभग 400 के आसपास जातियां आती है। ओबीसी समाज कभी भी नहीं चाहेगा कि मराठों को आरक्षण ओबीसी समाज से दिया जाए। सरकार ने ओबीसी समाज को लिखित आश्वासन दिया है कि मराठा को ओबीसी समाज के अंदर से रिजर्वेशन नहीं दिया जाएगा। यदि गलती से भी सरकार या कदम उठाती है तो 400 जातियां सड़क पर आ जाएगी।

जरांगे पाटिल के आंदोलन पर ओबीसी की वेट एंड वॉच की भूमिका

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के उपाध्यक्ष किरण पांडव ने कहा कि सरकार बार-बार कह रही है, मुख्यमंत्री कह रहे हैं, दो उपमुख्यमंत्री कह रहे हैं कि ओबीसी में से मराठाओं को आरक्षण नहीं दिया जाएगा, फिर भी आंदोलनकर्ता अपने आंदोलन को लेकर चल रहे हैं। ओबीसी समाज वेट एंड वॉच की भूमिका में है। ओबीसी समाज के पदाधिकारी का कहना है कि हर बात के लिए वक्त लगता है, जरांगे पाटिल को भी सरकार को थोड़ा समय देना चाहिए। एक दिन में निर्णय इस तरीके का नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा, जरांगे पाटिल ब्लैकमेलिंग का तरीका अपना रहे है। दो दिन में, एक दिन में, चार दिन में सरकार के निर्णय की बात करते हैं जो कि संभव नहीं है।

दिग्विजय ने फिर उठाया ईवीएम हैकिंग का मुद्दा

लगाया आरोप- 40% वोटों में हो सकता है हेरफेर

भोपाल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। डेढ़ महीने पहले मध्य प्रदेश समेत तीन राज्यों में भाजपा ने पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई है। इसे लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को लेकर सवाल उठाए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गुजरात से आए अतुल पटेल के साथ ईवीएम को हैक कर दिखाया। बचते-बचाते यह दावा भी कर दिया कि ईवीएम हैकिंग से 30 से 40 प्रतिशत वोटों में हेरफेर हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बुधवार को अपने घर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। इस दौरान उन्होंने गुजरात से आए अतुल पटेल के साथ ईवीएम का डेमो दिया। इस दौरान डेमो मशीन से वीवीपीएटी या वीवीपैट रसीद पर वोट बदलने का प्रदर्शन किया। उन्होंने दावा किया कि ईवीएम के सॉफ्टवेयर से वोटों को बदला जा

सकता है। उन्होंने बचते-बचाते कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि ईवीएम में वोटों का हेरफेर हो रहा है लेकिन यह कह रहा हूं कि हेरफेर हो सकता है। 30 से 40 प्रतिशत वोटों में हेरफेर किया जा सकता है। उन्होंने इस मुद्दे पर निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि

निर्वाचन आयोग से पूछे सवाल

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2003 से लेकर आज तक निर्वाचन आयोग ने ईवीएम के सॉफ्टवेयर को पब्लिक डॉमिन में क्यों नहीं डाला है? मशीन के पार्ट्स अलग-अलग जगह से आते हैं। पहले इसमें लगने वाला चिप सिंगल प्रोग्रामेबल था, जिसे अब मल्टीपल प्रोग्रामेबल चिप में तब्दील कर दिया है। ऐसा क्यों? चुनाव आयोग इन सवालों का जवाब नहीं दे रहा है। सॉफ्टवेयर कौन डाल रहा है? इसका कोई जवाब नही है। इससे तो ऐसा लग रहा है कि मतदाात नहीं बल्कि सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने वाला तय करेगा कि सरकार किसकी बनेगी। कौन-सी मशीन किस बूथ पर जाएगी, यह रिटर्निंग ऑफिसर तय नहीं करता। यह भी कंप्यूटर तय करता है। भाजपा को जनता का नहीं मशीन का वोट मिल रहा है। ईवीएम से इतना प्रेम है तो हमें ईवीएम से निकलने वाली वीवीपैट पर्ची हाथ में दे दीजिए। हम उसे डिब्बे में डालेंगे। हमारी मांग संवैधानिक है। न्यायपालिका की जिम्मेदारी है कि वह हमारी संवैधानिक मांगों का संरक्षण करें।

भाजपा पहले ही जीत की स्क्रिप्ट लिख देती है

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि चुनावों से पहले ही भाजपा माहौल बनाती है। इसके जरिये नैरेटिव सेट किया जाता है। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलवामा को लेकर वोट देने की मांग की। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले मामा (शिवराज सिंह चौहान) ने लाड़ली बहना योजना को वोट देने की बात कही और माहौल बनाया। मेरा आरोप है कि चुनाव आयोग भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के दबाव में काम कर रहा है। आयोग को मेरे खिलाफ जो कार्रवाई करना है कर लें। जब मोदी जी कोई बयान दें तो उन पर आयोग कोई करवाई नहीं करता है।

जम्मू में संदिग्ध रूप से घूमते हुए आत्मसमर्पित आतंकी बशीर अहमद को पुलिस ने पकड़ा, मोबाइल और दो सिम बरामद

जम्मू, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस को लेकर जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश के सभी चौक-चौराहों सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर नियंत्रण रेखा तक पूरी चौकसी बरती जा रही है। इस बीच जम्मू शहर के वेयर हाउस क्षेत्र में पुलिस ने एक आत्मसमर्पित आतंकी और ओजीडब्ल्यू बशीर अहमद को पकड़ा है।

बशीर की गिरफ्तारी तब हुई, जब वह क्षेत्र के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास संदिग्ध रूप से घूमते देखा गया। मंगलवार शाम को उसे हिरासत में लिया गया। उसके पास से मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद हुए हैं। उससे पूछताछ की जा रही है। जम्मू में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान के पास उसकी उपस्थिति से जुड़े उद्देश्यों और संभावित खतरों का पता लगाने के लिए मामले की जांच फिलहाल चल रही है।

4 फरवरी को अयोध्या पहुंचेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

राज्यों के मंत्रियों के लिए भी शेड्यूल निर्धारित

अयोध्या, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला के दर्शनों के लिए प्रतिदिन जन सैलाब उमड़ रहा है। पहले दिन 5 लाख से ज़्यादा लोगों ने मंदिर में भगवान के दर्शन किए। बुधवार को भी मंदिर में भारी भीड़ की उम्मीद की जा रही है। इसी बीच देश की कई राजनीतिक हस्तियां अयोध्या जाने का कार्यक्रम बना रही हैं। हालात को देखते हुए बीजेपी शासित राज्यों के मंत्रिमंडल का एक शेड्यूल बना है। वे निर्धारित शेड्यूल पर ही मंदिर जा सकेंगे। इसी बीच जानकारी सामने आई है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 फरवरी को रामलला के दर्शनों के लिए अयोध्या जाने वाले हैं। तय शेड्यूल के अनुसार 1 फरवरी को उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल, 2 फरवरी को उत्तराखंड मंत्रिमंडल, 3 फरवरी को राजस्थान मंत्रिमंडल, 5 फरवरी को महाराष्ट्र कैबिनेट, 6 फरवरी को अरूणाचल के मुख्यमंत्री व कैबिनेट, 9 फरवरी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कैबिनेट, 12 फरवरी को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी कैबिनेट के साथ दर्शन करेंगे। इसके बाद 15 फरवरी को गोवा के मुख्यमंत्री कैबिनेट, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा 22 फरवरी, 24 फरवरी को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल पूरी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन करेंगे. तो 4 मार्च को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव कैबिनेट के साथ दर्शन करेंगे।

मंदिर में बढ़ा दर्शन का समय- मंदिर में लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने दर्शन का समय बढ़ाने का फैसला लिया है। अब श्रद्धालु रात 10 बजे तक रामलला के दर्शन कर सकेंगे. पहले यह समय शाम सात बजे तक ही था. सुबह की पाली में दर्शन सुबह 7 बजे से 11.30 बजे तक होंगे।

लारेंस विश्नोई के नाम से रंगदारी, कारोबारी को धमकाया

इंदौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर लारेंस विश्नोई के नाम से इंदौर के एक कारोबारी के पास धमकी मिली है। फरियादी ने पुलिस को इसकी शिकायत की। क्राइम ब्रांच ने इसकी जांच शुरू कर दी है और जिस नंबर से कॉल आया था, उसका पता लगाया जा रहा है। फोन करने वाले ने खुद को लारेंस बताया और रंगदारी वाइस मैसेज में धमकी दी। इसके बाद कहा कि तुम नहीं जानते हम क्या कर सकते है। ये तुमको नहीं पता। मैसेज करने वाले ने खुद का नाम लारेंस विश्नोई बताया। लारेंस फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ा जेल में बंद है। इससे पहले भी लारेंस का नाम इंदौर से जुड़ चुका है। लारेंस गिरोह को हथियार सप्लाय करने वाले सिकलीगर को पुलिस पकड़ चुकी है। इंदौर के एक कारोबारी के पास 19 जनवरी को एक विदेशी नंबर से कॉल आया, लेकिन उन्होंने बात नहीं नहीं की। इसके बाद वाट्सअप पर कॉल आया। फिर भी उन्होंने बात नहीं की। फिर उसी नंबर से एक वाइस मैसेज आया। जिसे भेजने वाले ने खुद का नाम लारेंस बताया और कहा कि यदि तुमने कॉल नहीं उठाया तो तुम्हें नहीं पता की हम क्या कर सकते है। कारोबारी ने इस धमकी को गंभीरता से लिया और पुलिस को शिकायत की। क्राइम ब्रांच ने उस नंबर की जांच की। धमकी देने के बाद उस नंबर पर संपर्क किया, लेकिन वह बंद आ रहा है। साायबर सेल ने जांच की तो पता चला कि जिस नंबर से वाट्सअप मैसेज आया है।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा पर मायावती की पहली प्रतिक्रिया, केंद्र सरकार से कर डाली ये मांग

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारत रत्न की घोषणा के फैसले का स्वागत करते हुए बीएसपी प्रमुख मायावती ने सरकार से मांग की है कि बीएसपी संस्थापक कांशीराम को भी उनके योगदान के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा जाना चाहिए। बहुजन समाज पार्टी की चीफ मायावती ने बुधवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे देश के ऐसे महान व्यक्तित्व कर्पूरी ठाकुर को देर से ही सही अब भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के केन्द्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने सर्वोच्च नागरकि सम्मान के लिए कर्पूरी ठाकुर के परिवार व सभी अनुयाइयों बधाई और शुभकामनाएं दी। कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कांशी राम के लिए भी सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की तरह ही दलितों एवं अन्य उपेक्षितों को आत्म-सम्मान के साथ जीने व उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बीएसपी के जन्मदाता एवं संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम जी का योगदान ऐतिहासिक व अविस्मरणीय है, जिन्हें करोड़ों लोगों की चाहत अनुसार भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करना जरूरी है।

अमरेली में ट्रेन से टकराने के चार दिन बाद शेरनी की मौत, इस महीने की ये तीसरी घटना

अमरेली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले के जंगल में एक शेरनी ट्रेन से टकरा गई। घटना के चार दिन बाद इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। इस महीने में यह तीसरी ऐसी घटना है, जिसमें ट्रेन से टकराने के बाद शेर की मौत हुई है। 20 जनवरी को यात्री ट्रेन से टकराने के बाद शेरनी घायल हो गई थी। उसे जूनागढ़ के शक्करबाग चिड़ियाघर में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां बुधवार को उसकी मौत हो गई। इससे पहले विजापडी गांव में तीन जनवरी को मालगाड़ी से टकराने के बाद एक शेरनी घायल हो गई थी। उसे रेस्क्यू कर उसका इलाज कराया गया और फिर शक्करबाग चिड़ियाघर में स्थानांतरित कर दिया गया था। इलाज के दौरान 11 जनवरी को उसकी मौत हो गई। वहीं, 12 जनवरी को अमृतवेल गांव में ट्रेन से टकराने के बाद एक शेर की मौत हो गई थी। राज्य वन मंत्री मुलु बेड़ा ने इन घटनाओं पर शोक जताया है। उन्होंने बुधवार को कहा, 'वनजीव इलाकों से ट्रेनों के गुजरने की गति को कम करने के लिए निर्देश जारी किया गया है। रेलवे ट्रैक के साथ बाड़ लगाने की ऊंचाई को भी बढ़ाने के लिए कहा गया है।' वन मंत्री ने आगे कहा, 'इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग के अधिकारियों के साथ हमने बैठक की। आने वाले दिनों में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करेंगे।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 25 जनवरी, 2024 3

युविचार

आपकी खुशी इस पर निर्भर नहीं करती कि आपके पास क्या है बल्कि आपकी खुशी इस पर निर्भर करती है कि आप क्या सोचते हैं।

ब्लैक करेंसी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, दो विदेशी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी, मल्काजगिरि और मल्काजगिरि पुलिस, राचकोंडा द्वारा नकली मुद्रा धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया और दो "विदेशियों" को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से 25 लाख रुपये के नकली मुद्रा नोट , रासायनिक पदार्थ और सेल फोन बरामद किए गए हैं। सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने बताया कि गुप्त सूचना पर एसओटी, मल्काजगिरि और मल्काजगिरि पुलिस, रचाकोंडा के अधिकारियों ने दो "विदेशियों" को उस समय पकड़ा, जब वे भोली-भाली जनता को धोखा देने के लिए 500 के काले नोटों की तैयारी कर रहे थे। उनके पास से नकली काली मुद्रा 25 लाख रुपये जब्त किया। सीपी ने बताया कि कोम्बी फ्रैंक सेड्रिक कैमरुन का रहने वाला है। वह अवैध रूप से दिल्ली में रह रहा है। इसी तरह नॉर्थ माली देश का रहने वाला गोइता सोंगलो मौजूदा समय में बेंगलुरु में रह रहा था। दोनों के अलावा गिरोह में फरार रोलेक्स, डेविड, जोसेफ शामिल हैं। नवंबर 2023 के महीने में, शिकायतकर्ता विष्णुवर्धन रेड्डी, निवासी बोडुप्पल, मेडिपल्ली, एक ज़ोमैटो डिलीवरी बॉय है। उसे व्हाट्सएप, यानी 'सत्यापित क्लोन क्रेडिट कार्ड' समूह के माध्यम से एक अधिसूचना मिली, जिसमें वह शामिल हो गया और चैट करना शुरू कर दिया। एक डेविड (ग्रुप का एडमिन) ने उसके साथ चैट करना शुरू किया, जिसमें उसने कहा कि उसके पास काले नोटों के बंडल हैं जो रासायनिक घोल में डुबाने पर असली नोटों में बदल जाएंगे और शिकायतकर्ता को 1:5 के अनुपात में रुपये देने की पेशकश की। इस पर शिकायतकर्ता ने उनकी बात मान ली। तब डेविड ने जवाब दिया कि उनका प्रतिनिधि रोलेक्स आएगा और डेमो देगा। 29 दिसंबर 2023 को, रोलेक्स ने शिकायतकर्ता से एक कार में मुलाकात की और मेहदीपट्टनम में डेमो दिया। रोलेक्स अपने साथ कुछ रसायन, काले रंग के नोट लाया और उन रसायनों का एक घोल बनाया और उस तरल घोल में एक काले रंग के नोट को डुबोया, जिस पर काले रंग का नोट 500 रुपये के असली नोट में बदल गया, जिसे सत्यापन के लिए शिकायतकर्ता को दे दिया गया। सत्यापन के बाद शिकायतकर्ता डेविड के प्रस्ताव पर सहमत हो गया। 5 जनवरी 2024 को शिकायतकर्ता ने माधापुर के एक होटल में डेविड के प्रतिनिधियों जोसेफ और कोम्बी फ्रैंक सेड्रिक से मुलाकात की और 5 लाख रुपये दिए। आरोपियों ने पांच लाख के बदले उन्हें पॉलिथीन कवर में पैक एक बंडल दिया, जिसमें 25 लाख रुपये के काले नोट (नकली मुद्रा) और कुछ रासायनिक पदार्थ बताए गए थे। बाद में, शिकायतकर्ता अपने दोस्तों सुरेश और जनार्दन के साथ उनके घर आया और अपराधियों द्वारा दिए गए रासायनिक घोल से साफ करके काले नोटों का सत्यापन किया, लेकिन वे असली नोटों में नहीं बदले। तब उसे पता चला कि उसके साथ धोखा हुआ है।ब्लैक करेंसी (नकली मुद्रा) के नाम पर निर्दोष लोगों को धोखा देने के लिए कोम्बी फ्रैंक सेड्रिक, गोइता सौंगालो डेविड, रोलेक्स और जोसेफ ने एक समूह बनाया है। वे भोले-भाले लोगों को 'वेरिफाई क्लोन क्रेडिट कार्ड' व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने के लिए व्हाट्सएप नोटिफिकेशन भेज रहे थे और काले रंग की लेपित मुद्रा दिखाकर भोली-भाली जनता को लालच दे रहे थे। 23 जनवरी की देर रात को विश्वसनीय सूचना मिलने पर, एसओटी, मल्काजगिरि टीम ने मल्काजगिरि पुलिस के साथ मिलकर दो विदेशियों को उस समय पकड़ लिया, जब वे आनंद बाग, मल्काजगिरि में थे ।

अर्जुन पुरस्कार विजेताओं और एशियाई खेलों के पदक विजेताओ ने सीएम से मुलाकात की

हैदराबाद , 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अर्जुन पुरस्कार विजेताओं और एशियाई खेलों 2023 के पदक विजेताओं और प्रतिभागियों ने बुधवार को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने समय निकालकर एक-एक खिलाड़ी से मुलाकात की और उनकी उपलब्धियों, भविष्य की प्रतियोगिताओं के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने पुरस्कार और पदक विजेताओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों के सम्मान में गुलदस्ते भेंट किये। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक खिलाड़ी के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों की एक व्यापक सूची तैयार करने का निर्देश दिया। सीएम ने तेलंगाना में खेलों के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय सहायता, नौकरी के अवसर और पात्रता मानदंडों के अनुरूप किसी भी अन्य सहायता जैसे तरीकों पर विचार करते हुए प्रभावी समाधान तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बदले में, खिलाड़ियों ने गर्व से अपने पदक और पुरस्कार प्रदर्शित किए, और उनके समर्थन और प्रोत्साहन के लिए माननीय मुख्यमंत्री के प्रति अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया। आज मुलाकात करने वाले खिलाड़ियों में हाल ही में अर्जुन पुरस्कार 2023 से सम्मानित हुसामुद्दीन (मुक्केबाज़ी और राष्ट्रमडल खेल कांस्य पदक विजेता) और सुश्री ईशा सिंह (शूटिंग, एशियाई खेल 2023 स्वर्ण पदक विजेता) शामिल हैं। एशियाई खेल 2023 के अन्य पदक विजेताओं और प्रतिभागियों में निकहत ज़रीन (मुक्केबाजी में कांस्य पदक), किनान चेनाई डेरियस (शूटिंग में स्वर्ण पदक विजेता), सुश्री अगसारा नंदिनी (एथलेटिक्स में कांस्य पदक विजेता), एन सिक्की रेड्डी (बैडमिंटन - भागीदारी) , पी. गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन - भागीदारी), पैरा खेलों में स्वर्ण पदक विजेता, पैरा एथलीट सुश्री जीवनजी दीप्ति ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस से मुलाकात की

लंदन दौरे को लेकर सीएम उत्साहित

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस के साथ अपने विचार साझा किए कि लंदन में टेम्स नदी परियोजना की तर्ज पर हैदराबाद में एक मूसा पुनरुद्धार परियोजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि लंदन की अपनी हालिया यात्रा के दौरान उन्होंने टेम्स नदी के प्रबंधन और रिवरफ्रंट परियोजना के विकास के तरीके का विशेष रूप से अध्ययन किया था। उन्होंने उनसे हैदराबाद में उसी मॉडल पर मूसिनदी को पुनर्जीवित करने की योजना, परियोजना की रूपरेखा, टेम्स नदी की तर्ज पर विकास आदि पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सचिवालय में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी के किनारे विकास कार्यक्रमों के साथ-साथ नदी के संरक्षण, नदी के पानी को स्थिर रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और इस परियोजना को बेहतर तरीके से चलाया जाएगा ताकि स्थानीय लोगों को चयनित परियोजना के माध्यम से अधिक लाभ प्राप्त करें। सीएम ने कहा कि मुसी नदी के विकास में पर्यावरण की रक्षा होगी और प्राकृतिक संसाधनों से छेड़छाड़ किए बिना विकास किया जाएगा। ब्रिटिश उच्चायुक्त ने सीएम के विजन और नदी बेसिन के विकास पर खुशी जाहिर की। एलिस ने कहा कि वे राज्य में कौशल विकास और इको-पर्यटन में योगदान देंगे। इस बैठक में मुख्य सचिव शांति कुमारी, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी, उप उच्चायुक्त गैरेथ वेन ओवेन और अन्य ने भाग लिया।

आरटीसी कर्मचारी मुख्यमंत्री से मिले

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कई कर्मचारियों ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा संचालित पिछली राज्य सरकार के शासनकाल के दौरान उनके साथ हुए अन्याय का आरोप लगाते हुए बुधवार, 24 जनवरी को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनमें से कई को नौकरियों से निलंबित कर दिया गया, मेमो जारी किए गए और 'तुच्छ' कारणों से वेतन में कटौती की गई।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनमें से कई को नौकरियों से निलंबित कर दिया गया, मेमो जारी किए गए और 'तुच्छ' कारणों से वेतन में कटौती की गई। हम तीन साल से रो रहे हैं. कई लोग सड़कों पर रोजमर्रा की बुनियादी चीजों के लिए भीख मांग रहे हैं। हममें से लगभग एक हजार लोग ऐसे हैं। हमें खुशी होगी अगर सरकार हमें वापस नौकरी पर रखे। हमें अपनी शिकायतें व्यक्त करने के लिए टीएसआरटीसी एमडी के कार्यालय में भी नहीं जाने दिया जा रहा है।

पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास की ओर जा रहे कर्मचारियों को रोका। बाद में, निलंबित कर्मचारियों के तीन प्रतिनिधियों को रेवंत रेड्डी से मिलने की अनुमति दी गई।उन्होंने कहा कि पिछली केसीआर सरकार ने उनके साथ अन्याय किया था। उन्होंने कहा कि निलंबन के कारण उनके परिवार पिछले दो-तीन वर्षों से पीड़ित थे।कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नयी सरकार उनके साथ न्याय करेगी। मुख्यमंत्री ने उनसे मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि वह उनकी मांगों पर विचार करेंगे।

विश्वविद्यालयों के नए कुलपतियों की नियुक्ति के लिए अधिसूचना पर हस्ताक्षर

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार, 24 जनवरी को कथित तौर पर उस फ़ाइल पर हस्ताक्षर किए जो राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के नए कुलपतियों की नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी करने की अनुमति देती है। तेलंगाना में 10 कुलपतियों का कार्यकाल, जिनमें उस्मानिया विश्वविद्यालय, काकतीय विश्वविद्यालय, तेलंगाना विश्वविद्यालय, पालमुरु विश्वविद्यालय, सातवाहन विश्वविद्यालय, पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, जेएनटीयू-हैदराबाद, डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय शामिल हैं। जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय, इस साल मई में समाप्त हो जाएगा।तेलंगाना में शेष विश्वविद्यालयों का नेतृत्व वर्तमान में कार्यवाहक कुलपतियों द्वारा किया जा रहा है। कुलपतियों का चयन आम तौर पर एक स्क्रीनिंग/चयन समिति के माध्यम से किया जाता है, और उम्मीदवारों के लिए अक्सर वर्षों के अनुभव और अन्य योग्यता जैसे विशिष्ट मानदंड निर्धारित किए जाता है चयन को अंततः राज्य के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित किया जाना है, जो राज्य में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं।

मरीजों की महिला परिचारकों को भोजन और आवास उपलब्ध कराया जाना चाहिए : डिप्टी सीएम

स्वयं सहायता समूहों को कृषि, पर्यटन एवं सॉफ्टवेयर क्षेत्र से जोड़े जाने के निर्देश

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को कृषि आधारित कुटीर उद्योगों, पर्यटन और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों से जोड़कर महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष उपाय किए जाने चाहिए। आज डॉ. पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण विभागों के लिए बजट अनुमान के डिजाइन पर बी.आर. अम्बेडकर सचिवालय में उपमुख्यमंत्री कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला, बाल कल्याण एवं पंचायत राज राज्य मंत्री धनासारी अनसुइया (सीताक्का) शामिल हुईं। इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य के 4,3%,899 स्वयं सहायता समूहों की 46,68,284 महिला सदस्यों को आर्थिक विकास के लिए उद्यमी के रूप में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला समूहों को ऋण उपलब्ध कराकर ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र आधारित व्यापार में लघु उद्योग स्थापित किये जायें। चूंकि वर्तमान बाजार में जैविक फसल उत्पादों की अच्छी मांग है, एसएचजी को जैविक खेती की ओर निर्देशित किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि राज्य के कई गांवों में पहले पाइपलाइन और जलस्रोत होते हुए भी भागीरथ के नाम पर पाइपलाइन बंद कर दूर-दूर से पाइपलाइन बिछा दी गयी। महिला एवं बाल कल्याण विभाग की समीक्षा के मौके पर उपमुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि छोटे बच्चों को राज्य की संपत्ति माना जाये और शहर के मुख्य चौराहों पर छोटे बच्चों को भीख मांगते दिखाने वालों की पहचान कर उचित कदम उठाया जाये। बच्चों की सुरक्षा के लिए उठाया जाए कदम जीएचएमसी, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण विभाग को संयुक्त रूप से एक विशेष अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 10वीं कक्षा के बाद शिक्षा से दूर हो रही लड़कियों की पहचान कर उन्हें भविष्य में बसाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। राज्य भर के जुड़वां शहरों के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों के परिचारकों को अस्पतालों में मरीजों, विशेषकर महिलाओं और उनके बच्चों को आश्रय और भोजन उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इस तथ्य का उल्लेख करते हुए कि राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों में पोषण की कमी अधिक है, उन्होंने कहा कि आदिलाबाद जिलों, एजेंसी क्षेत्रों और अचम्पेट में आदिवासी लड़कों और लड़कियों में यह अधिक है। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल कल्याण विभाग इसकी रोकथाम के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर विशेष योजना बनाये। हैदराबाद पब्लिक स्कूल जैसा स्कूल शिशु केंद्रों में छात्रों की देखभाल करता है। पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला बाल कल्याण मंत्री धनासारी अनसूया, वित्त विभाग के विशेष प्रधान सचिव रामकृष्ण राव, पंचायत राज, ग्रामीण विकास के प्रधान सचिव संदीप सुल्तानिया, महिला बाल कल्याण विभाग के सचिव वकाती करुणा, राज्य वित्त आयोग की सचिव स्मिता सभरवाल, पंचायत राज विभाग आयुक्त हनुमंत राव, वित्त संयुक्त सचिव हरिता, उप मुख्यमंत्री सचिव कृष्णा भास्कर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीपी ने नए क्राइम स्टेशन भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने नरेडमेट में रचाकोंडा आयुक्तालय के कार्यालय परिसर में निर्मित नए सिटी क्राइम स्टेशन भवन का उद्घाटन किया। सीसीएस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए इस नए भवन का उद्घाटन किया गया है। इस कार्यक्रम में डीसीपी मल्काजीगिरी पद्मजा , डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, एडिशनल डीसीपी एडमिन श्रीनिवास रेड्डी, एसीपी कुशाईगुड़ा चंद्र शेखर, एस्टेट ऑफिसर प्रदीप कुमार और अन्य ने भाग लिया।

आपदाओं से सावधान रहें, बचाव के उपाय करें : कलेक्टर

मंचेरियल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर बी. संतोष ने अधिकारियों से राष्ट्रीय आपदाओं और जनता पर उनके प्रतिकूल प्रभावों और निवारक उपायों के बारे में जागरूक रहने को कहा। उन्होंने अतिरिक्त कलेक्टर बी राहुल के साथ बुधवार को यहां राष्ट्रीय आपदा राहत बल 10वीं बटालियन-विजयवाड़ा के इंस्पेक्टर टी बिट्टू सिंह के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई। संतोष ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे राष्ट्रीय आपदाओं और इससे निपटने के उपायों के बारे में जागरूकता रखें। उन्होंने उनसे उन तरीकों के बारे में अपनी समझ बढ़ाने के लिए कहा जो बाढ़, आग की दुर्घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को भी बचाते हैं। उन्होंने जनता एवं विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने उन्हें राहत कार्यों में भाग लेने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं और आपदा से प्रभावित स्थानों की जानकारी इकट्ठा करने की सलाह दी। वह चाहते हैं कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने बताया कि बाढ़, लू, बिजली गिरने के समय क्या करें और क्या न करें के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा की जा रही है। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त तिरुपति रेड्डी, जिला शिक्षा अधिकारी एस यादैया, चुनाव तहसीलदार श्रीनिवास उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों के लिए नई नीति

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वापस लौटने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों को फिर से एकीकृत करने के उद्देश्य से नीति बनाने वाला भारत का पहला राज्य बनने की तैयारी कर रहा है।राज्य श्रम विभाग रोजगार सृजन के लिए राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र स्थापित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), प्रवासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन और संयुक्त राष्ट्र महिला के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में मंगलवार 23 जनवरी को सभी हितधारकों की बैठक हुई।दक्षिण एशिया में अब तक केवल नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान ने ही लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों को कार्यबल में समायोजित करने के लिए ऐसी नीतियां बनाई हैं।धिकांश अप्रवासी हैदराबाद, 3 तेलंगाना जिलों सेहालांकि अधिकारियों के पास सटीक तारीख अभी तक उपलब्ध नहीं है, लेकिन अनुमान है कि राज्य के कुल अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में से 70 प्रतिशत निज़ामाबाद, हैदराबाद, करीमनगर और जगतियाल से हैं। अधिकारी प्रवासियों के लिए एक समेकित डेटाबेस तैयार करने की भी योजना बना रहे हैं। चूंकि तेलंगाना के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय प्रवासी इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, मजदूर और नौकरानियों जैसी ब्लू-कॉलर नौकरियां लेते हैं, इसलिए नीति का उद्देश्य उन्हें फिर से कुशल बनाना और उन्हें तेलंगाना के कार्यबल में फिर से शामिल करना है।लौटने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों को श्रम बाजार की जरूरतों और मांगों के अनुसार तकनीकी प्रशिक्षण और पुन: कौशल दिया जाएगा।उन्हें ऋण और उद्यमशीलता सहायता भी प्रदान की जाएगी।

तेलंगाना सरकारी विभाग में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पूर्व पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने 24 जनवरी को बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के लिए तेलंगाना सरकार के विभिन्न विभागों की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में, सीवी आनंद ने एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा तेलंगाना के महबूबनगर के जेडचर्ला में एक उत्पाद शुल्क और निषेध अधिकारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ने की हालिया खबर पर टिप्पणी की।उन्होंने कहा कि राजस्व, पुलिस, परिवहन आदि के साथ-साथ, उत्पाद शुल्क भी हमारे राज्य में अत्यधिक भ्रष्ट विभागों में से एक है।आनंद ने कहा कि तेलंगाना में न केवल उत्पाद शुल्क विभाग बल्कि राजस्व, पुलिस और परिवहन विभाग भी अत्यधिक भ्रष्ट हैं। एसीबी ने 22 जनवरी को जडचेरला एक्साइज स्टेशन, महबूबनगर के निषेध और उत्पाद शुल्क निरीक्षक को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ा। आरोपी रत्नावथ बालोजी को शिकायतकर्ता रेकला तिरुपतैया गौड़ से 65,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए पकड़ा गया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पहले 19 जनवरी को 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी और स्वीकार की थी। उनके कब्जे से रकम बरामद की गई थी। भ्रष्ट अधिकारी ने शिकायतकर्ता और उसके बेटों को टीएफटी लाइसेंस जारी करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की। बालोजी पर अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अनुचित और बेईमानी से अपना कर्तव्य निभाने का आरोप लगाया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हैदराबाद में एसपीई और एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

मई में होंगी एमसेट की परीक्षाएं

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)।उच्च शिक्षा परिषद तेलंगाना एमएसईटी लिखित परीक्षा पर अभ्यास कर रही है। इसके एक भाग के रूप मे अधिकारी एमसेट कृषि, फार्मेसी और इंजीनियरिंग लिखित परीक्षा का शेड्यूल बनाने पर काम कर रहे हैं। एमसेट परीक्षा पिछले वर्ष की समान तारीखों पर आयोजित करने की योजना है। इस साल कृषि और फार्मेसी विभाग के लिए 10 और 11 मई को और एमएसईटी इंजीनियरिंग विभाग के लिए 12 से 14 मई को लिखित परीक्षा आयोजित होने की उम्मीद है। इन अन्य प्रवेश परीक्षाओं के अलावा, अधिकारियों ने एडसेट, लासेट, ईसेट, आईसेट पीजीसेट, पीईसेट पर ध्यान केंद्रित किया है। गुरुवार या शुक्रवार को शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव सरकार के मुख्य सचिव के साथ बैठक कर एमसेट लिखित परीक्षा के संबंध में मंजूरी लेंगे।इसके अलावा, मेडिकल सीटें नीट के माध्यम से भरी जाएंगी। फार्मेसी विभाग की सीटें एमसेट के माध्यम से भरी जाएंगी। इस हद तक, ऐसा लगता है कि कृषि और फार्मेसी को समायोजित करने के लिए नाम को ईएपी सेट में बदलने की संभावना है। बताया गया है कि उच्च शिक्षा परिषद ने ये प्रस्ताव शासन को पहले ही भेज दिए हैं। अधिकारियों में चर्चा चल रही है कि जल्द ही इससे संबंधित आदेश जारी होने की संभावना है।

टीएसआरटीसी ने तेलंगाना में ड्राइवर दिवस मनाया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बस चालकों की कड़ी मेहनत को पहचानने के प्रयास में, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने बुधवार को तेलंगाना में ड्राइवर दिवस मनाया। उत्सव के हिस्से के रूप में, टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने हैदराबाद में कुछ आरटीसी ड्राइवरों से मुलाकात की और उन्हें इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC-23-24-06 दिनांक : 20.01.2024

कार्य का नाम : 36 महीने की समयावधि हेतु कोचिंग मेन्टेनेंस डिपो (विशाखापट्टनम) में पावर कारों में सुसज्जित ग्रीव्स कॉटन मेक DA सेट्स यानी M1 चेक और M2 / M3 चेक DA सेट का वार्षिक रखरखाव अनुबंध।

निविदा मूल्य (₹) : 69,25,813.71, EMD (₹) : 1,38,500/-, निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये में) : 5,900/-, पूरा होने की अवधि : 36 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक : 15.02.2024 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक : 15.02.2024 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

निविदाकारों को इस निविदा के लिए जारी कोई भी शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट देखना जरुरी है।

PR-1022/O/23-24 वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G), वाल्टियर

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sharmila Kumari Wife of Manoj Kumar Presently Residing at SMQ No. 178/3 Air Force Station Begumpet, Secunderabad - 500011 (Telangana State), Permanent Resident of Flat No. M-3, 8/16 Rajender Nagar, Sector-3 Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my Name from SHARMILA KUMARI to SHARMILA DEVI vide affidavit dated 24/01/2024 at Secunderabad(T.S).

I, 15148165X, EX-NK, Nagaraju Kunchala S/o. Sheshagiri Rao Kunchala, R/o. H.No. 87-6-599, 6th Lane, Lalapuram Road, Netaji Nagar, Guntur Dist, Andhra Pradesh State, Pin-522004, my wife name changed from Lakshmi Prasanna to Kunchala Lakshmi Prasanna (Affidavit No. T080272 dt.23-01-2024

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिजनौर में रामगंगा बैराज में गिरी बेकाबू कार, चार लोगों की मौत

बिजनौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के हरेवली इलाके में एक अनियंत्रित कार के रेलिंग तोड़कर रामगंगा बैराज में गिर जाने से उस पर सवार चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर रात शेरकोट थाना क्षेत्र के नूरपुर छीपरी गांव के निवासी खुर्शीद (45), फैसल (25), रशीद (22), मारूफ (19) और सिकंदर (21) अफजलगढ़ से प्रदर्शनी देखकर कार से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ते में उनकी कार हरेवली के पास अनियंत्रित हो गई और रामगंगा बैराज पर बनी रेलिंग को तोड़ते हुए लगभग 28 फीट नीचे पानी में जा गिरी। पुलिस को जानकारी मिलते ही बचाव अभियान शुरू किया गया।

लोकसभा चुनाव के लिए आज पीएम मोदी करेंगे शंखनाद

पश्चिम यूपी की सीटों पर निगाहें, एसपीजी ने कब्जे में लिया सभास्थल

बुलंदशहर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 जनवरी को चोला के निकट पुलिस फायरिंग रेंज (चांदमारी) मैदान पर जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा करने वाले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने जनसभा स्थल को कब्जे में ले लिया है। कमिश्नर ने अफसरों के साथ जनसभा स्थल की तैयारी का निरीक्षण कर तेजी से कार्य पूरा कराने को दिशा-निर्देश दिए। जनपद के चोला के निकट पुलिस फायरिंग रेंज मैदान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा के लिए सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। अफसरों की टीम तेजी के साथ जनसभा की तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री के मंच से लेकर पंडाल तक बनकर तैयार हो गए हैं। जनसभा स्थल के किनारे सड़क के दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाने का काम भी रफ्तार के साथ चल रहा है। बिना जांच के किसी भी व्यक्ति को जनसभा स्थल पर प्रवेश नहीं मिलेगा। कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे ने डीएम चंद्रप्रकाश सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार के साथ दोपहर जनसभा स्थल पहुंच तैयारी का निरीक्षण किया।

बम निरोधक दस्ता व डाग स्क्वायड ने की जांच

बम निरोधक दस्ता की टीम दोपहर को जनसभा स्थल पहुंची। जनसभा स्थल का चप्पे-चप्पे की जांच की। साथ ही मंच की डाग स्क्वायड की टीम ने जांच की। इसके बाद बम निरोधक दस्ता व डाग स्क्वायड की टीम ने हेलीपैड की भी जांच की।

मुख्यमंत्री योगी आज फिर कर सकते हैं निरीक्षण

प्रधानमंत्री की जनसभा स्थल का दोपहर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरी बार निरीक्षण करने को पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री जनसभा स्थल की तैयारी के साथ ही पदाधिकारियों से तैयारी की समीक्षा भी करेंगे। साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक जनसभा स्थल का निरीक्षण कर तैयारी का जायजा लेंगे। प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए सभी तैयारी तेजी के साथ पूरी की जा रही हैं। जनसभा के लिए सभी तैयारी अंतिम चरण में हैं।

हेलीपैड पर उतरा हेलीकाप्टर

जनसभा स्थल पर सुबह को एयरफोर्स के हेलीकाप्टर से लैडिंग का अभ्यास प्रस्तावित था। हेलपैड के चारों तरफ सुबह से भारी पुलिस तैनात कर दिया गया। जनसभा स्थल पर लगाए जाएंगे 100 सीसीटीवी : 24 घंटे निगरानी को कड़ी इंतजाम किए गए हैं। जनसभा स्थल का पल सीसीटीवी में कैद किया जाएगा।

कोर्ट ने दो दारोगा को गिरफ्तार कर पेश करने का दिया आदेश

इस मामले में जारी किया गया वारंट

भागलपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तिलकामांझी थाना क्षेत्र के टीएनबी ला कालेज रोड निवासी दारोगा रंजीत ठाकुर और बरारी थानाक्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी दारोगा प्रेम प्रकाश साह पर गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। दोनों दारोगा की तैनाती किशनगंज जिला मुख्यालय में क्रमश 2016, 2017 में रही थी। किशनगंज के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय ने दोनों दारोगा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का आदेश जारी किया है। न्यायाधीश के उक्त आदेश की कापी जिला मुख्यालय पहुंचने पर एसएसपी आनंद कुमार ने तिलकामांझी और बरारी थानाध्यक्ष को न्यायालय के आदेश के अनुपालन कराने को कहा है। किशनगंज के एडीजे की तरफ से जारी वारंट उत्पाद अधिनियम से संबंधित अहम केस में गवाही नहीं देने के कारण जारी की गई है। इधर वारंट मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की तरफ से दोनों पदाधिकारियों के पते का सत्यापन करने पर यह जानकारी मिली है कि दोनों पुलिस पदाधिकारी सेवानिवृत हो चुके हैं।

बबरंज थाने में तैनात सिपाही के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट

व्यवहार न्यायालय के प्रथम एएसजे की अदालत ने बबरगंज थाने के रिजर्व गार्ड के सिपाही राकेश कुमार के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है।

गंगाजल पीने लायक है या नहीं

हाईकोर्ट इलाहाबाद का प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बड़ा सवाल

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से पूंछा है कि गंगाजल पीने लायक है या नहीं। यदि पीने के लायक नहीं है तो इसे शुध्द बनाने के आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही न्यायालय ने माघ मेला क्षेत्र में तीन अलग अलग जगहों से जल लेकर जांच कराते हुए उसकी रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने गंगा यमुना में लगातार पानी का बहाव बरकरार रखने का निर्देश भी दिया है।

डीएम को डाटा प्रस्तुत करने का निर्देश

गंगा में प्रदूषण को लेकर शख्त इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी प्रयागराज से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थिति रिपोर्ट तथा यमुना में छोड़े जा रहे जल का डाटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा न्यायालय ने नगर आयुक्त से गंगा यमुना में सीधे गिरने वाले नालों की रिपोर्ट व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करते हुए प्रस्तुत करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति एमके गुप्ता, न्यायमूर्ति सिध्दार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजित कुमार की पूर्णपीठ ने गंगा प्रदूषण मामले की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

'डर ही सही लेकिन राजनीति'

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की घोषणा पर लालू यादव ने मोदी सरकार को घेरा

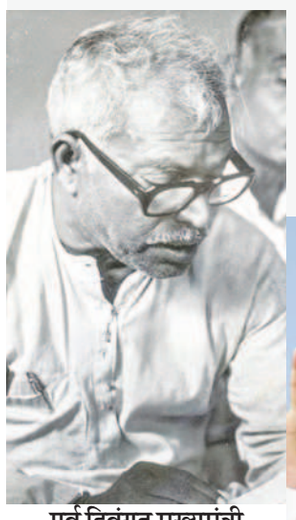

पूर्व दिवंगत मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने जैसे ही बिहार के महान समाजवादी नेता और पूर्व दिवंगत मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की वैसे ही बिहार की सियासत तेज हो गई। भाजपा, जेडीयू और आरजेडी के नेताओं की तरफ से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अब इसी क्रम में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। लालू यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा। लालू प्रसाद यादव ने लिखा कि जातिगत जनगणना के डर से मोदी सरकार ने यह कदम उठाया।

लालू ने मोदी सरकार को घेरा

लालू प्रसाद यादव ने लिखा कि मेरे राजनीतिक और वैचारिक गुरु दिवंगत कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न अब से बहुत पहले मिलना चाहिए था। हमने सदन से लेकर सड़क तक ये आवाज उठाई लेकिन केंद्र सरकार तब जागी जब सामाजिक सरोकार की मौजूदा बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना करवाई और आरक्षण का दायरा बहुजन हितार्थ बढ़ाया। डर ही सही राजनीति को दलित बहुजन सरोकार पर आना ही होगा।

लालू ने जातिगत जनगणना से केंद्र को घेरने की कोशिश की

राजद प्रमुख ने अपने इस बयान के जरिए करीब करीब यह साफ करने की कोशिश की कि बिहार की मौजूदा नीतीश-तेजस्वी की सरकार ने जातिगत जनगणना करवाई और आरक्षण का दायरा बहुजन समाज की हित मे बढ़ाया जिसके बाद केंद्र सरकार ने बहुजन समाज के डर की वजह से यह निर्णय लिया है। कम शब्दों में ही सही लालू ने विरोधियों को अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है।

तेजस्वी यादव ने क्या कहा?

वहीं दूसरी और राजद के वरिष्ठ नेता, लालू प्रसाद के छोटे पुत्र और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सुबह-सुबह एक वीडियो जारी कर कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि, आज हमारे जीवन की सबसे बड़ी साध पूरी हुई है। शोषित वंचित उत्पीड़ित वर्ग के सबसे बड़े पैरोकार बिहार के महान समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिलाने की मांग दशकों पुरानी है लगातार हमारा दल हमारे पिता राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी एवं अन्य कई वरिष्ठ नेता और मैं स्वयं की मांग करता रहा हूं, और जिस हिसाब से महागठबंधन की सरकार ने जाति आधारित गणना कराकर उसी अनुपात में आरक्षण का दायरा 75 प्रतिशत बढ़ाया है, दिया है इसी के दबाव में आज इस मांग को पूरा करना पड़ रहा है।

सीएम नीतीश ने भी दी प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की 100 वीं जयंती पर यह सर्वोच्च सम्मान दिए जाने की घोषणा से दलितों, वंचितों और उपेक्षित तबकों के बीच सकारात्मक भाव पैदा करेगा। वह हमेशा से कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की मांग करते रहे हैं। आज कर्पूरी ठाकुर को दिए जाने वाले इस सम्मान से उन्हें खुशी मिली है

मस्जिद से झंडा हटाने वाले तीन लोग गिरफ्तार

श्रीराम लिखे ध्वज का अपमान करने वाले 17 लोगों पर एक्शन

शाहजहांपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक मस्जिद पर लगा झंडा उतारकर भगवा झंडा फहराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, जिले की ही तिलहर पुलिस ने 'श्रीराम' लिखे झंडे का कथित तौर पर अपमान करने के एक अन्य मामले में पांच नामजद तथा 12 अज्ञात लोगों सहित 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के लालबाग चौडेरा में बनी एक मस्जिद में सोमवार की रात गांव के ही तीन युवकों ने एक मस्जिद पर लगा हरे रंग के झंडे को उतार दिया और उसकी जगह पर भगवा झंडा लगा दिया। उन्होंने बताया कि गांव के ही रहने वाले फलालुद्दीन ने पुलिस को घटना की सूचना दी इसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई। 'भगवान राम का अनादर संविधान निर्माताओं का अपमान', जयपुर में बोले उपराष्ट्रपति धनखड़ मीणा ने बताया कि इस मामले में अंकित कठेरिया, रोहित जोशी तथा रोहित सक्सेना नामक व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें आज गिरफ्तार कर लिया गया।

राम मंदिर के बाद अब इस काम के लिए मैदान में उतरेंगी उमा भारती

कानपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पांच सौ वर्षों में कारसेवकों व बलिदानियों के योगदान से अयोध्या में रामलला आने से करोड़ों भारतीयों का सपना सच हुआ। शाम को उन्नाव व कानपुर के बीच पुल पर खड़े होकर अविरल गंगा का शंखनाद कर दिया है। उद्योगों व गंदे नालों के कारण यहां सबसे अधिक 'पाल्यूशन स्ट्रेच' (प्रदूषण का फैलाव) है। इस क्षेत्र का जल पीने, आचमन व तर्पण योग्य हो गया तो समझो गंगा निर्मल व अविरल हैं। अयोध्या वैसी है, जैसी रामलला के आगमन की खुशी में होनी चाहिए। मंदिर से देश पुराने गौरव में लौट रहा। त्रेतायुग आ गया है। राहुल गांधी को निमंत्रण दिया गया था, लेकिन वो अयोध्या गए नहीं। उन्हें किन मंदिरों में रोका जा रहा है, ये पता नहीं है। ये बातें सेंट्रल स्टेशन पर गोरखपुर-यशवंतपुर ट्रेन से भोपाल जाते समय मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा सफाई मंत्री उमा भारती ने कहीं।

राहुल गांधी को मिला निमंत्रण लेकिन नहीं आए

जैसे मंदिर बना, गंगा भी अविरल होगी

उमा भारती

उमा भारती ने कहा, मंत्री रहते गंगा की अविरलता के तीन, सात और 10 साल के कार्यक्रम तय किए थे। अब वर्ष 2025 तक गंगा वैसे ही अविरल होंगी, जैसे मंदिर बना।

लोकसभा चुनाव से पहले रणनीति बनाकर इसके लिए मैदान में उतरूंगी। अशोक सिंघल ने मंदिर का काम सौंपा था। गंगा के लिए भी काम करने को कहा था। जैसे तमाम हुतात्माओं ने मंदिर को मूर्त रूप दिया, वैसे ही गंगा अविरलता को कारसेवा होगी। उमा भारती ने कहा कि रामलला की प्रतिष्ठा में आने वाली अड़चनों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूर किया, अब गंगा अविरलता पर भी सहयोग करेंगे। मंत्रालय भले छोड़ा पर गंगा मन से अलग नहीं हैं। कुंभ और माघ मेले की व्यवस्थाएं चार-पांच माह की होती हैं। पूरे समय मां गंगा की धारा अखंड करनी होगी।

गडकरी ने कहा था गंगा में चलेंगे जहाज

उमा भारती ने कहा कि गंगा में जहाज चलाने के लिए नितिन गडकरी से कहा था। जहाज चले तो जैसे ही बनारस में पानी कम मिलता, स्वयं ही पानी की व्यवस्था में जुटते। अचल रहे अहिवात तुम्हारा, जब लौं गंग-जमुन में धारा की बात सिद्ध करनी है। इससे पहले भाजपा नेता सुरेश अवस्थी के नेतृत्व में रमाशंकर अग्रहरि, योगेश पांडेय, गोपाल दोसर, अंकित तिवारी, रंजना शुक्ला, किरन निषाद ने उनका स्वागत किया। बोलीं- सीसामऊ नाला याद है, त्यागा था अन्न-जल उमा भारती ने गंगा में गिरने वाले सीसामऊ नाले की याद दिलाई। बोलीं, इसे बंद करने के लिए बैराज स्थित सिंचाई विभाग के डाक बंगले में अन्न-जल त्याग दिया था तो सबके हाथ-पांव फूल गए थे।

मिट्टी की खुदाई में मिला मुगलकालीन खजाना

सोने-चांदी के सिक्कों की मची लूट 1 केजी तो ठेकेदार लेकर भागा

संभल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मिट्टी खुदाई के दौरान सोने-चांदी के सिक्के मिलने के बाद वहां लूट मच गई। वहां खुदाई कर रहे मजदूर सोने और चांदी के सिक्कों को लेकर भागने लगे। खबर है कि एक किलो से अधिक सिक्के लेकर ठेकेदार भी रफूचक्कर हो गया। इसकी सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि सिक्के मुगलकालीन हैं। पूरा मामला जुनावई थाना इलाके के गांव हरगोविंदपुर का है, जहां सड़क निर्माण के दौरान मिट्टी की खुदाई में सोने-चांदी के सिक्कों से भरा एक घड़ा निकला। जिसके बाद वहां लूट मच गई। सड़क निर्माण करा रहा ठेकेदार एक किलो से अधिक सिक्के लेकर मौके से फरार हो गया। मामले की पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची। हालांकि अभी पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बताया का रहा है कि सोने-चांदी के सिक्कों की कीमत लाखों है।

साथ ही मुगलकालीन होने की वजह इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। बताया जा रहा है कि जो सिक्के मिले हैं वह बहादुर शाह जफ़र के समय का है। सिक्कों की लूट के बाद ग्राम प्रधान की तरफ से पुलिस को तहरीर दी गई है। फिलहाल पुलिस सिक्कों की बरामदगी के प्रयास में जुटी है। पुलिस का कहना है कि ग्राम प्रधान की तहरीर पर कार्रवाई की जा रहे। ग्रामीणों मजदूरों और ठेकेदार से सिक्कों के बरामदगी के प्रयास जारी है। जानकारी के मुताबिक ठेकेदार 1 किलो 300 ग्राम सिक्के लेकर फरार है। सिक्कों की बरामदगी कर सरकारी खजाने में जमा करवाया जाएगा।

नोएडा-गाजियाबाद में बारिश से और बढ़ी ठिठुरन, 20 जिलों में रेड अलर्ट जारी

नोएडा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इस वक्त कड़ाके की ठंड का सितम जारी है। लोग इन दिनों ठंड का सामना कर ही रहे थे कि मंगलवार देर रात और बुधवार तड़के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और गाजियाबाद समेत कई हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी हुई। बता दें कि बूंदाबांदी की वजह से ठंड में इजाफा हुआ है। वहीं, इस बीच मौसम विभाग (आईएमडी) ने यूपी में बुधवार, 24 जनवरी के लिए कड़ाके की सर्दी का रेड अलर्ट जारी किया है। खबर में आगे जानिए वो कौनसे जिले हैं, जहां ठंड को लेकर रेड अलर्ट जारी हुआ है। आपको बता दें कि मौसम विभाग ने बहराइच, लखीमपुर खीरी, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं और इसके आसपास के इलाकों में भयंकर ठंड पड़ने की संभावना है। जिलों में भीषण ठंड को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है।

यहां पड़ेगा जमकर कोहरा

मौसम विभाग के अनुसार, बहराइच, लखीमपुर खीरी, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं और इसके आसपास के इलाकों में घना कोहरा पड़ने की संभावना है।

यूपी में कब तक नहीं मिलेगी ठंड से राहत?

मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, गणतंत्र दिवस के एक दिन बाद यानी 27 जनवरी तक ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दरअसल, पहाड़ी इलाकों में 25 जनवरी के बाद बारिश और बर्फबारी की भी संभावना मौसम विभाग ने जताई है। और इसी के चलते फिर मैदानी इलाकों में भी ठंड में इजाफा हो सकता है।

हिंदी मीडियम की श्वेता दो बार पीसीएस पास, नायब तहसीलदार से बनीं डिप्टी जेलर

वाराणसी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपी पीसीएस) की तरफ से यूपी पीसीएस 2023 का फाइनल रिजल्ट (यूपी पीसीएस) जारी हो गया है। यूपी पीसीएस रिजल्ट आते ही हर तरफ प्रतापगढ़ की रहने वाली श्वेता मिश्रा की चर्चा हो रही है। हिंदी मीडियम से पढ़ाई करने वाली श्वेता ने यूपी पीसीएस परीक्षा दो बार क्रैक की है। इस बार उनका चयन डिप्टी जेलर के पद पर हुआ है। यूपी पीसीएस 2023 में इस बार 251 उम्मीदवारों का चयन हुआ है। इनमें एक नाम श्वेता मिश्रा का भी है। श्वेता ने डिप्टी जेलर सेक्शन में पहला स्थान हासिल किया है। श्वेता मिश्रा ने अपने यूपी पीसीएस सफर का अनुभव साझा किया है। आइए उनके सफलता के पीछे के संघर्ष पर एक नजर डालते हैं।

हिंदी मीडियम से पढ़ाई

श्वेता मिश्रा ने बताया कि उनकी स्कूलिंग से लेकर ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई प्रतापगढ़ से ही हुई है। उनकी हाईस्कूल तक की पढ़ाई एक कॉन्वेंट स्कूल से यूपी बोर्ड से हुई है। साल 2014 में राम नारायण स्कूल इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ से उन्होंने 12वीं पास की। इसके बाद उन्होंने अपना बीएससी ग्रेजुएशन राजकीय महाविद्यालय से किया है। फिर उन्होंने डीएलएड भी किया।

यूपी पीसीएस की तैयारी

श्वेता बताती हैं कि उन्होंने ग्रेजुएशन के बाद से ही यूपी पीसीएस की तैयारी शुरू कर दी। इसके लिए उन्होंने प्रयागराज का रुख किया। प्रयागराज में रहकर एक कोचिंग से उन्होंने पीसीएस की तैयारी शुरू की। साल 2021 में उन्होंने पहली बार यूपी पीसीएस की परीक्षा दी और उनका चयन नायब तहसीलदार के पद पर हुआ।

यूपी पीसीएस क्रैक करने वाली श्वेता मिश्रा

श्वेता वाराणसी जिले में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात हुईं। नायब तहसीलदार के पद पर काम करते हुए श्वेता ने यूपी पीसीएस की तैयारी जारी रखी। नौकरी के साथ पढ़ाई करके यूपी पीसीएस 2023 परीक्षा में शानिल हुईं। इस बार उनका चयन डिप्टी जेलर के पद पर हुआ है। श्वेता मिश्रा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता और दादा को दिया है। वो बताती हैं कि उनके परिवार में लड़कियों के लिए किसी तरह की कोई पाबंदियां नहीं है। श्वेता बताती हैं कि उनके दादा जिनका अब स्वर्गवास हो गया है वो हमेशा से चाहते थें कि परिवार की लड़कियां ज्यागा आगे बढ़ें। यही वजह है कि श्वेता को उनके परिवार से काफी सपोर्ट मिला है।

आईएसए है सपना

श्वेता बताती हैं कि उनका सफर यहीं रुका नहीं है। वो आगे भी सिविल सर्विस की तैयारी करती रहेंगी। वो यूपी पीसीएस के साथ यूपी पीसीएस की तैयारी भी कर रही हैं। उनका सपना एसडीएम और आईएसए बनने का है। पीसीएस की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए श्वेता कहती हैं कि सिविल सर्विस के लिए हिंदी माध्यम से होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। वो खुद को हिंदी मीडियम का एक जीता-जागता उदाहरण बताती हैं।

पुजारी को नोटिस पर भड़की बीजेपी

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अब जारी किया ये बयान

चिक्कमगलुरु, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के कोडंडा रामास्वामी मंदिर के पुजारी हिरेमागलुरु कन्नन के मामले में अब एक मोड़ आ गया है। पुजारी को नोटिस जारी कर उनका आधा वेतन वापस मांगा गया है। लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि तहसीलदार की गलती की वजह से कन्नन को अधिक राशि दे दी गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस मामले में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि तहसीलदार की ओर से कन्नन को नोटिस जारी करना गलत है। इसी के साथ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आगे लिखा कि पूरे मामले में कन्नन की कोई गलती नहीं है। मैं यह नोटिस जारी करने के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत करुंगा। मुख्यमंत्री

कार्यालय की तरफ से सोशल मीडिया पर बताया गया है कि तहसीलदारों ने कन्नन को अतिरिक्त पैसे का भुगतान किया, उनसे शेष राशि वसूलने का काम हमारा है।

जानें क्या है विवाद का ये मामला?

हिरेमागलुरु कन्नन पिछले 44 सालों से कल्याण कोडंडा रामास्वामी मंदिर के मुख्य पुजारी के रूप में सेवारत हैं। कन्नन को राज्य सरकार की ओर से हर माह 7500 रुपये का भुगतान किया जाता था। जब मंदिर की आय कम थी, तब भी उनको इतनी ही राशि मिलती थी। अब उनको प्रतिमाह 4500 रु। वापस करने का निर्देश दिया गया है। तहसीलदार ने नोटिस जारी कर उनको कुल 10 साल की राशि 4 लाख 74 हजार रुपये लौटाने के लिए नोटिस जारी किया है। इसी नोटिस के सार्वजनिक होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा है कि हिरेमागलुरु कन्नन को पैसे वापस करने के लिए नोटिस जारी करना ठीक नहीं। इसमें कन्नन की गलती नहीं है। वहीं मंत्री रामलिंगारेड्डी ने भी कहा कि वो आयुक्त को हिरेमागलुरु कन्नन को दिया गया नोटिस वापस लेने का निर्देश देंगे।

सीएम के बयान पर हुआ विवाद

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जिस तरह से तहसीलदार की भूमिका पर सवाल उठाये हैं, और अधिक भुगतान के लिए उनको जिम्मेदार ठहराया है उससे कई सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या प्रदेश के अन्य मंदिरों में भी इसी आधार पर कार्रवाई होगी? सवाल ये भी है कि क्या ज्यादा आय वाले मंदिरों के पुजारियों को वहां की आय के मुताबिक भुगतान किया जा रहा है? प्रदेश में सबसे बड़ा सवाल ये भी उठ रहा है कि क्या कम आय वाले मंदिरों के पुजारियों को कम वेतन दिया जाना चाहिए, जबकि अधिक आय वाले मंदिरों के पुजारियों को अधिक वेतन नहीं दिया जाना चाहिए?

बीजेपी नेताओं ने उठाया सवाल

कोडंडा रामास्वामी मंदिर के पुजारी को 2013 और 2022 के बीच उनके खाते में 4.74 लाख अतिरिक्त राशि दी गई, जिसे वापस करने के लिए जब नोटिस जारी किया गया तो उस पर विवाद खड़ा हो गया। कई भाजपा नेताओं ने सरकार की आलोचना की। बीजेपी नेताओं ने सरकार से इस नोटिस को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की। 2 दिसंबर 2023 को पुजारी को जारी किए गए नोटिस के अनुसार राज्य सरकार ने मंदिर को कुल 3.36 लाख रुपये दिये। इस अवधि के दौरान पुजारी के खाते में 8.1 लाख रुपये जमा हो गए, जिसके बाद तहसीलदार ने पुजारी को 4.74 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि मंदिर के खाते में वापस करने का निर्देश दिया।

मद्रास हाई कोर्ट ने अन्नाद्रमुक नेता सीवी षणमुगम के खिलाफ दो मामले रद्द किए

चेन्नई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता सी.वी। षणमुगम के खिलाफ दो मामले रद्द कर दिए। मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने अन्नाद्रमुक नेता के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर दो मामलों को रद्द कर दिया जबकि दो अन्य मामलों को रद्द करने से इनकार कर दिया। अन्नाद्रमुक नेता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विजय नारायणन ने तर्क दिया कि द्रमुक सरकार ने राज्य के कुप्रबंधन और खराबी को उजागर करने के लिए उनके मुवक्किल के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए थे। षणमुगम ने अपनी याचिका में अदालत को सूचित किया था कि उन्होंने द्रमुक सरकार के कुप्रबंधन को सार्वजनिक किया था और उद्योगों को चौबीसों घंटे काम करने की अनुमति देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि वह राज्य में गांजे के मुक्त प्रवाह और महिलाओं, विशेषकर छात्रों के यौन उत्पीड़न के भी सख्त खिलाफ रहे हैं। उन्होंने अन्नाद्रमुक द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में सरकार के खिलाफ बात की थी और उनका मानना है कि विपक्षी दल के नेता के रूप में यह उनका कर्तव्य था। पूर्व मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल ने एक व्यक्ति के रूप में मुख्यमंत्री की मानहानि नहीं की है, बल्कि उसके कदाचारों के लिए मुख्यमंत्री के अधीनस्थ सरकार की आलोचना की है। सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता पी.एस। रमन ने कहा कि षणमुगम ने वास्तव में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री को बदनाम किया है। ए-जी ने अन्नाद्रमुक नेता के भाषण का एक टेप भी अदालत में प्रस्तुत किया। न्यायमूर्ति आनंद वेंकटेश ने मामलों की सुनवाई की और षणमुगम की याचिका को स्वीकार करते हुए दो मामलों को रद्द कर दिया जबकि अन्य दो को रद्द करने से इनकार कर दिया।

देश में कोरोना का कहर, 2 लोगों की मौत सक्रिय मामलों की संख्या हुई 1886

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत में कोविड के 160 नए मामले सामने आए हैं, जबकि संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 1,886 है। मंत्रालय के सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में दो लोगों की मौत दर्ज की गई है जिसमें से एक कर्नाटक और केरल से है। 5 दिसंबर, 2023 तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक में आ गई थी, लेकिन एक बार फिर से ठंड के मौसम की स्थिति के बाद से कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि 31 दिसंबर, 2023 को एक दिन में 841 नए मामले सामने आए, जो मई 2021 में रिपोर्ट किए गए मामलों का 0.2 प्रतिशत है।

कुल सक्रिय मामलों में से, इनमें से अधिकांश (लगभग 92 प्रतिशत) घरेलू अलगाव के तहत ठीक हो रहे हैं। सूत्रों ने कहा, वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि जेएन।1 वैरिएंट न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि कर रहा है और न ही अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर में वृद्धि कर रहा है। भारत ने अतीत में कोविड-19 की तीन लहरें देखी हैं, अप्रैल-जून 2021 के दौरान डेल्टा लहर में दैनिक नए मामलों और मौतों की चरम घटनाएं दर्ज की गईं थी। 7 मई, 2021 को 4,14,188 नए मामले और 3,915 मौतें दर्ज की गईं थी। 2020 की शुरुआत में महामारी शुरू होने के बाद से 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और संक्रमण के कारण देश भर में 5।3 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, इस बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या 4.4 करोड़ से अधिक है, जिसकी राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है। वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराकें लगाई जा चुकी हैं।

वकील ने भरी कोर्ट में जज पर जूता फेंका

डाइज पर चढ़कर केस की फाइल छीनने की कोशिश की

भोपाल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आगर जिले में एक अदालत कक्ष के अंदर एक वकील ने जज को निशाना बनाकर जूता फेंका। हालांकि, जज ने समय रहते झुककर खुद को चोट से बचा लिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार को आगर जिले की एक अदालत में हुई, जब न्यायाधीश एक मामले की सुनवाई कर रहे थे। इस बीच, दो अलग-अलग पक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो वकीलों के बीच तीखी बहस होने लगी, जिस पर जज ने आपत्ति जताई। इससे गुस्साए वकील नितिन अटल, जो पहले से ही अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ बहस में लगे हुए थे, उन्होंने अचानक अपना जूता निकाला और जज की ओर फेंक दिया। हालांकि, जज समय रहते खुद को बचाने के लिए नीचे झुक गए। उसने डाइज पर चढ़कर केस की

फाइल छीनने की भी कोशिश की।

कोर्ट में उमड़ा पुलिस और वकीलों का हुजूम

बाद में जज ने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी और नितिन अटल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपी पर आईपीसी की धारा 332, 353, 294 और 504 के तहत मामला दर्ज किया गया है।₹ हालांकि, आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर आगर जिला कलेक्टर और एसपी कोर्ट पहुंचे। वहां पुलिस और वकीलों का हुजूम भी उमड़ पड़ा।

घटना के बाद वकील फरार

एसडीओपी आगर मोतीलाल कुशवाह ने बताया, आगर मालवा जिला न्यायालय में पदस्थ प्रथम जिला एवं अतिरिक्त न्यायाधीश प्रदीप दुबे ने पुलिस को शिकायत दी और बताया कि न्यायालय में परिवाद की जिरह के दौरान आगर मालवा के वकील नितिन अटल ने उनके हाथ से वकालतनामा छीनने की कोशिश की। इतना ही नहीं, विवाद बढ़ने पर वकील नितिन अटल ने उनके ऊपर जूता भी फेंका। साथ ही न्यायाधीश ने बताया कि कोई कुछ समझता उसके पहले ही वकील वहां से फरार हो गया। न्यायाधीश प्रदीप दुबे की शिकायत पर पुलिस ने वकील अटल पर शासकीय कार्य में बाधा और अभद्र व्यवहार समेत आईपीसी की तमाम धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया।

पहले भी जजों के साथ झगड़ते रहे हैं नितिन अटल

आगर और शाजापुर जिला अदालत में प्रैक्टिस करने वाले नितिन अटल कथित तौर पर पहले भी न्यायाधीशों के साथ झगड़ते रहे हैं। मामले से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि राजनेताओं से करीबी रिश्ता रखने वाला नितिन अटल कोर्ट के कर्मचारियों के साथ अक्सर दुर्व्यवहार करता रहा है।

पीछा करता है, गंदी तरह से टच किया

महिला सहकर्मी से छेड़छाड़ करने वाले शेफ पर एफआईआर

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने एक होटल में काम करने वाले 36 वर्षीय शेफ के खिलाफ महिला सहकर्मी से छेड़छाड़ करने और उसका पीछा करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। मामला नवी मुंबई इलाके का है। 26 साल की पीड़िता ने चार महीने पहले तुर्भे इलाके में स्थित होटल में बतौर कर्मचारी ज्वाइन किया था। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को उनके थाने में एक महिला आई। उसने बताया कि वह तुर्भे में स्थित एक होटल में जूनियर शेफ के रूप में काम करती है। यहां उससे सीनियर शेफ ने पहले उससे दोस्ती की। सीनियर शेफ ने उसे बताया कि उसकी अपनी बीवी के साथ अनबन चल रही है। जिस कारण वह काफी परेशान है। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद से सीनियर शेफ अक्सर उसका पीछा करता और एक दिन तो उसने उसे गलत तरीके से छुआ भी। महिला शेफ को ये बात बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी। उसने एक राजनीतिक दल की स्थाई इकाई से इसे लेकर संपर्क किया। फिर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायत के आधार पर तुर्भे पुलिस ने मंगलवार को आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 354 डी (पीछा करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है।

फर्जी नर्सिंग कॉलेज मामला, दो बेंच ने किया सुनवाई से इंकार, याचिकाकर्ता ने लगाए आरोप

जबलपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। याचिकाकर्ता लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन की तरफ से दायर याचिका में फर्जी तरीके से नर्सिंग कॉलेज संचालित होने को चुनौती दी गयी थी। याचिका में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2020-21 में प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य इलाकों में 55 नर्सिंग कॉलेज को मान्यता दी गयी। वास्तविकता में यह कॉलेज सिर्फ कागज में संचालित हो रहे है। अधिकांश कॉलेज की निर्धारित स्थल में बिल्डिंग तक नहीं है। कुछ कॉलेज सिर्फ चार-पांच कमरों में संचालित हो रहे है। ऐसे कॉलेज में प्रयोगशाला सहित अन्य आवश्यक संरचना नहीं है। बिना छात्रावास ही कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया था कि एक ही व्यक्ति कई नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य है और फैक्टली भी अगल-अलग कॉलेज में कार्यरत है। जिस कॉलेज में कार्यरत है उनकी दूरी सैकड़ों किलोमीटर दूर है।

केरल एचसी ने केंद्र से किया सवाल, कहा- क्या मुख्यमंत्री की बेटी की कंपनी के खिलाफ किसी एसएफआईओ जांच के आदेश दिए गए हैं?

कोच्चि, 24 जनवरी (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से पूछा कि क्या वह मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा टी की सॉफ्टवेयर कंपनी के मामलों की गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) से जांच कराने का इरादा रखता है और कोच्चि स्थित कंपनी जिसे वह सेवाएं दे रही थी? न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन ने केंद्र सरकार से यह सवाल तब पूछा जब उसने अदालत में एक ज्ञापन दायर किया जिसमें पुष्टि की गई कि उसने दोनों कंपनियों में कंपनी अधिनियम की धारा 210 (कंपनी के मामलों की जांच) के तहत जांच का आदेश दिया है। हालाँकि, केंद्र ने अदालत के 15 जनवरी के आदेश में यदि एसएफआईओ द्वारा किसी भी आगे की कार्रवाई का आदेश दिया गया है या आवश्यक पाया गया है, तो विशिष्ट निर्देश प्राप्त करने

के निर्देश का पालन नहीं किया है। केंद्र सरकार के वकील ने अदालत को बताया कि कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय एसएफआईओ जांच का आदेश दे सकता है अगर उसे लगता है कि इसकी आवश्यकता है। केंद्र सरकार के वकील ने मंत्रालय से निर्देश लेने के लिए समय मांगा कि क्या एसएफआईओ जांच का आदेश दिया गया है या आवश्यक पाया गया है। अदालत वकील और अनुभवी राजनेता पी सी जॉर्ज के बेटे शॉन जॉर्ज की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सीएमआरएल और वीना की कंपनी के मामलों की कंपनी अधिनियम के तहत और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा जांच की मांग की गई थी। इस बीच, कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने अदालत को बताया कि चूंकि मंत्रालय ने कंपनी अधिनियम की धारा 210 के तहत जांच का आदेश दिया है। याचिका में मांगी गई राहत पूरी हो गई है। सीएमआरएल के वकील ने अदालत को यह भी बताया कि एसएफआईओ जांच का आदेश दिया गया है या नहीं, इस पर उनका एक प्रश्न मंत्रालय को इस तरह का निर्देश जारी करने के लिए प्रेरित कर सकता है। पिछले साल एक मलयालम रिपोर्ट के बाद केरल में विवाद खड़ा हो गया था कि सीएमआरएल ने 2017 और 2020 के बीच मुख्यमंत्री की बेटी को कुल 1।72 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। रिपोर्ट में निपटान के लिए एक अंतरिम बोर्ड के फैसले का हवाला दिया गया और कहा गया कि सीएमआरएल ने पहले परामर्श और सॉफ्टवेयर समर्थन सेवाओं के लिए वीना की आईटी फर्म के साथ एक समझौता किया था। यह भी आरोप लगाया गया कि हालांकि उनकी फर्म द्वारा कोई सेवा प्रदान नहीं की गई थी, लेकिन राशि का भुगतान ₹एक प्रमुख व्यक्ति के साथ उनके संबंधों के कारण₹ मासिक आधार पर किया गया था।

मुफ्ती शेख अबुबक्र ने अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति में खामियों को दूर करने के लिए पीएम को लिखा पत्र

तिरुवनंतपुरम, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबुबक्र अहमद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी को पत्र लिखकर अल्पसंख्यक समुदायों के लिए उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (हायर एजुकेशन स्कॉलरशिप) में गंभीर अनियमितताओं को उजागर किया है।

ग्रैंड मुफ्ती ने छात्रों को प्रभावित करने वाले मुद्दों, विशेष रूप से शोध छात्रों के लिए मौलाना आज़ाद नेशनल स्कॉलरशिप को बंद करने के फैसले को बदलने की मांग की है। मुफ्ती शेख अबुबक्र अहमद का कहना है कि वर्तमान परिदृश्य से छात्रों को दिए गए आश्वासनों और धन के वास्तविक वितरण के बीच अंतर का पता चलता है, जिससे वित्तीय सहायता की उम्मीद के साथ देश के प्रमुख संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं।

पिता फारूक के साथ उमरा के लिए सऊदी अरब रवाना हुए उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला उमरा करने के लिए सऊदी अरब रवाना हो गए हैं। उमरा को हज का ही छोटा रूप माना जाता है। फारूक और उमर अब्दुल्ला दोनों जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर विमान में उड़ान के दौरान अपने पिता के साथ ली गई तस्वीर पोस्ट की। उमर ने पोस्ट किया, ''या अल्लाह, मैं उमरा करने का इरादा रखता हूं इसलिए इसे मेरे लिए आसान बनाएं और यह मुझसे स्वीकार करें।''

क्या होता है एहराम?

दोनों नेकां नेता 'एहराम' में दिखे। हज और उमरा करते समय मुस्लिम जायरीन बिना सिले हुए कपड़े पहनते हैं जिन्हें 'एहराम' कहा जाता है। पिछले साल भी फारूक अब्दुल्ला सऊदी अरब के मक्का मदीना में उमरा करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों की बेहतरी और देश की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की थी।

उमरा असल में क्या होता है?

बता दें कि यह यात्रा सऊदी अरब के मक्का में मुसलमानों द्वारा साल में एक बार जरूर की जाती है क्योंकि यह इस्लाम की पांच बुनियाद का एक अहम हिस्सा है। इस्लामिक ग्रंथों के अनुसार उमरा का मतलब मक्का में हरम शरीफ की जियारत करने से है जिसे वर्ष में किसी भी समय किया जा सकता है। इस यात्रा में मुसलमान काबा के चारों ओर चक्कर लगाते हैं यानी तवाफ करते हैं। जिसका तवाफ पूरा हो जाता है उसका उमरा मुकम्मल हो जाता है।

हॉट सीट हरिद्वारा से प्रियंका गांधी को लड़ाने की चर्चा

हरिद्वार, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस तैयारियों में जुट गई है। ऐसे में अब सबकी नजर प्रत्याशी चयन को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। सबसे ज्यादा चर्चा उत्तराखंड की वीआईपी सीट हरिद्वार की हो रही है। हरिद्वार से कांग्रेस का एक खेमा प्रियंका गांधी को चुनाव मैदान में उतारने की मांग कर रहा है। ऐसे में हरिद्वार में टिकट को लेकर चल रही दावेदारी अब एक नए मोड़ पर आ गई है। कांग्रेस ने उत्तराखंड में अपनी लोकसभा चुनाव को लेकर चल रही तैयारी तेज कर दी है। संगठन स्तर पर भी सीनियर नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। इस बीच प्रत्याशियों की दावेदारी भी सामने आने लगी है।

साथ ही किस सीट पर कौन प्रमुख दावेदार हो सकता है, इसको लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। इस समय सबसे ज्यादा चर्चा हरिद्वार सीट की है। कांग्रेस का एक खेमा इस सीट पर प्रियंका गांधी को चुनाव लड़ाना चाहता है। जिसके पीछे ये तर्क दिया जा रहा है कि प्रियंका को लड़ाने के बाद किसी तरह का विवाद नहीं होगा और सब एकजुट होकर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार प्रसार करेंगे। अभी तक हरिद्वार सीट पर पूर्व सीएम हरीश रावत और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत की दावेदारी सामने आ चुकी है। दोनों ही इस सीट से प्रबल दावेदार नजर आ रहे हैं। लेकिन प्रियंका का नाम सामने आने के बाद कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि जिलाध्यक्षों की बैठक में कुछ पदाधिकारियों ने प्रियंका को हरिद्वार सीट से उम्मीदवार बनाए जाने की मांग उठाई थी। कांग्रेस की 26 जनवरी को पांचों लोकसभा सीटों में प्रत्याशियों को लेकर पार्टी की केंद्रीय स्क्रीनिंग कमेटी उत्तराखंड आएगी। जिसके सामने ये मुददा उठाया जा सकता है। माना जा रहा है कि स्क्रीनिंग कमेटी अपने स्तर पर लोकसभा क्षेत्रों में सर्वे कराएगी। कांग्रेस इस बार चुनाव में किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहती है। पार्टी जिताउ प्रत्याशी पर ही दांव खेलना चाहेगी। हरिद्वार सीट के समीकरण के हिसाब से यहां पर कांग्रेस भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकती है। इस सीट पर देहात में कांग्रेस और अन्य दलों का मजबूत वोट बैंक है। जो कि माना जा रहा है कि कांग्रेस को लोकसभा में मदद कर सकता है। ऐसे में अगर कोई बड़ा चेहरा या गांधी परिवार का सदस्य इस सीट से चुनाव लड़े तो काफी सकारात्मक माहौल बन सकता है। ऐसे में कांग्रेस का एक खेमा प्रियंका को हरिद्वार से मैदान में उतारने की वकालत कर रही है।

34,615 करोड़ के लोन घोटाला मामले में वधावन बंधुओं को बड़ा झटका, एससी ने रद्द की जमानत

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को करोड़ों रुपये के यस बैंक-डीएचएफएल लोन घोटाले में डीएचएफएल के पूर्व प्रमोटरों कपिल वधावन और उनके भाई धीरज वधावन को दी गई जमानत रद्द कर दी है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने 34,615 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में आरोपी भाइयों को जमानत देने में बहुत गलती की है। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी ने कहा कि हमें इस बात में कोई झिझक नहीं है कि आरोपपत्र दाखिल होने और उचित समय पर संज्ञान लेने के बाद प्रतिवादी वैधानिक जमानत का अधिकार के रूप में दावा नहीं कर सकते थे। हाईकोर्ट और निचली कोर्ट ने फैसला सुनाने में बहुत बड़ी गलती की है। पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट भाइयों की नियमित जमानत पर नए सिरे से सुनवाई करेगी और उसके बाद अपील की अनुमति दी जाएगी।

आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत यदि जांच एजेंसी 60 या 90 दिनों में मामले में जांच के समापन के बाद आरोप पत्र दाखिल करने में विफल रहती है, तो एक आरोपी वैधानिक जमानत देने का हकदार है। जानकारी के मुताबिक, वधावन बंधुओं के मामले में सीबीआई ने कानून के मुताबिक पहली एफआईआर दर्ज करने के 88वें दिन चार्जशीट दाखिल की थी, हालांकि ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को डिफॉल्ट जमानत दे दी और दिसंबर में दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश पर रोक लगा दी। वधावन बंधुओं को पिछले साल 19 जुलाई को करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया था कि वह मामले के गुण-दोष पर ध्यान नहीं देता है। मामले में 15 अक्टूबर 2022 को आरोप पत्र दाखिल किया गया और फिर इसका संज्ञान लिया गया। मामले में एफआईआर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर दर्ज की गई थी। पिछले साल अगस्त में वधावन बंधुओं की गिरफ्तारी के एक महीने बाद एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि कैसे वे मुंबई के बाहरी इलाके में स्थित तलोजा सेंट्रल जेल में सलाखों के पीछे एक शानदार जीवन जी रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि कैसे दोनों भाई मुंबई के सरकारी अस्पतालों में मेडिकल चेकअप की आड़ में सैर-सपाटे का आनंद ले रहे थे। हालांकि मामला खुलने के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने तलोजा सेंट्रल जेल के अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 25 जनवरी - 2024

हो सकता है बिहार में बड़ा खेल !

अशोक भाटिया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक मंगलवार को राजभवन पहुंच गए थे । इसको लेकर बिहार की राजनीति गरमा गई । हालांकि मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच औपचारिक वार्ता और मुलाकातें होती रहती है लेकिन लोग यह मान के चल रहे है कि 25 तारीख तक बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। आने वाले दिनों में कोई बड़ी राजनीतिक डेवलपमेंट हो सकती है। 'हम' संयोजक जीतन राम मांझी ने कहा है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिस तरह से ट्रांसफर पोस्टिंग कर रहे हैं, बिना अनुशंसा के ही मुख्यमंत्री अधिकारियों का ट्रांसफर पोस्टिंग कर रहे हैं, इससे ऐसा लगता है कि जरूर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोई राजनीतिक चाल चल रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए में शामिल हो जाते हैं तो जीतन राम मांझी को कोई एतराज नहीं होगा।

मांझी ने कहा कि हाल के दिनों में सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में विवाद चल रहा है. जितना जल्दी हो सके सीट का बंटवारा हो, जेडीयू यह चाहती है और लालू प्रसाद यादव कहते हैं कि अभी क्या जरूरत है। इस मामले में भी लालू और नीतीश में मतभेद है। सीट बंटवारे और तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने मामले पर लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव हाल के दिनों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मनाने गए थे। दोनों बाप बेटों के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात मामले को लेकर राजनीतिक गलियारों में यही कयास लगाए जा रहे हैं।

'हम' संयोजक ने कहा कि यह तो बात बहुत पहले से तय है लालू प्रसाद यादव की इच्छा है कि किसी भी परिस्थिति में तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाया जाए। इसके लिए लालू प्रसाद यादव को जो भी करना होगा, वह कर सकते हैं। 25 जनवरी तक सभी बातें लोगों के सामने आ जाएगी कि आखिरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लालू प्रसाद यादव के दबाव में तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाते हैं या नहीं? देखा जाय तो राजद कोटा के तीन मंत्रियों का विभाग बदल के नीतीश कुमार ने स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की है कि महागठबंधन सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी नीतीश कुमार को लेकर अपने तेवर में नरमी दिखाई है और कुछ दिनों पहले उन्होंने राजस्थान में एक अखबार को दिए इंटरव्यू में नीतीश कुमार के दोबारा एनडीए में आने की अटकलें को लेकर कहा कि अगर कोई प्रस्ताव उनके पास आएगा तो वह उसे पर विचार करेंगे। बता दें, इससे पहले अमित शाह लगातार यह कहते आए हैं कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे से हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं मगर राजस्थान में जो उन्होंने बात कही उसे ऐसा संकेत मिल रहा है कि शायद अमित शाह और नीतीश कुमार के बीच में कोई डील हो चुकी है और बस औपचारिक ऐलान बाकी है।

शाह के इस बयान के बाद जनता दल यूनाइटेड ने भी अपने तेवर में नरमी दिखाई और कहा कि अमित शाह ने कभी नहीं कहा था कि जनता दल यूनाइटेड के लिए दरवाजे बंद हो चुके हैं।खबरों की माने तो जनता दल यूनाइटेड ने अगले कुछ दिनों तक अपने सभी विधायकों को पटना में बने रहने के लिए कहा है और साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री जीतन मांझी ने भी अपने सभी विधायकों को 25 जनवरी तक पटना में ही रहने का निर्देश दिया है।

हमें याद रखना चाहिए कि बिहार कूटनीति, राजनीति और अर्थशास्त्र के पंडित माने जाने वाले चाणक्य की धरती है जिसने चंद्रगुप्त मौर्य के पाटलिपुत्र पर राज करने के तरीकों और राजनीति के रहस्यों से रूबरू करवाया लेकिन वर्तमान दौर में बिहार की सियासी फिजां में रोज नए कयास लगाए जा रहे हैं। कभी नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन के संयोजक बनाए जाने की बात सामने आती है। अगले ही क्षण नीतीश के कांग्रेस से नाराज होने की खबरे सुर्खियां बनाती हैं। नौकरियों की बहार के दौर में विज्ञापन से डिप्टी सीएम तेजस्वी बाहर नजर आते हैं तो नीतीश इस पूरी योजना को सात निश्चय पार्ट-2 का हिस्सा बताते हैं। कुल मिलाकर कहें तो लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही है कि बिहार की महागठबंधन की सरकार वेंटिलेटर पर चली गई है और कभी भी नीतीश कुमार की तरफ से वेंटिलेटर हटा दी जाने की सूरत में इसके गिरने के दावे भी लोकल मीडिया चैनलों की तरफ से भी किये जा रहे है।

आपको याद होगा कि 23 जून 2023 को जब नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी के अश्वमेघ यज्ञ वाले घोड़े को रोकने के लिए मीटिंग बुलाते हैं तो पहली नजर में इसे उनके फिर से प्रधानमंत्री मैटेरियल वाले ख्वाब के जिंदा होने के दावे कई वर्ग की तरफ से किए जाते हैं लेकिन बंगाल में एक दूसरे के खिलाफ रही ममता और वाम दलों को एक साथ लाने के अलावा कांग्रेस की दो सरकारों (दिल्ली, पंजाब) को हटा सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी के बीच भी ऐसा गठजोड़ करा देते हैं जिसकी बानगी चंडीगढ़ मेयर चुनाव में दोंनों के गठबंधन कर चुनाव में जाने की बात से साफ हो जाता है लेकिन इंडिया गठबंधन के विचार को जन्म देने वाले नीतीश कुमार ने ऐसा सोचा भी नहीं होगा कि उनके साथ ही बड़ा खेल हो जाएगा। संयोजक के नाम बुलाई गई बैठक में राहुल गांधी की तरफ से कहा गया कि ममता बनर्जी और अखिलेश यादव इस बैठक में मौजूद नहीं हैं। नीतीश को संयोजक बनाने को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी । सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राहुल के बयान पर भड़कते हुए ललन सिंह ने माइक अपनी तरफ करते हुए कहा कि हम मांगने नहीं गए थे। इसके बाद से ही सबकुछ बदलता नजर आया। नीतीश कुमार को समझ में आ रहा है कि इंडिया गठबंधन ने उनके साथ धोखा कर दिया। धोखे का बदला लेंगे। पहले लालू यादव की तरफ से बैटिंग करने वाले नीतीश के खास ललन सिंह को साइड किया गया। फिर पिछले दो दिन में संगठन में बदलाव करते हुए सिंह के गुट के लोगों को किनारे किया गया। उन लोगों को ज्यादा महत्व दिया गया जो लोग प्रो बीजेपी स्टैंड के लिए जाने जाते हैं। इसके बाद कांग्रेस का डेलीगेशन नीतीश कुमार से जाकर मिलता है। सूत्र बताते हैं कि संजय झा ने कांग्रेस के डेलीगेशन को साफ शब्दों में कहा कि अगर आपको संयोजक नहीं बनाना था तो ऐसा मजाक क्यों किया गया। एक तरफ नाम भी प्रपोज किया जाता है। फिर प्रस्ताव भी रोक दिया जाता है। ममता बनर्जी का नाम लिया जाता है।

बता दें कि ममता बनर्जी पहले ही सीटों को लेकर अपनी मंशा साफ कर चुकी हैं। वहीं अखिलेश यादव से उत्तर प्रदेश के अंदर अभी तक कांग्रेस का सीटों को लेकर समझौता नहीं हो पाया। इससे इतर बीते दिनों जयंत चौधरी की रालोद को सपा ने सात सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार भी कर लिया। तो क्या कांग्रेस ने ये कहकर बहाना बनाया कि नीतीश कुमार को संयोजक बनाया जाए इसके लिए ममता बनर्जी, अखिलेश यादव से पूछना होगा। इसके साथ ही कांग्रेस ने संयोजक को लेकर तो नेताओं से पूछने जैसी बातें कह कर अपनी थ्योरी दे दी लेकिन मल्लिकार्जुन खरगे को चेयरपर्सन बनाने का फैसला तो झट से हो गया। इंडिया गठबंधन की तरफ से किए गए छलावे के बाद से ही वैसे ही नीतीश परेशान चल रहे हैं।

जब राहुल गांधी ने पटना में नीतीश कुमार से मुलाकात की तो उसका ऑडियो भी सामने आया. उसमें वो शिकायत करते नजर आ रहे थे कि कांग्रेस के कोटे से 2 और मंत्री बनाने हैं, कब इस पर मुहर लगेगी। नीतीश कुमार इस बात पर चेहरा बनाते नजर आए थे। अभी विभागों की अदला-बदली की गई. इसमें कांग्रेस के लोगों को एडजेस्ट करने का मौका था लेकिन ये बदलाव न करके कांग्रेस पार्टी को फिर से सिग्नल दे दिया गया कि आपकी चीजों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नीतीश कुमार बिहार की सियासत के वो नेता हैं जिनके पास सियासी बंदूक तो खुद की होती है लेकिन विरोधी पर निशाना साधने के लिए चुनावी समर में कारतूस सहयोगी से लेते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना

दुनिया में आवश्यकताओं के अनुसार ही विकास संभव हो पाया है। जैसे-जैसे जरूरतें बढ़ती गई वैसे-वैसे संसाधनों का निर्माण हुआ ताकि आम जीवन को लेकर एक संतुलन कायम रखा जा सके। इसके बाद भी मुश्किल तब आती है जब किसी मामले में निर्भरता की वजह से समस्याएं खड़ी होने लगती हैं। इसी संदर्भ में ऊर्जा की जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों पर विचार किया जा सकता है कि किस तरह पेट्रोलियम उत्पाद, कोयला, गैस आदि आज ऊर्जा के मुख्य स्रोत तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। जाहिर है इनकी लगातार घटती उपलब्धता और बढ़ती कीमत की वजह से भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। यही वजह है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा के विकल्प की राह निकालने के लिए काम शुरू कर दिया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने एक नई योजना की घोषणा की, जिसके तहत केंद्र सरकार देश भर में एक करोड़ घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाएगी। 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का लक्ष्य अगर जमीन पर उतरा तो इससे गरीब और मध्यवर्ग के बिजली खर्च में उल्लेखनीय बचत होगी। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों को लेकर देश में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इसके साथ ही देश में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की राह भी आसान हो जाएगी। देखा जाए तो प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों की उपलब्धता बेहद आसान थी इसके बाद भी इस मामले में अब तक अपेक्षित तरक्की नहीं हो पाई। वजह साफ है कि लोगों में सौर पैनल या ऐसे अन्य संसाधनों को लेकर जागरूकता का अभाव था। इस वजह से लोग कई स्तरों पर अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को आसान बनाने के लिए या तो ऊर्जा की कमी या मुश्किल का सामना करते हैं या फिर उनके लिए ऊंची कीमत चुकाते हैं। तेज धूप और रोशनी की असीमित उपलब्धता में अगर सौर ऊर्जा जैसे विकल्प आजमाए जाएं तो इस क्षेत्र में बड़े बदलाव की उम्मीद है। आमतौर पर जो विकल्प सामने होते हैं, लोग उसी दायरे में अपना जीवन-बसर करने के आदी हो जाते हैं, भले ही खोजने पर उससे आसान और सस्ते संसाधन मिल जाएं। पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के मुकाबले सौर ऊर्जा को लेकर भी यही स्थिति है। कम या मामूली खर्च में बिजली मिलने का विकल्प होने के बावजूद इस तक आम लोगों की पहुंच आमतौर पर नहीं हो पाती है। इसलिए 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' के लक्ष्य की अहमियत आसानी से समझी जा सकती है। ऊर्जा की बढ़ती खपत और उपलब्धता की सीमा के लिहाज से देखा जाए तो सौर ऊर्जा आने वाले वक्त में इस क्षेत्र में एक अनिवार्य विकल्प बनने को तैयार है। जहां तक भारत का सवाल है, अगले एक दशक में यहां ऊर्जा की मांग में भारी बढ़ोतरी हो सकती है और इसकी पूर्ति में सौर ऊर्जा की बड़ी भूमिका होगी। फिलहाल देश में तापीय ऊर्जा ही मुख्य स्रोत है, जिसकी निर्भरता जीवाश्म ईंधन पर है। ऐसे अनेक आकलन सामने आ चुके हैं, जिनके मुताबिक दुनिया में बढ़ते तापमान और जलवायु संकट के लिए जिम्मेदार कार्बन डाइआक्साइड और अन्य दूषित तत्त्व का मुख्य स्रोत जीवाश्म ईंधन हैं। सरकारें भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रोत्साहन कार्यक्रम चलाती रही हैं। मगर जरूरत इस बात की है कि आम लोगों के बीच अक्षय ऊर्जा स्रोतों को लेकर जागरूकता पैदा हो और इसकी उपलब्धता को आसान और रियायती बनाया कैसे बनाया जाए इस पर भी काम किया जाए। जगजाहिर है कि विकास की होड़ में प्राकृतिक संसाधनों की कैसी बर्बादी हुई है और इसका असर पृथ्वी और समूचे जलवायुमंडल पर क्या पड़ रहा है। इस लिहाज से भी अगर सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाता है, तो इसे भविष्य की तैयारी के तौर पर बहुत ही किफायती और सुरक्षित ईंधन के रूप में देखा जा सकता है।

रामम‍य भारत को आकार देने के संकल्पों का गणतंत्र

ललित गर्ग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत ने खुद को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। भारतीय संविधान के अग्रिम पृष्ठ पर प्रभु श्रीराम विराजित है, लेकिन पूर्व सरकारों ने श्रीराम के गणतांत्रिक गौरव को न अपनाने के कारण चौहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन इस वर्ष प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा हो जाने से इस राष्ट्रीय पर्व का महत्व बहुगुणित हो गया है और हमें अब वास्तविक रूप में संप्रभुता का अहसास होने लगा है। भारतीय इतिहास का यह नया प्रस्थान बिंदु है जहां से भारत राममय होने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारतीय मानस, मनीषा और जनजीवन के पांच सौ वर्ष पुराने संघर्ष-गाथा का अन्तिम अध्याय लिखते हुए अब भारत रामराज्य के वास्तविक स्वरूप में प्रवेश कर रहा है, जहां सुख सम्पदा बड़ी मात्रा में होगी, प्रेम और खुशी का वातावरण होगा, आदर्श राज्य की कल्पना आकार लेगी। अयोध्या में लिखा गया नया इतिहास एवं अमिट आलेख आने वाले हजारों वर्षों के लिये एक सन्देश है, एक उर्वर धरातल है, स्वयं के द्वारा दुनिया को प्रेरणा देने का अवसर है। दुनिया में आदर्श शासन प्रणाली में राम राज्य ही शांति, सह-जीवन, सह-अस्तित्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र को आकार देने का मार्ग है। वर्तमान दुनिया को इसी राम राज्य की आवश्यकता है।

श्रीराम मंदिर का निर्माण इस लिहाज से भारत ही नहीं सम्पूर्ण दुनिया में नवीन आदर्श जीवन मूल्यों एवं लोकतांत्रिक आदर्शों की स्थापना का शुभ अवसर है। गणतंत्र कोरा राष्ट्रीयता का ही नहीं, आस्था एवं संकल्पों का पर्व है, इस पर्व का जश्न सामने हैं, राजपथ पर निकलने वाली झांकियों में श्रीराम की प्रभावी एवं प्रेरक प्रस्तुति होगी। जिसमें प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी झलकेगी तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखाई देगी। जहां हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी है। अब हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास होने लगा है। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं। अब बहुत कुछ बदलने जा रहा है। पांच सौ साल पहले जब बाबर की बर्बर सेनाओं ने रामलला के मन्दिर को ध्वस्त करने का अभियान छेड़ा था, वो एवं उसके बाद की शासन-व्यवस्थाओं ने श्रीराम को धुंधलाने के षडयंत्र किये, जब उनके आकाओं ने क्या सोचा होगा? वे इस राष्ट्र की आस्थाओं को नष्ट कर देना चाहते थे, भारत की समृद्ध विरासत एवं संस्कृति को जमींदोज कर देना चाहते थे, बहुत नकारात्मक एवं कुटिल सोच थी उनकी कि आस्था-विहीन मनुष्य आसानी से गुलाम बन जाते हैं। यह बड़ा सच है कि हमारा राष्ट्र पराधीन हुआ, लेकिन हमारी आस्थाएं मरी नहीं थी, हमारा विश्वास काल-कवलित नहीं हुआ। आज के परिदृश्यों को देखते हुए कहा जा सकता है कि एक मायने में आक्रांता गलत साबित हुए, राष्ट्र-विरोधी एवं हिन्दू-विरोधी ताकते पस्त हुई। अयोध्या में लिखे गये स्वर्णिम इतिहास से यह साबित किया गया है कि भारतीयों की आस्था, संघर्ष और विश्वास परम्परा को एक नया मुकाम दे दिया गया है। एक नये गणतंत्र का अभ्युदय हुआ है।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिली है।

मतदाता को जागरूक करने का राष्ट्रीय मतदाता दिवस

अशोक प्रवृद्ध

लोकतंत्र में चुनाव और मतदान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। देश के सभी नागरिकों को वोट देने का मौलिक अधिकार है, और जिम्मेदारी भी। उन्हें देश का नेतृत्व कर सकने, आम लोगों की समस्याओं का समाधान कर बदलाव ला सकने योग्य नेताओं को चुनने का अधिकार है। मतदान सामाजिक न्याय, विकास और सामाजिक समानता की दिशा में प्रगति के उद्देश्य से एक लोकतांत्रिक समाज की मौलिक आवश्यकता है। मतदान लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक होता है। यह आम जनता की आवाज़ को सुनने और विचारों को समर्थन देने का माध्यम होता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में मतदान किसी त्योहार से कम नहीं होता है। लोग अपने मतदान के लिए नहा- धोकर बिन कुछ खाए - पिए सुबह से ही मतदान केंद्रों तक उमड़ पड़ते हैं। पहले मतदान, फिर जलपान की नारा के बाद मतदाता किसी पर्व अर्थात देवपूजन की भांति उपवास कर मतदान के लिए मतदान केंद्रों तक पहुंचते हैं, और मतदान करने के बाद ही जलपान अर्थात अन्न जल ग्रहण करते हैं। भारत देश में निरपेक्ष और सुचारू चुनाव का जिम्मा भारत निर्वाचन आयोग के पास है। इस संवैधानिक निकाय का गठन 25 जनवरी 1950 को भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से भारत के प्रातिनिधिक संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। निर्वाचन आयोग का कार्य निर्वाचनों का पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा आयोजन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद, राज्य विधानसभा का चुनाव, निर्वाचक नामावली तैयार करने, राजनैतिक दलों का पंजीकरण करने, राजनैतिक दलों का राष्ट्रीय, राज्य स्तर के दलों के रूप मे वर्गीकरण, मान्यता प्रदान, दलों-निर्दलीयों को चुनाव चिन्ह आवंटन, सांसद अथवा विधायक की अयोग्यता (दल बदल को छोडकर) पर राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल को सलाह प्रदान और गलत निर्वाचन उपायों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों को निर्वाचन के लिए अयोग्य घोषित करना है।

चुनाव आयोग किसी व्यक्ति को उसके निवास अर्थात रहने वाले स्थान पर मतदान करने की अनुमति देता है। मतदान दो अथवा दो से अधिक अलग-अलग स्थानों से किए जाने पर इसे अपराध माना जाता है। अठारह वर्ष की आयु पूर्ण कर लेने पर कोई भी व्यक्ति भारत के नागरिक के रूप में स्वयं को मतदाता के रूप में नामांकित कर सकता है। वह इसके लिए अपनी सम्पूर्ण जानकारी सहित चुनाव आयोग के वेबसाइट पर स्वयं ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकता है, अथवा अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र पदाधिकारी को आयोग की नामांकन संबंधी प्रपत्र- 6 भरकर दे सकता है। चुनाव आयोग हर पांच वर्ष में और चुनाव से पहले मतदाता सूची को संशोधित करता है। मतदान के समय निर्वाचन फोटो पहचान पत्र अर्थात वोटर आईडी ले जाना जरूरी नहीं है, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड आदि के माध्यम से अपनी पहचान सुनिश्चित कर मतदान किया जा सकता है।उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी भारतीय विदेशी आंग्ल सरकार द्वारा निर्मित भारत सरकार अधिनियम 1935 के द्वारा ही शासित होने का गौरव प्राप्त कर रहे थे। स्वतंत्र भारत के सरकार द्वारा 26 जनवरी 1950 को भारत सरकार अधिनियम 1935 को हटाकर 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगाकर 211 विद्वानों द्वारा बनाए गए भारत के संविधान को भारत में लागू किए जाने और भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किए जाने बाद भारतीयों को स्वाधीन भारत के स्वशासन से गौरवान्वित महसूस करने अवसर प्राप्त हुआ। 26 जनवरी 1950 को गणतंत्र दिवस घोषित करने के एक दिन पूर्व 25 जनवरी 1950 को भारत चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी। संसार में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए 2011 में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन की आवश्यकता महसूस हुई, तो नए मतदाताओं के पंजीकरण और उन्हें चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित, सुविधा प्रदान और अधिकतम करने के उद्देश्य से पहली बार 2011 में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाए जाने का निश्चय किए जाते समय भारतीय चुनाव आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को यह दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को स्मरण करने, भारत के नागरिकों को मतदान का महत्व बताने, मतदान के प्रति जागरूक करने और देश के विकास को सही मार्ग देने हेतु योग्य उम्मीदवार का चुनाव करने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदाताओं, विशेष रूप से युवा वर्ग की भागीदारी बढ़ाने के लिए भारत में 2011 से प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाए जाने की परंपरा शुरू हुई। इसकी शुरुआत के पीछे भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य देश भर के सभी मतदान केंद्र वाले क्षेत्रों में उस वर्ष एक जनवरी को अठारह वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके योग्य पात्र मतदाताओं की पहचान करना, योग्य पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में पंजीकृत करना और उन्हें निर्वाचन फोटो पहचान पत्र सौंपना है। अधिक मतदाता, विशेष रूप से नए मतदाता बनाने, सार्वभौम वयस्क मतदान को पूर्ण वास्तविक स्वरूप प्रदान कर भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए मतदाताओं में मतदान प्रक्रिया में कारगर भागीदारी सुनिश्चितता हेतु जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार देश के सभी मतदान केंद्रों पर संबंधित मतदान केंद्र पदाधिकारी के द्वारा किया जाता है। और समूचे देश में शिक्षित मतदाताओं, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को आकर्षित करने के लिए व्यापक और सुव्यवर्स्थित मतदाता शिक्षा और मतदान भागीदारी अभियान चलाया जाता है। इस महत्त्वपूर्ण दिवस का आयोजन सभी भारतवासियों को अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है, और यह भी बताता है कि हर व्यक्ति के लिए मतदान करना ज़रूरी है। इस अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर मतदान केंद्र पदाधिकारियों के द्वारा उपर्स्थित लोगों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई जाती है- हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में आस्था रखने वाले शपथ लेते हैं कि हम देश की स्वतंत्रत, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने की लोकतांत्रिक परम्परा को बरकरार रखेंगे। प्रत्येक चुनाव में धर्म, नस्ल, जाति, समुदाय, भाषा आधार पर प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर मतदान करेंगे। इस दिन चुनाव संबंधित कार्यों को निष्पादित करने वाले सरकारी सेवकों, मतदान केंद्र पदाधिकारियों और अन्य लोगों को सर्वोत्तम निर्वाचन प्रक्रिया अपनाने में असाधारण कार्य करने के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

इनमें आईटी पहल, सुरक्षा प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन, सुलभ चुनाव, मतदाता सूची और मतदाता जागरूकता तथा आउटरीच में योगदान जैसे क्षेत्र शामिल होते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार सरकारी विभागों, मीडिया संगठनों और महत्वपूर्ण हितधारकों को मतदाता जागरूकता के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए दिए जाते हैं। संसार के सबसे बड़े एवं सबसे जीवंत लोकतंत्र में समावेशी, सुलभ, नैतिक, भागीदारी और उत्सवपूर्ण चुनावों की भावना के उत्सव राष्ट्रीय मतदाता दिवस को राष्ट्रीय, राज्य, जिला, निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र स्तरों पर मनाया जाता है, जो इसे देश के सबसे बड़े समारोहों में से एक बनाता है।

हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी आपको प्रणाम !

डॉ. सुरेश कुमार

हे मेरे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आपको प्रणाम है। आप केवल युनिवर्सिटी नहीं स्कूल, कॉलेज या यूँ कहें कि महान टीचर हो। क्योंकि आप जहाँ-तहाँ हमारा ज्ञानोदय कर देते हैं। हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी!! पिछले कई वर्षों से आप जात-पात, धर्म, रंग, भाषा से लेकर न दिखाई देने वाले तत्व तक बराबर छाये हो। इससे सबकी हथेलियों में आप छाए हुए हो। अतएव आपको प्रणाम है।

हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आप ही डॉक्टक हो, आप ही पुलिस। आप ही हमारे चिकित्सक हैं, आप ही हमारे रक्षक हैं। आपको प्रणाम है। आप सभी सवालों के जवाब हैं! बेरोजगारी हो फट से व्हाट्सप युनिवर्सिटी पर अंगुलियाँ चलाएँ। भुखमरी हो फट से व्हाट्सप युनिवर्सिटी! में खा लें। बहिनों के साथ बलात्कार हो रहा हो या नंगी घुमाई जा रही हों फट से व्हाट्सप युनिवर्सिटी! देख लें। खुशी मिलेगी कि हमारे यहाँ से ज्यादा फलाना राज्य में ऐसी घटनाएँ अधिक हो रही हैं। यह सब पढ़ और देख लेने से व्हाट्सप युनिवर्सिटी हमारी मृत या बलत्कृत बहिनों को पहले जैसा या फिर जिंदा कर देता है।

हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आप बड़े से बड़े संकट को चुटकियों में हल कर देते हो। अब हमें पुस्तकालयों की जरूरत नहीं है। न हमें सच को पता लगाने की जरूरत है। किसने फॉरवर्ड किया, क्यों किया, कब किया से हम कब के उठ चुके हैं। हमें इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ता है। क्योंकि हमारे पास व्हाट्सप युनिवर्सिटी है। आपको प्रणाम है। हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आपको देखने के बाद देश चमकने लगा है। जब-जब आपको देखता हूँ लगता है पेड़ों पर फल की जगह रोजगार लग रहे हैं। लड़कियाँ बेखौफ घूम रही हैं। गांधी जी का सपना आपने पूरा कर दिया। वाह-वाह हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आप जैसा कोई नहीं। हे प्रबुद्ध हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आप जनता को हिंदू-मस्जिद के पवित्र कार्य में व्यस्त कर तमाम मुद्दों को अंतरिक्ष में भेज दिया है। हे स्वेच्छाचारिन्‍ हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! इधर-उधर जहाँ आपने चाहा अपने को फैलाया है। अब आप हथेलियों से उठकर मन-मस्तिष्क में छा गए हो। अब हमें कोर्ट-कचहरी की जरूरत नहीं है। आप जो फैसला सुना देते हो, वही अंतिम होता है। आपने हमारा कितना पैसा बचाया है। हे व्हाट्सप युनिवर्सिटी! आपको नमस्कार है।

वैश्विक संस्कृति व समाज में राम युगबोध

डॉ. पंकज कुमार

लोक जीवन का राग श्रीराम से युक्त है। श्रीराम का आचरण व संस्कार सनातन से लोगो का जीवन प्रकाशित करता रहा है। राम नाम के रस में ही भारत की सभी विधाएं संपृक्त है। भारतीय लोक काव्य व लोक आचरण राम कथा से प्रवाहित है। राम कथा की दृष्टि में मानव जीवन के समग्र विकास का संदेश निहित है।

राम के जीवन की कथा में भारत की भौगोलिक एकता ध्वनित होती है तथा इस देश की सभी प्रमुख भाषाओं में राम के जीवन को रचा बसा गया जिनके प्रचार-प्रसार के कारण भारतीय संस्कृति की एकरूपता बढ़ी है। राम के जीवन की यह कथा इतनी प्रेरक रही कि समूचा देश एक ही आदर्श की ओर उन्मुख रहा और भारत सहित सुवर्णदेश,सिंहल,तिब्बत,वर्मा और कश्मीर आदि क्षेत्रों में प्रचलित राम काव्यों को यदि समाहित कर दे तो यह दर्शित होता है कि राम कथा एशियाई संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है।

भारतीय संस्कृति में राम उन मूल्यों के प्रतिमान है जिन आदर्शो ने भारत के लोक मानस की आचरण व मानसिकता को रचा बसा है। वे मर्यादा पुरूषोत्तम राम कहे जाते है अर्थात मनुष्य के गुणो की मर्यादा का अपने कृतित्व में अनुपालन करने वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व है। राम के चरित्र में-एक पुत्र, भाई, पिता, पति, शिष्य, अयोध्या नरेश आदि भूमिकाओं में उन्होंने सर्वश्रेष्ठ पदीय आदर्शो का पालन किया है।

राम और सीता का प्रेम अद्वितीय है। यही समपर्ण से भरपूर प्रेम हमारी संस्कृति का एक ऐसा मूल्य है जो आज भी पति और पत्नी को एकात्म रखता है। राम के जीवन दर्शन का सबसे बड़ी विशेषता उनका लोकोन्मुख होना है। राम के सम्पूर्ण जीवन दर्शन यात्रा का उद्देश्य लोक मंगल के लिए एक आदर्श प्रतिमान खड़ा करना है।

वाल्मीकि रचित रामायण,राम कथा का सर्वाधिक प्राचीन ग्रन्थ है। इसी आदि ग्रन्थ पर तुलसीदास की रामचरितमानस आधारित है। दक्षिण पूर्व एशिया विशेषकर अंगकोरवाट के मन्दिर सहित रामायण के प्रसंगो का अंकन व उत्कीर्णन है।

दक्षिण भारत के मन्दिरों की संरणि हो या उत्तर भारत के विशाल क्षेत्र में फैले हुए मन्दिरों में राम कथा के विभिन्न प्रसंगो का अंकन दृग्दर्शित होता है। प्राचीन भारतीय मृण्मूर्ति कला में भी रामायण के प्रसंगो को समाहित किया गया है। गुप्त कालीन कानपुर के भीतर गॉव के ईट मन्दिर में भी टेराकोटा की राम व लक्ष्मण की वनवासी रूप मुद्रा को दर्शाया गया है। दोनो के हाथों में धनुष बाण लिए हुए है। गुप्त कालीन वास्तुकला का सर्वोत्कृष्ट रचना ललितपुर देवगढ़ के दशावतार मन्दिर एवं चालुक्यों के पट्टदकल, हम्पी, एलोरा के कैलाश मन्दिर पर भी राम कथा का प्रसंग जीवंत है।

राम और उनकी जीवन यात्रा के विविध रूपों का अंकन पाषाण धातु,हाथीदॉत एवं अनेक शिल्प कलाओं में निहित है। भारतीय चित्र कला में भी रामायण के विविध रूपक को संजोया गया है। पहाड़ो में कॉगड़ा, बसोहली, चम्बा, मण्डी, नूरपुर और बिलासपुर पहाड़ी शैलियों के प्रमुख केन्द्रों में रामायण प्रसंग के चित्रों का अंकन है।

वैदिक वाङ्मय , रामायण, महाभारत, बौद्ध व जैन, लौकिक व अलौकिक साहित्यों में भी राम कथा का अंकन मिलता है। वैदेशिक साहित्यों में खोतान, काशगर, मध्यएशिया, चीन सहित दक्षिण पूर्व एशिया में राम कथा के विभिन्न रूपको का अंकन मिलता है। भारत के आंचलिक सभी लोक भाषाओं-भोजपुरी, बघेली, तमिल, तेलगु, छत्तीसगढ़ी, असमिया, उड़िया, बंगला, मराठी, गुजराती, राजस्थानी, देववाणी सहित लगभग 22 भाषाओं के साहित्य में राम कथा का अंकन है।

आदिवासी जनजीवन व साहित्य में राम कथा का आदर्श वर्णन है। जनजाति जीवन आचरण में राम के वनवासी जीवन की सदृष्यता है। राम कथा का लोक विस्तार सार्वभौमिक व सनातन है। राष्ट्र की एकता हेतु भी राम का आदर्श दर्पण है। छत्तीसगढ़ के वास्तु कला में माता कौशल्या का मन्दिर विशिष्ट है। रामलीला के मंचन में कलाकारों व दर्शको का ऐसा सम्मोहन होता है जैसे प्रतीत होता है,कि रामराज्य है।

राम समग्रता के परिचायक है वे लोक कल्याण के लिए समर्पित व प्रतिबद्ध है। तुलसी के राम युगो-युगो से आदर्श रहे और लोक जीवन में इतने घुले मिले है कि राम के बिना हम अपने अस्तित्व व आधार की कल्पना भी नही कर सकते। भारत का राग-रस-अनुराग,गीत संगीत सब राममय है। भारतीय जनमानस के विविध क्षेत्रों समाजिक,सांस्कृतिक, कला व साहित्य में अंकित राम कथा सदियों से सभी को प्रेरित व मार्गदर्शित करता रहा है। निःसंदेह राम कथा की उपादेयता व प्रासंगिकता सार्वभौमिक व सार्वकालिक जनमानस के सम्पूर्णता हेतु प्रेरक प्रसंग है।

पौष पूर्णिमा को क्यों कहा जा रहा वुल्फ मून ?

सनातन धर्म में पूर्णिमा का विशेष महत्व है, इस दिन व्रत, पवित्र नदी में स्नान और जरूरतमंदों को दान देने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। ऐसा करने से भक्तों को मोक्ष और पुण्य की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा के दिन पूरा चांद आसमान में एक तेज और आभा लिए रोशन होता है। जनवरी की पहली पूर्णिमा को वुल्फ मून के नाम से भी जाना जाता है। क्या है इस नाम के पीछे की वजह?

वुल्फ पूर्णिमा 2024

हिंदू कैलेंडर के अनुसार पौष माह की पूर्णिमा तिथि 24 जनवरी 2024 की रात 9:24 बजे से शुरू हो चुकी है, जो 25 जनवरी 2024 की रात 11:30 बजे समाप्त होगी। इसलिए पौष पूर्णिमा 25 जनवरी को मनाई जा रही है। उस दिन ही वुल्फ मून है।

क्या होता है वुल्फ मून ?

अमेरिका में जनवरी की पूर्णिमा को वुल्फ मून का नाम दिया गया है। पारंपरिक रूप से इस दौरान भेड़ियों को चिल्लाते हुए सुना जाता था, मान्यता है कि ऐसा वे सर्दियों में भूख के कारण करते थे। इस वजह से इसे वुल्फ मून कहते हैं। वुल्फ मून का चंद्रमा सबसे बड़ा और सबसे अच्छा दिखाई देता है। इसके चारों तरफ नारंगी रंग की आभा लगभग 15-20 मिनट तक दिखाई देती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इस दिन चांद पृथ्वी के वायुमंडल के सबसे घने हिस्से से देखा जाता है।

भारत में कब दिखेगा वुल्फ मून ?

वुल्फ मून अमेरिका के सेंट लुइस क्षेत्र में 11:54 एएम पर दिखेगा। उस समय फुल मून होगा। हालांकि भारत में वुल्फ मून का समय रात 11:24 पीएम पर होगा। वैसे भी भारत में वुल्फ मून जैसी कोई बात नहीं है। यहां पर माह के आधार पर पूर्णिमा होती है। इस बार पौष पूर्णिमा है, जिसका चंद्रोदय शाम 05 बजकर 29 मिनट पर होगा।

पौष पूर्णिमा पर बन रहा शुभ योग

पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:12 बजे से 12:55 बजे तक रहेगा। इस समय कोई भी शुभ काम किया जा सकता है। इसके अलावा इस दिन पुनर्वसु नक्षत्र, सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और गुरु पुष्य योग का अद्भुत संयोग भी निर्मित हो रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस शुभ योग में धार्मिक कार्य और पुण्य करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

पौष पूर्णिमा पर करें इन वस्तुओं का दान

पौष पूर्णिमा के दिन जरूरतमंदों को तिल, गुड़, कंबल और ऊनी वस्त्रों का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि दान केवल जरूरतमंद लोगों को ही दें।

विंध्याचल के इस देवी मंदिर में दर्शन करने से पूरी होती है संतान की कामना!

यूपी में मिर्जापुर विंध्य नगरी के तौर पर अपनी पहचान रखता है। यहां कण-कण में देवी मां का वास माना जाता है। मिर्जापुर में दुर्गम पहाड़ों में मौजूद प्राचीन देवालयों का अहम स्थान है। इन्हीं प्राचीन धार्मिक धरोहरों में एक सुप्रसिद्ध नाम अष्टभुजा पहाड़ी पर मौजूद षष्ठी माता का मंदिर है, जो निसंतान दंपतियों को संतान का सुख देने के लिए जाना जाता है। तो चलिए हम भी जानते हैं माता के इस मंदिर और उससे जुड़ी मान्यताओं के बारे में विस्तार से।

दरअसल, संतान सुख की कामना हर किसी के मन में होती है। इसके बगैर दांपत्य जीवन सफल नहीं माना जाता है। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में विंध्याचल के पावन धरती स्थित षष्ठी माता का मंदिर आस्था का बड़ा केंद्र है। ऐसी मान्यता है कि यहां पर पूजा करने से निसंतान दंपति की संतान पाने की मुराद पूरी हो जाती है। भक्त माता की पूजा अर्चना कर अपने मन की मुराद मांगते हैं ।

भर जाती है सुनी गोद

अध्यात्मिक धर्मगुरु त्रियोगी नारायण उर्फ मिठ्ठू मिश्र ने बताया कि विंध्य क्षेत्र के पावन धरा पर स्थित मां षष्ठी के कृपा से अनगिनत लोगों के जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन हुआ है। उन्होंने बताया कि यह मां का धाम विंध्य त्रिकोण के अंतर्गत आता है। विंध्याचल में शायद ही ऐसा परिवार हो जो मां के चमत्कारिक शक्ति से अनजान हो । मां षष्ठी के कृपा से 10 से 15 सालों तक रहने वाली सुनी गोद भी भर जाती है, इसके काफी संख्या में लोग गवाह हैं। यही वजह है कि पुत्र/पुत्री के प्राप्ति के लिए यहां काफी संख्या में लोग दर्शन पूजन करने जाते हैं।

शादी के 13 साल बाद हुआ पुत्र

विंध्याचल के रहने वाले दीपक मिश्रा ने बताया कि मां की अद्भुत कृपा है। उनको लगभग 7 सालों से संतान की प्राप्ति नहीं हो रही थी। वो डॉक्टरों के संपर्क में थे, दवा करवा रहे थे। कुछ रिस्पॉन्स नजर नहीं आ रहा था। षष्ठी मां के दरबार में गए, मन्नत मांगी। जिसके बाद उनको पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई। वो आगे बताते हैं कि उनकी बहन को भी संतान प्राप्ति को लेकर 13 साल से ज्यादा समय से बाधा थी। लेकिन अष्टभुजा पहाड़ी पर स्थित मां के दरबार में जाने के बाद बहन को साल भर के अंदर ही पुत्र की प्राप्ति हुई।

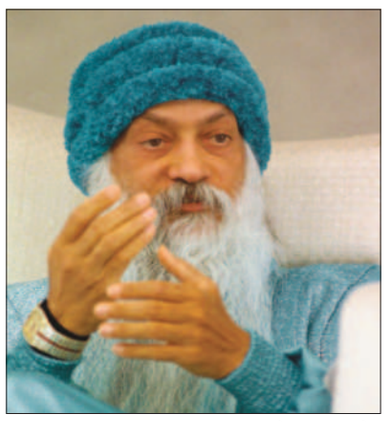

मृत्यु और जीवन के संबंध में उसका कौड़ी भर मूल्य नहीं

एक बार यह अनुभव हो जाए कि मैं अलग और यह शरीर अलग, तो मौत खतम हो गई। मृत्यु नहीं है फिर। और फिर तो शरीर के बाहर आकर खड़े होकर देखा जा सकता है। यह कोई फिलासफिक विचार नहीं है, यह कोई दार्शनिक तात्विक चिंतन नहीं है कि मृत्यु क्या है, जीवन क्या है। जो लोग इस पर विचार करते हैं, वे दो कौड़ी का भी फल कभी नहीं निकाल पाते। यह तो है एक्सिस्टेंशियल एप्रोच, यह तो है अस्तित्ववादी खोज। जाना जा सकता है कि मैं जीवन हूर जाना जा सकता है कि मृत्यु मेरी नहीं है। इसे जीया जा सकता है, इसके भीतर प्रविष्ट हुआ जा सकता है।

लेकिन जो लोग केवल सोचते हैं कि हम विचार करेंगे कि मृत्यु क्या है, जीवन क्या है, वे लाख विचार करें, जन्म—जन्म विचार करें, उन्हें कुछ भी पता नहीं चल सकता है। क्योंकि हम विचार करके विचार करेंगे क्या? केवल उसके संबंध में विचार किया जा सकता है जिसे हम जानते हों। जो नोन है, जो शात है, उसके बाबत विचार हो सकता है। जो अननोन है, जो अज्ञात है, उसके बाबत कोई विचार नहीं हो सकता। आप वही सोच सकते हैं, जो आप जानते हैं।कभी आपने खयाल किया कि आप उसे नहीं सोच सकते हैं, जिसे आप नहीं जानते। उसे सोचेंगे कैसे? हाउ टु कन्सीव इट? उसकी कल्पना ही कैसे हो सकती है? उसकी धारणा ही कैसे हो सकती है जिसे हम जानते ही नहीं हैं? जीवन हम जानते नहीं, मृत्यु हम जानते नहीं। सोचेंगे हम क्या? इसलिए दुनिया में मृत्यु और जीवन पर दार्शनिकों ने जो कहा है, उसका दो कौड़ी भी मूल्य नहीं है। फिलासफी की किताबों में जो भी लिखा है मृत्यु और जीवन के संबंध में, उसका कौड़ी भर मूल्य नहीं है। क्योंकि वे लोग सोच —सोच कर लिख रहे हैं। सोच कर लिखने का कोई सवाल नहीं है। सिर्फ योग ने जो कहा है जीवन और मृत्यु के संबंध में, उसके अतिरिक्त आज तक सिर्फ शब्दों का खेल हुआ है। क्योंकि योग जो कह रहा है वह एक एक्सिस्टेंशियल, एक लिविंग, एक जीवंत अनुभव की बात है।

आत्मा अमर है, यह कोई सिद्धांत, कोई थ्योरी, कोई आइडियोलाजी नहीं है। यह कुछ लोगों का अनुभव है। और अनुभव की तरफ जाना हो तो ही. अनुभव हल कर सकता है इस समस्या को कि क्या है जीवन, क्या है मौत। और जैसे ही यह अनुभव होगा, शात होगा कि जीवन है, मौत नहीं है। जीवन ही है, मृत्यु है ही नहीं।

फिर हम कहेंगे, लेकिन यह मृत्यु तो घट जाती है। उसका कुल मतलब इतना है कि जिस घर में हम निवास करते थे, उस घर को छोड्कर दूसरे घर की यात्रा शुरू हो जाती है। जिस घर में हम रह रहे थे, उस घर से हम दूसरे घर की तरफ यात्रा करते हैं। घर की सीमा है, घर की सामर्थ्य है। घर एक यंत्र है, यंत्र थक जाता है, जीर्ण हो जाता है, और हमें पार हो जाना होता है। अगर विज्ञान ने व्यवस्था कर ली, तो आदमी के शरीर को सौ, दो सौ, तीन सौ वर्ष भी जिलाया जा सकता है। लेकिन उससे यह सिद्ध नहीं होगा कि आत्मा नहीं है। उससे सिर्फ इतना ही सिद्ध होगा कि आत्मा को कल तक घर बदलने पड़ते थे, अब विज्ञान ने पुराने ही घर को फिर से ठीक कर देने की व्यवस्था कर दी है। **(क्रमशः)**

घर में फैली नकारात्मक ऊर्जाएं दूर करता है पान

सनातन धर्म में पान के पत्तों को बहुत पवित्र माना जाता है, तभी तो उनके अभाव में कोई भी पूजा पूर्ण रूप से सार्थक नहीं हो सकती। कोई भी मांगलिक और धार्मिक अनुष्ठान हो, उसमें पान के पत्तों को सुख-समृद्धि के रूप में प्रयोग किया जाता है। पान के पत्तों को तांबूल नाम से भी जाना जाता है। देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पान के पत्तों का प्रयोग सरलतम माध्यम है। आइए जानते हैं पान से जुड़े कुछ खास उपाय-

घर में पान, हल्दी और चन्दन के पौधों को पश्चिम-उत्तर के कोने में लगाने से परिवार में कभी मनमुटाव नहीं होता, सदा खुशहाली बनी रहती है।

पान के पत्तों में हल्दी मिला कर पूरे घर में इसका छिड़काव करना चाहिए। इस उपाय से घर में फैली नकारात्मक ऊर्जाएं दूर हो जाती हैं क्योंकि वास्तु शास्त्र के अनुसार जिन घरों में वास्तु संबंधी दोष होता है, वहां हमेशा ही नकारात्मक शक्तियां मौजूद रहती हैं। घर पर नकारात्मक ऊर्जाएं होने से व्यक्ति काफी तनाव में रहता है। घर में नकारात्मक ऊर्जाएं होने से धन हानि और असफलताएं मिलती हैं।

शनिवार के दिन पान के 5 पत्तों को एक साथ धागे में बांधकर अपने घर या ऑफिस में पूर्व दिशा में रखें। इस तरह से कई शनिवार को इस उपाय को दोहराते जाएं। पुराने हो चुके पत्तों को किसी नदी में प्रवाहित कर दें। इससे व्यापार में बाधाएं दूर होती हैं।

पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। मंगलवार और शनिवार के दिन 11 पान के पत्ते लेकर उन पर लाल चन्दन से राम नाम लिखे और पीले या लाल धागे से उनकी एक माला बनाकर हनुमान जी के गले में धारण करवा दें एवं रोग मुक्ति की प्रार्थना करें। ऐसा करने से कितना भी बड़ा रोग हो, खत्म हो जाता है।

दांपत्य जीवन में मनमुटाव रहता है तो शुक्रवार के दिन पान के पत्ते में गुलाब की कुछ पंखुड़ियां लगाकर मां लक्ष्मी की फोटो के सामने अर्पित करें।

अष्टभुजा माता मंदिर पांडवीं

देवभूमि हमीरपुर की ग्राम पंचायत पांडवीं में नेशनल हाई-वे हमीरपुर-शिमला मार्ग पर स्थित प्राचीन कल्याणकारी श्री अष्टभुजा माता का भव्य मंदिर अपने आप में स्वर्णिम गाथाएं समेटे हुए है। मंदिर में आने वालों की हरेक मुराद पूरी होती है। यही कारण है कि अष्टभुजा माता को कुलदेवी के नाम से भी जाना जाता है। वैसे तो इस वीरभूमि में अनेको धर्मस्थल हैं, जिनका अपना ऐतिहासिक महत्त्व लोगों की आस्थाओं से जुड़ा है, लेकिन इस अष्टभुजा माता मंदिर को न सिर्फ हमीरपुर, बल्कि बिलासपुर, मंडी, कांगड़ा के लोग भी अपनी कुलदेवी मानते हैं। पंजाब व अन्य राज्यों में बसे लोग भी अपनी मन्नतें मांगने के लिए कुलदेवी के दर पहुंचते हैं। मंदिर में सबकी मनोकामनाएं पूरी करने वाली दुख हरने वाली नीलकुंड से स्वनिर्मित माता की मूर्ति विराजमान है।

लोकगाथा के अनुसार आज से लगभग 500 वर्ष पूर्व पांडवीं गांव के एक क्षत्रिय बुजुर्ग को रात में मां ने स्वप्न में दर्शन दिए और कहा कि मैं इस समय नीलकुंड, जिसे कुंजिया दी आल भी कहते हैं, में विराजमान हूं। मुझे यहां से निकालकर मेरा मंदिर बनाया जाए, अगर ऐसा नहीं किया तो गांववासियों के लिए शुभ नहीं होगा। सुबह होते ही बुजुर्ग ने यह बात अन्य ग्रामीणों को बताई। सबने उसकी बात का विश्वास किया और इकट्ठे होकर बताए गए स्थान पर चले गए। एक बुजुर्ग ने बताए गए कुंड में डुबकी लगाई। मां अष्टभुजा की मूर्ति

उसकी बाहों में आ गई। वह मूर्ति को लेकर पानी से बाहर आ गया। इस मूर्ति को देखकर तमाम एकत्रित गांववासी चकित रह गए और मां के जयकारे लगाने लगे। गांव से पालकी मंगवाई गई। माता की मूर्ति को पालकी में रखा गया और गांव की ओर चल दिए। पालकी को गांव से बाहर एक खाली स्थान पर रख दिया और विचार करने लगे कि मंदिर कहां बनाया जाए। काफी सोच विचार के बाद स्थान का चयन कर लिया गया और वहां पर स्थापित करने के लिए जब पुनः पालकी उठाने लगे, तो पालकी इतनी भारी हो गई कि उठाई ही नहीं जा सकी। लोग समझ गए कि मां यहां पर ही विराजमान होना चाहती है।

बाद में इसी स्थान पर मंदिर बनाया गया जोकि आज एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल में तबदील हो गया है। मंदिर के साथ पीपल का पौधा लगाया गया। इसकी भी लोग ब्रह्मा के रूप में पूजा करते हैं। माता के पानी में प्रकट होने के कारण लोग इन्हें मां जालपा भी कहते हैं। मंदिर निर्माण के उपरांत यहां पर मेले का आयोजन किया गया था जोकि आज भी पुरानी प्रथानुसार प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ महीने में आयोजित होता है। श्रद्धालु विशेषकर प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को टोलियों में मंदिर में आते हैं। घर से ही चावल और माह की खिचड़ी व दही का भोग लगाया जाता है। कई लोग मन्नतें पूरी होने पर मंदिर में बकरे भी चढ़ाते हैं।

गांव के पूर्व सहायक कमांडेंट बलदेव शर्मा ने बताया कि इस मंदिर में बलि प्रथा पूर्णतः निषेध है। साथ ही यहां पर नशीले पदार्थ का प्रयोग, धूम्रपान करना बिलकुल वर्जित है। मंदिर परिसर में मां अष्टभुजा की मूर्ति के अलावा हनुमान, शिवजी व अन्य मूर्तियां स्थापित हैं।

सुबह शाम मंदिर में निश्चित समयानुसार आरती होती है, जिसमें श्रद्धालु व ग्रामीण निरंतर सम्मिलित होते हैं। माता के दर्शनों के लिए मंदिर खुला रहता है। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतू निशुल्क ठहरने के लिए बड़ा हाल व कमरे हैं तथा पानी की उचित व्यवस्था है। मंदिर में प्रवेश हेतू लगभग 81 फुट ऊंचा प्रवेश द्वार है जोकि वृंदावन के कारीगरों द्वारा वर्ष 2017-18 में तैयार किया गया है। इस प्रवेश द्वार से ही माता के जयकारे लगने शुरू हो जाते हैं।

भारतीय वायुसेना अधिकारियों को फ़ाइटर सबसे पहले दिखाएंगे

जोरदार पंच एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन और देशभक्ति की भावना से भरपूर, सिद्धार्थ आनंद की फाइटर कल यानि 25 जनवरी को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है । ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म फ़ाइटर हमारे सभी बहादुर भारतीय वायुसेना अधिकारियों को एक ट्रिब्यूट है जो अपने अथक साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ हमारे आसमान की रक्षा करते हैं । इसलिए फाइटर को सबसे पहले उनके सम्मान देने हेतु IAF अधिकारियों को दिखाया जाएगा । फ़ाइटर की फ़र्स्ट स्क्रीनिंग ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की मौजूदगी में दिल्ली में आयोजित की जाएगी । ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद फ़ाइटर को सबसे पहले दिखाएंगे भारतीय वायुसेना अधिकारियों को ; दिल्ली में आयोजित होगी फ़र्स्ट स्क्रीनिंग

फ़ाइटर की फ़र्स्ट स्क्रीनिंग

फ़ाइटर के लीड एक्टर्स ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ दिल्ली के लिए रवाना होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं । फिल्म की पहली स्पेशल स्क्रीनिंग टीम द्वारा दिल्ली के चाणक्यपुरी में आयोजित की जाएगी, जहां हमारे बहादुर भारतीय वायु सेना अधिकारी फिल्म देखें गे। चूंकि फाइटर हमारे बहादुर वायु योद्धाओं की वीरता और बलिदान को पूरी तरह से प्रस्तुत करता है, इसलिए इसे हमारे देश के IAF अधिकारियों को दिखाया जा रहा है । सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, फाइटर सिनेमाई प्रतिभा का प्रतीक है । यह फिल्म एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हुए, दिल को छू लेने वाले एक्शन और देशभक्ति के उत्साह को सहजता से जोड़ती है । फाइटर 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है ।

भारत-मालदीव विवाद के कारण रुकी सलमान खान और करण जौहर की द बुल

सलमान खान 25 सालों बाद एक बार फिर करण जौहर के साथ फ़िल्म कर रहे हैं जिसका नाम है, द बुल । यह एक एक्शन फ़िल्म है जिसमें सलमान खान पैरामिलिट्री ऑफिसर फारूक बुल्सरा के रोल में नज़र आने वाले हैं । यह एक एक्शन ड्रामा है जिसे शेरशाह डायरेक्टर विष्णुवर्धन द्वारा निर्देशित किया जा रहा है । 28 दिसंबर, 2023 को मुंबई के फिल्मसिटी में द बुल का मुहूर्त हुआ था और इसके तुरंत बाद, यह कन्फर्म किया गया था कि सलमान और करण की एक्शन थ्रिलर द बुल, फरवरी 2023 में फ्लोर पर जाएगी । लेकिन अब फ़िल्म के शूटिंग शेड्यूल में कुछ बदलाव हुआ है जिसकी एक्सक्लूसिव जानकारी बॉलीवुड हंगामा के पास है । बॉलीवुड हंगामा को पता चला है कि, द बुल का शूटिंग शेड्यूल आगे बढ़ा दिया गया है । और इसका अहम कारण है वर्तमान में चल रहे भारत-मालदीव विवाद ।

सलमान खान की द बुल में अभी और वक्त लगेगा

करण, विष्णु और सलमान सक्रिप्ट के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं इसलिए वे

इसे सही दिशा में ले जाने के लिए भरपूर समय दे रहे हैं । वे सक्रिप्ट के कुछ एलिमेंट्स पर फिर से काम कर रहे हैं । इसके अलावा वे भारत-मालदीव, दोनों देशों के बीच खराब रिश्ते थोड़ा ठीक होने के बाद ही फिल्म को फ्लोर पर ले जाएंगे । फिलहाल, जो शेड्यूल फरवरी में शुरू होना था उसमें अब कम से कम 2 महीने की देरी हो गई है ।" विश्वस्त सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया । जहां विष्णु फिर से फिल्म की सक्रिप्ट को टाइट करने में बिजी हो गए हैं वहीं करण फ़िल्म से जुड़े अन्य कामों को कर रहे हैं । सूत्र ने हमें आगे बताया, "सलमान भी धर्मा की टीम के साथ सहमत हैं और कई सक्रिप्ट भी पढ़ रहे हैं ।"

बता दें, द बुल मालदीव को आतंकी हमले से बचाने के लिए भारतीय सेना द्वारा चलाए गए प्रसिद्ध ऑपरेशन 'कैक्टस' (जिसमें 3 नवंबर, 1988 को इंडियन आर्म्ड फोर्सेज ने मालदीव की मदद की थी, जब बिजनेसमैन अब्दुल्ला लुथुफी और पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ऑफ तमिल ईलम (प्लॉट) के नेतृत्व में तख्तापलट की कोशिश की गई थी । भारतीय सेना ने कुशलतापूर्वक अनेको सैनिकों को मार गिराया और कुछ ही घंटों के भीतर राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम की सरकार पर नियंत्रण बहाल कर दिया) पर आधारित है । फिल्म में सलमान, फारूक बुल्सरा की भूमिका निभा रहे हैं । और इस फ़िल्म में अपने किरदार के साथ न्याय करने के लिए उन्होंने अपना वजन कम करने और एक सेना अधिकारी का रूप पाने के लिए कड़ी ट्रेनिंग शुरू कर दी है । द बुल का शूटिंग शेड्यूल कब शुरू होगा, इस बारें में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है ।

साल 2024 में अजय देवगन की 5 फ़िल्में होंगी रिलीज

साल 2023 में फ़िल्म भोला में नज़र आने वाले अजय देवगन की इस साल 2024 में एक साथ 5 फ़िल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं । और इस साल रिलीज़ होने वाली 5 में से सबसे पहली फ़िल्म होगी शैतान, जिसमें उनके साथ आर माधवन और ज्योतिका लीड रोल में नजर आने वाली हैं । यह फ़िल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

शैतान के बाद आएगी काफ़ी लंबे समय से अपनी रिलीज का इंतज़ार कर रही मैदान, जो एक स्पोर्ट्स ड्रामा है । अब फ़ाइनली मैदान अप्रैल के दूसरे हफ़्ते में ईद के दौरान रिलीज हो रही है ।

प्रियामणि और गजराज राव अहम रोल में नज़र आने वाले हैं और यह 1952 और 1962 के बीच भारतीय फुटबॉल के स्वर्ण युग पर आधारित है । अजय ने इस फिल्म में एक कुशल भारतीय कोच सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाई है, जिसका संगीत ए आर रहमान ने दिया है ।

मैदान की रिलीज के दो हफ्ते बाद, अजय 26 अप्रैल को औरों में कहां दम था में फिर से बड़े पर्दे पर नजर आएंगे । यह नीरज पांडे के साथ उनका पहला सहयोग है और एनएच स्टूडियोज के निर्माता श्रेयांस हीरावत के अनुसार, यह एक रोमांटिक थ्रिलर है। कथित तौर पर, यह एक प्रेम कहानी है जो 2002 से 2023 तक 19-20 साल तक फैली हुई है। इस फ़िल्म में जिमी शेरगिल और सई मांजरेकर भी अहम रोल में नज़र आने वाले हैं । फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता संगीत निर्देशक एम एम कीरावनी ने तैयार किया है ।

देखा जाए तो 8 मार्च से 26 अप्रैल के बीच यानी 50 दिनों में, अजय देवगन की 3 फ़िल्में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं ।

अप्रैल के बाद स्वतंत्रता दिवस पर अजय, सिंघम अगेन में सिंघम के लोकप्रिय किरदार में नजर आएंगे। रोहित शेट्टी की इस एक्शन एंटरटेनर में अजय, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर जैसे कलाकारों की टोली है ।

2024 में अजय देवगन की आखिरी रिलीज रेड 2 होगी । यह इस महीने की शुरुआत में

फ्लोर पर गई और 15 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी । इस फ़िल्म में अजय के साथ वाणी कपूर मुख्य भूमिका में नज़र आने वाली है, जबकि रितेश देशमुख खलनायक की भूमिका में नज़र आएँगे । इसका निर्देशन राज कुमार गुप्ता ने किया है।

एक मैनस्ट्रीम अभिनेता के लिए, एक वर्ष में 5 से अधिक रिलीज़ होना दुर्लभ है, खासकर आज के समय में । हालांकि, पहले भी अजय की एक साल में 5 से ज्यादा फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। एक अभिनेता के रूप में अपने तीसरे वर्ष में, यानी 1993 में, उनके पास 8 रिलीज़ का रिकॉर्ड था - दिव्यशक्ति, प्लेटफार्म, संग्राम, शक्तिमान, दिल है बेतन, एक ही रास्ता, बेदर्दी और धनवान। साल 2005 में उन्हें फिर एक साल में 8 बार देखा गया । ये 8 फिल्में थीं इंसान, ब्लैकमेल, ज़मीर- द फायर विदइन, टैंगो चार्ली, काल, मैं ऐसा ही हूं, अपहरण और शिखर। 2003 में, अजय की 7 रिलीज़ हुईं - भूत, कयामत, चोरी चोरी, गंगाजल, परवाना, ज़मीन और एलओसी कारगिल ।

सौम्या ने की शाहरुख की तारीफ

शाहरुख खान का बीते एक साल से बॉक्स ऑफिस पर कब्जा है। उन्होंने 5 साल बाद कमबैक कर 3 हिट फिल्में दीं और लोगों के दिलों में दोबारा जगह बना ली। लेकिन उन्होंने कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया जो कि सफल नहीं रहे। टीवी एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने उनके साथ एक रियलिटी शो में काम किया था। दोनों ने शो को होस्ट किया था। और अब अनीता भाभी का मानना है कि वह शो उनके करियर का सबसे बड़ा फ्लॉप शो था।

सौम्या टंडन को हम मशहूर कॉमेडी सीरियल 'भाभीजी घर पर हैं' से जानते हैं। कुछ लोग उन्हें फिल्म 'जब वी मेट' की रूप ढिल्लों के रूप में भी पहचानते हैं। टीवी और फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने के अलावा, एक्ट्रेस एक प्रेजेंटेटर और होस्ट भी हैं, जिन्होंने कई शो में काम किया है। जाहिर तौर पर, उन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ रियलिटी शो 'जोर का झटकाः टोटल वाइपआउट' की मेजबानी भी की है। वह उनकी को-होस्ट रही हैं।

'बिग बॉस सीजन 17' के आखिरी वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने स्टेज पर कंटेस्टेंट्स के घरवालों को बुलाया था। इस मौके पर जहां किसी के मम्मी और किसी के पापा आए थे। वहीं, विक्की जैन के परिवार की तरफ से उनकी भाभी रेशू जैन। जिन्हें देखकर लोगों ने खूब वाहवाही की थी। उन्होंने बखूबी सलमान के सवालों के जवाब दिए थे। अपनी सास से लेकर अंकिता तक का बचाव किया था। उनका पक्ष लिया था।

शाहरुख खान के साथ फ्लॉप शो

शाहरुख के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में 'डिजिटल कमेंट्री' से बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्हें ये मालूम हुआ कि वह एक्टर के साथ शो होस्ट करने वाली हैं तो उनको लगा कि उनकी लाइफ ही बन गई है। लेकिन दुख की बात ये रही कि वह शो नहीं चला। 'यह शो मेरे करियर का सबसे बड़ा फ्लॉप रहा।'

सौम्या ने की शाहरुख की तारीफ

सौम्या ने आगे कहा कि उन्होंने शाहरुख खान के साथ काफी समय बिताया। 'मुझे उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वह बहुत तेज दिमाग के और चतुर भी हैं। वह सिर्फ एक शानदार एक्टर ही नहीं, वह बहुत ही समझदार और बुद्धिमान भी हैं। इस शो को करने से पहले मैं उनकी बहुत बड़ी फैन नहीं थी। लेकिन जब मैं उनसे मिली तो मेरा नजरिया उनके लिए बदल गया।'सौम्या ने शाहरुख खान की तारीफ में कहा कि जब वह उनके साथ वह शो कर रही थीं, तब एक्टर ने उन्हें बहुत सम्मान दिया। कभी ऐसा महसूस नहीं करवाया कि वह इस फील्ड में नई हैं।

हाई-ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा आर्टिकल 370 में ख़ुफ़िया एजेंट बनी यामी गौतम

लीडिंग कंटेंट स्टूडियो, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज एक जबरदस्त पॉलिटिकल ड्रामा आर्टिकल 370 को दर्शकों के समक्ष पेश करने के लिए एक साथ आए हैं। यामी गौतम अभिनीत इस फिल्म को आदित्य सुहास जांभले ने निर्देशित किया है आपको बता दें कि आदित्य सुहास जांभले दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके हैं। आर्टिकल 370 एक हाई-ऑक्टेन, एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा है, जो कश्मीर के आर्टिकल 370 को निष्क्रिय करने, और वहां के आतंकवाद को जड़ से मिटाने के संकल्प पर आधारित है । हाई-ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा आर्टिकल 370 में ख़ुफ़िया एजेंट बनी यामी गौतम का एक्शन अवतार ; 23 फरवरी को थिएटर में होगी रिलीज

यामी गौतम की आर्टिकल 370

फिल्म का टीज़र कल रिलीज़ किया जाएगा, इस बात की घोषणा करते हुए, निर्माताओं ने एक रोमांचक पोस्टर जारी किया है, जिसमें यामी गौतम को एक खुफिया एजेंट के रूप में दिखाया गया है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें कभी न देखा गया एक्शन और पॉलिटिक्स देखने को मिलेगा। यह प्रेरक कहानी भारत सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जो उनकी राजनीतिक चतुराई का प्रदर्शन करती है। उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के रचनाकार की ओर से, आर्टिकल 370 एक धमाकेदार एक्शन राजनीतिक ड्रामा है, जिसमें अभिनेत्री यामी गौतम अहम भूमिका में नज़र आ रही हैं और इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जांभले ने किया है।ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर द्वारा निर्मित यह फिल्म 23 फरवरी 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

सोनू सूद ने अपनी मां के नाम पर शुरू किया बुजुर्गों के लिए एक नए तरह का ओल्ड एज होम

आम लोगों के लिए सही मायने में सुपरहीरो की तरह काम कर रहे अभिनेता सोनू सूद ने सीनियर सिटीजन्स के लिए एक नई पहल की शुरूआत की है । सोनू सूद ने द सूद फाउंडेशन के जरिये सरोज सेरेनिटी नाम का एक स्पेशल ओल्ड एज होम खोला है जो बुजुर्गों को आरामदायक माहौल उपलब्ध कराएगा । इस ओल्ड एज होम का नाम सोनू की मां सरोज सूद के नाम पर रखा गया है ।

सीनियर सिटीजन्स के लिए सोनू सूद की नई पहल

यह प्रोजेक्ट महज एक बिल्डिंग से कहीं अधिक है; यह माँओं को ट्रिब्यूट है। यह बच्चों और माता-पिताओं के बीच एक मजबूत बंधन है । अपने चैरिटेबल कार्यों के लिए मशहूर सोनू सूद इस पहल के जरिये बुजुर्गों के प्रति अपना समर्पण बढ़ाते हैं । सरोज सेरेनिटी का लक्ष्य उन सीनियर सिटिजन्स के लिए एक आरामदायक वातावरण प्रदान करना है, जिनके बच्चे कई कारणों से उनके साथ नहीं रह सकते हैं । यह प्रयास मानवता की सेवा के लिए सोनू

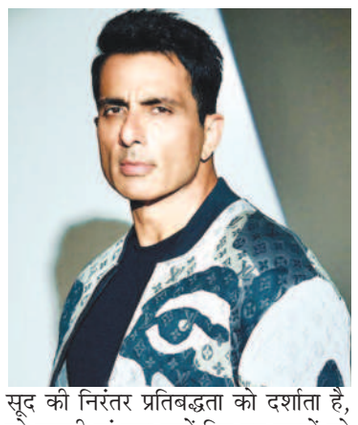

सूद की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो उनकी मां द्वारा उन्हें दिए गए मूल्यों को दर्शाता है । सोनू के गाइडेंस में, सूद फाउंडेशन दया और सेवा से भरे स्थानों का निर्माण करते हुए सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है । वर्कफ्रंट की बात करें तो, सोनू सूद अपने पहले प्रोडक्शन और डायरेक्टोरियल वेंचर, फ़िल्म फतेह की तैयारी कर रहे हैं, जो साइबर क्राइम विक्टिम्स को एक ट्रिब्यूट है । इस फ़िल्म में सोनू और जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे ।

'बड़े मियां छोटे मियां' में दिमाग से शैतान है अक्षय-टाइगर की जोड़ी; विलेन बने हैं साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का टीजर बुधवार को रिलीज हुआ। इस एक्शन फिल्म में अक्षय और टाइगर पहली बार साथ नजर आ रहे हैं। इसे 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाले अली अब्बास जफर ने बड़े पैमाने पर शूट किया है।

टीजर में मिला एक्शन और देशभक्ति का डबल डोज

फिल्म के टीजर की शुरुआत साउथ के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन के वॉइस ओवर से होती है जिसमें वो कहते हैं कि प्रलय आने वाला है। एक ऐसा प्रलय जो भूत, वर्तमान और भविष्य को बदल देगा। एक ऐसा प्रलय जो अच्छाई और बुराई की जंग को हमेशा के लिए खत्म कर देगा। हिंदुस्तान खत्म हो जाएगा। मुझे कौन रोकेगा..?

इसके बाद आर्मी ऑफिसर बने अक्षय और टाइगर की एंट्री होते है। वो कहते हैं, 'दिल से सोल्जर, दिमाग से शैतान हैं हम...बचके रहना हमसे, हिंदुस्तान हैं हम...' इसके बाद दोनों देश के दुश्मनों से लड़कर हिंदुस्तान को बचाते नजर आ रहे हैं। टीजर से साफ है कि फिल्म में दर्शकों को एक्शन और देशभक्ति का डबल डोज मिलेगा।

पृथ्वीराज सुकुमारन बने हैं विलेन

'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय और टाइगर के अलावा साउथ के सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन के रोल में नजर आएंगे। उनके अलावा इसमें सोनाक्षी सिन्हा, अलाया एफ, मानुषी छिल्लर और रोनित रॉय भी अहम किरदारों में होंगे। यह अप्रैल 2024 में ईद पर रिलीज होगी।

ईद पर ही रिलीज होगी अजय की 'मैदान'

वहीं दूसरी तरफ मंगलवार को अजय देवगन ने भी अपनी मच अवेटेड फिल्म 'मैदान' का पोस्टर शेयर कर जानकारी दी कि फिल्म इस साल ईद पर रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर यह पोस्टर शेयर करते हुए अजय ने लिखा, 'एक मच-अवेटेड गेम वर्ल्डवाइड धूम मचाने वाला है। अपने कैलेंडर मार्क कर लीजिए क्योंकि 'मैदान' ने इस ईद, अप्रैल 2024 में फील्ड पर कब्ज़ा कर लिया है। वादा करते हैं कि यह इंस्पायरिंग स्टोरी आपको खुश होने और गर्व महसूस करने का मौका देगी।' ऐसे में अब 'मैदान' और 'बड़े मियां छोटे मियां' का क्लैश होना लगभग तय है।

बिग बॉस के घर से बाहर हुए विक्की जैन : पत्नी अंकिता लोखंडे का रो रोकर हुआ बुरा हाल, 28 जनवरी को होगा ग्रैंड फिनाले

बिग बॉस-17 अपने आखिरी पड़ाव पर है। अब ग्रैंड फिनाले होने में केवल 4 दिन ही बचे हैं। इसी बीच शो के एक और कंटेस्टेंट विक्की जैन भी एविक्ट हो गए। विक्की के घर से बाहर होने पर अंकिता का रो रोकर बुरा हाल है। विक्की के बाहर होने पर वो कहीं न कहीं खुद को दोष दे रही हैं। वहीं सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि बिग बॉस केवल अंकिता लोखंडे को जिताना चाहते हैं।

लोगों का कहना है कि टॉप 5 में से अरुण माशेट्टी को आउट होना चाहिए था। क्योंकि शुरुआत से ही उनका गेम लोगों को वीक दिखा है, यही कारण है कि लोग उन्हें टॉप 5 में नहीं देखना चाहते हैं। लेकिन शो के वीक प्लेयर को ना निकालकर शो के मास्टरमाइंड कहे जाने वाले कंटेस्टेंट विक्की जैन को निकाल दिया गया। ये बात दर्शकों को पसंद नहीं आ रही है।

दर्शकों का मानना है कि बिग बॉस ने जानबूझकर विक्की को घर से बाहर निकाला है। क्योंकि मेकर्स अंकिता को जिताना चाहते हैं। विक्की के घर में रहने से उनके वोट आपस में बंट जाते। विक्की के निकलने के बाद सारे वोट अंकिता को मिल जाएंगे। ये

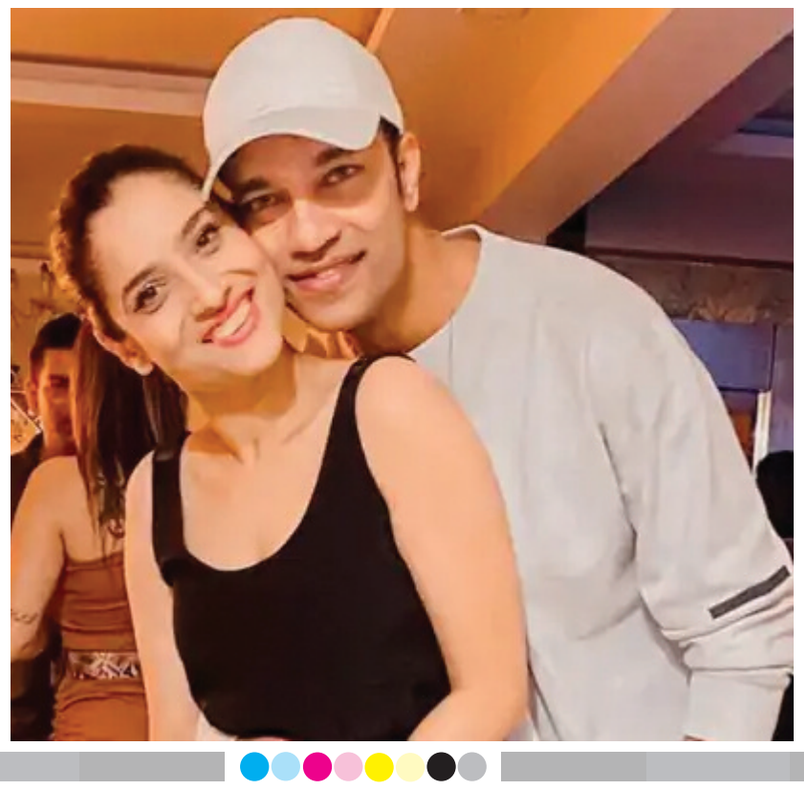

सोचकर मेकर्स ने शो के मास्टरमाइंट को घर से निकाला दिया। लोगों का कहना कि ये मेकर्स का प्लान है ताकि वो अंकिता को जीता सकें।बता दें ऑडियंस के कम वोट के कारण विक्की को घर से बाहर निकलना पड़ा। वहीं अब फिनाले में अभिषेक, मुनव्वर, अंकिता, अरुण और मन्नारा पहुंचे हैं।

विक्की को नहीं निकलना चाहिए था- अंकिता

अंकिता के मुताबिक विक्की गेम में रहने के हकदार थे। उन्होंने इस गेम के लिए बहुत मेहनत की थी। अंकिता विक्की को घर से जाने नहीं दे रही थीं। इस कारण बिग बॉस को बार-बार विक्की को दरवाजे के बाहर जाने की अनाउंसमेंट करनी पड़ रही थी। एक्ट्रेस ने पति विक्की से कहा कि उनके बिना वो कोई पार्टी नहीं करेंगे। पति के जाने के बाद भी अंकिता बाथरुम में रोती दिखीं।

यूजर्स का रिएक्शन

सोशल मीडिया पर यूजर्स विक्की के एविक्शन पर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- विक्की अरुण से ज्यादा अच्छा खेले हैं, तो विक्की को एविक्ट क्यों किया। बहरहाल, बिग बॉस की ट्रॉफी कौन जितेगा ये 28 जनवरी को फिनाले के दिन पता चल जाएगा।

कान में महसूस होता है हार्ट अटैक का 'साइलेंट' लक्षण, सीने में दर्द से काफी पहले देता है चेतावनी

नसों में ब्लॉकेज नहीं आने देनी चाहिए क्योंकि यह हार्ट अटैक का कारण बन सकती हैं। इसकी वजह से कान से गुजरने वाली वेगस नर्व पर भी असर पड़ता है जिससे कान में कुछ समस्या हो सकती है। इसलिए कान के दर्द और हार्ट अटैक का संबंध देखा गया है।

हर कोई जानता है कि हार्ट अटैक एक साइलेंट किलर है। क्योंकि इसके आने की बिल्कुल भनक नहीं लगती। हार्ट अटैक के संकेत भी बिल्कुल अंत में दिखते हैं, जैसे सीने में दर्द, जबड़े में जकड़न, कंधे में दर्द, सांस फूलना आदि। मगर कुछ ऐसे छोटी-छोटी समस्याएं हैं जिन्हें हार्ट

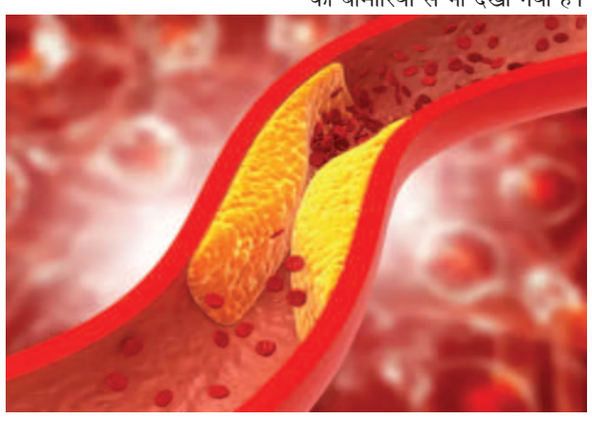

अटैक की शुरुआत के तौर पर देखा जाता है। इसमें से एक लक्षण आपके कान में भी महसूस होता है।

हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणः सीने में दर्द जैसे संकेतों से पहले भी कुछ लक्षण दिखते हैं जिन्हें वक्त पर पहचानकर जान बचाई जा सकती है। ये समस्याएं किसी दूसरे कारण से भी हो सकती है मगर इसका संबंध दिल की बीमारियों से भी देखा गया है। कान में भारीपन भी ऐसी ही चेतावनी देता है। जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कान में भारीपन या दर्द

एयर प्रेशर कम या ज्यादा होने पर कान बंद होना सामान्य स्थिति है। कई बार ठंड में भी कान में दर्द हो जाता है। लेकिन अगर यह बेवजह या अक्सर रहता है तो इसके पीछे दिल की नसें हो सकती हैं। जिनमें दिक्कत आने पर हार्ट अटैक आता है।

दाईं कोरोनरी आर्टरी में ब्लॉकेज

एनसीबीआई पर एक शोध मौजूद है जिसे अमेरिका के शोधकर्ताओं ने किया था। यह रिसर्च बताती है कि वेगस नर्व की ऑरिक्यूलर ब्रांच के विकार की वजह से कान में दर्द और भारीपन हो सकता है। अब यह विकार दाईं कोरोनरी आर्टरी में कोई भी ब्लॉकेज आने पर हो सकता है और यही हार्ट अटैक की वजह बनती है। हार्ट अटैक आने से पहले शरीर में दिखते हैं ऐसे लक्षण !!

कान पर झुर्रियां पड़ना

हार्ट अटैक का एक अजीब लक्षण झुर्रियों से जुड़ा भी है। जो आपके ईयर लोब पर दिखती हैं। इसे फ्रैंक साइन भी कहा जाता है जो ट्रैगस से लेकर ऑरिकल के पीछे तक फैली होती है। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए पुख्ता सबूत मिलने बाकी हैं। यह उम्र बढ़ने का लक्षण भी होता है।

इन चीजों से बढ़ता है इसका खतरा

स्मोकिंग
हाई फैट डाइट
डायबिटीज

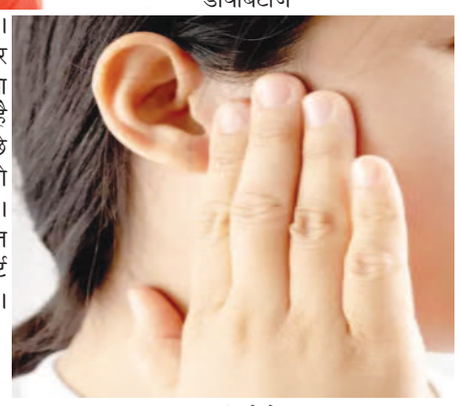

हाई कोलेस्ट्रॉल
हाइपरटेंशन
मोटापा
लाइफस्टाइल में ये बदलाव करें
लाइफस्टाइल में ये बदलाव करें
दिल की बीमारियों से बचने के लिए खाने में हेल्दी फैट और कम वसा वाली चीजें खाएं।
स्मोकिंग और शराब से बिल्कुल दूर रहें। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें। ब
्लड शुगर को ना बढ़ने दें।
एक्सरसाइज करें और मोटापा कम करें।

फेफड़ों में जमा गंदगी ऐसे करें साफ, सुस्त पड़े फेफड़ों को दोगुनी तेजी से करने लगेंगे काम

हमारे स्वाथ्य को आए दिन कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक है प्रदूषित हवा। इन दिनों यह हम सबके लिए चिंता का विषय है। क्योंकि इसका सीधा असर हमारे फेफड़ों पर पड़ता है। वहीं दूसरी तरफ स्मोकिंग जैसी आदतें इन्हें हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। ध्यान न दिया जाए, तो फेफड़ों में बहुत जल्दी टॉक्सिन जमा हो जाते हैं, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह रुक जाता है और सांस लेने में दिक्कत आती है।

इतना ही नहीं इससे फेफड़ों में संक्रमण बढ़ता है, जिससे अस्थमा और लंग कैंसर हो सकता है। बता दें कि फेफड़े हमारे शरीर का वो महत्वपूर्ण अंग हैं, जो वातावरण से हवा को खींचकर उसमें से ऑक्सीजन को फिल्टर करता है और फिर इसे खून में पहुंचा देता है। फेफड़ों का खराब होना हमारे जीवन के लिए घातक है। इसलिए फेफड़ों की नियमित सफाई बहुत जरूरी है। यहां कुछ तरीके बताए गए हैं, जिनकी मदद से आप अपने लंग्स को घर बैठे नेचुरल तरीकों से क्लीन कर सकते हैं।

स्टीम थेरेपी-

फेफड़ों की सफाई के लिए स्टीम हमेशा कारगर विकल्प रहा है। यह आपके वायुमार्ग को खोलकर म्यूकस को रिलीज करती है। प्रदूषित और ठंडे वातावरण में वायु मार्ग की म्यूकस मेंब्रेन सूख जाती है, जिससे खून का बहना कम हो जाता है। ऐसे में जब आप भाप लेते हैं, तो फेफड़ों

को नमी के साथ गर्मी भी मिलती है, जिससे सांस लेने में तकलीफ नहीं होती और जमा बलगम भी धीरे-धीरे पिघलने लगता है। स्टीम थेरेपी के दौरान यूकेलिप्टस, पेपरमिंट और टी ट्री ऑयल जैसे तेल अद्भुत काम कर सकते हैं।

डायाफ्रामेटिक ब्रीदिंग तकनीक अपनाएं-

पल्मोनोलॉजिस्ट के अनुसार, डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज आपको सांस लेने की समस्या से छुटकारा दिलाती है। इसे करने के लिए अपने मुंह से धीरे-धीरे सांस छोड़ें, नाक से गहरी सांस लें। इससे छाती में जमा कफ बहुत जल्दी बाहर निकलता है। आप इस प्रक्रिया को बार-बार दोहरा सकते हैं।

कंट्रोल कफिंग तकनीक अपनाएं-

सीओपीडी के कारण आपके फेफड़ों में जरूरत से ज्यादा बलगम जमा हो जाता है, जिससे बार-बार खांसी होती है। लेकिन ध्यान रखें, कि सभी तरह की खांसी फेफड़ों में जमा बलगम को साफ नहीं कर पातीं, ऐसे में कंट्रोल्ड कफिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है। कंट्रोल्ड कफिंग और ब्रीदिंग एक्सरसाइज बलगम को बाहर निकालने और सांस फूलने की समस्या को कम करने का बहुत प्रभावी तरीका है। यह तकनीक उन लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद है, जो पहले से फेफड़ों की बीमारियों से जूझ रहे हैं।

एक्सरसाइज करें-

रेगुलर एक्सरसाइज न केवल आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि फेफड़ों के कामकाज में भी सुधार करती है। इसलिए सप्ताह में पांच दिन 30 मिनट का समय निकालकर एक्सरसाइज जरूर करें। यह न केवल आपके रेस्पिरेटरी सिस्टम को ठीक बनाए रखेगी बल्कि आपके फेफड़े ठीक से काम करेंगे और उनका वजन भी सही बना रहेगा ।

लंग क्लीनजिंग डाइट-

एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन से भरपूर आहार आपके फेफड़ों को साफ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आपको अपने आहार में खट्टे फल, पत्तेदार साग और जामुन को शामिल करना चाहिए। यह आपके ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फेफड़ों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ऐसे फूड्स को अपने आहार का हिस्सा बनाएं जिनमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद हों।

अदरक और हल्दी इसके सबसे अच्छे विकल्प हैं। घर हो या बाहर अपने फेफड़ों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। घर की हवा को शुद्ध करने के लिए आपको एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करना चाहिए।

इसके अलावा घर से बाहर निकलते समय एन95 या एन99 मास्क जरूर पहनें। इतना ही नहीं फेफड़ों के ठीक से काम करने के लिए फ्लू और निमोनिया के वैक्सीन जरूर लगवाएं, नियमित रूप से हाथ धोएं और सांस संबंधी समस्या से पीड़ित लोगों से उचित दूरी बनाए रखें।

तेजी से झड़ रहे हैं बाल, तो तुरंत खाना बंद कर दें ये चीजें

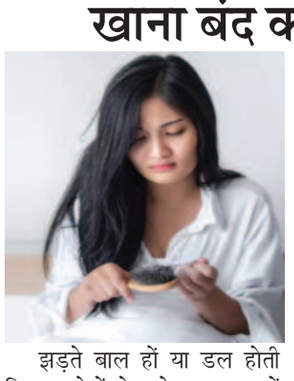

झड़ते बाल हों या डल होती स्किन, दोनों के घरेलू उपचार में डाइट में अलग-अलग चीजें शामिल करने की सलाह दी जाती है। ताकि, बाल झड़ना बंद हो जाएं या स्किन फिर से ग्लो करने लगे। ऐसे में अगर हम आपसे कहें कि बाल झड़ने से रोकने के लिए कुछ खाना शुरू करने की जगह कुछ चीजें अपनी डाइट से बिलकुल कम कर दें या खत्म ही कर दें तो ज्यादा बेहतर होगा। तो, क्या आप यकीन कर सकेंगे? शायद नहीं। यकीन करने के लिए आजमा कर देखना ज्यादा सही तरीका है।

यहां हम आपको ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बता रहे हैं जिन्हें खाने की थाली से बाहर कर आप हेयर फॉल की परेशानी से निजात पा सकते हैं। एक बार इन चीजों को खाना बंद कीजिए और खुद ही बालों पर असर देखिए। लेकिन ये ध्यान रखें कि अगर आप किसी मेडिकल कंडिशन से जूझ रहे हैं, तो डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

शक्कर

जरूरत से ज्यादा शक्कर सेहत के साथ-साथ बालों के लिए भी नुकसानदायी है। कुछ स्टडीज में ये साबित हुआ है कि डायबिटीज और ओबेसिटी का कारण बनने वाली शक्कर हेयर फॉल का कारण भी होती है। हाई शुगर वाली डाइट, स्टार्च और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट्स की वजह से बालों का झड़ना बढ़ सकता है।

हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाने

हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाने को पचाने के लिए इंसुलिन ज्यादा मात्रा में रिलीज होता है। जिसकी वजह से शरीर में इंसुलिन का असंतुलन हो जाता है। इंसुलिन के साथ मिलकर एंड्रोजन नाम का तत्व बालों को स्कैल्प से बाइंड रखता है और हेयर फॉलिकल्स को मजबूत बनाता है। इंसुलिन के असंतुलन से बालों की बाइंडिंग कमजोर होने लगती है और हेयर फॉल बढ़ जाता है।

अल्कोहल

बालों में एक प्रोटीन होता है

केराटिन प्रोटीन, जिसकी वजह से बालों का स्ट्रक्चर सही रहता है। अल्कोहल लेने का असर प्रोटीन के बनने पर पड़ता है। जिसमें केराटिन भी शामिल है। ज्यादा अल्कोहल से केराटिन प्रोटीन बनने की मात्रा भी कम हो जाती है और बाल कमजोर होने लगते हैं।

बाल झड़ना रोकना है, तो अपनाकर देखें ये टिप्स

डाइट सोडा

अधिकांश डाइट सोडा में आर्टिफिशल स्वीटनर होता है। शक्कर की तरह ये भी बालों के फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचाता है। जिसकी वजह से बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं।

जंक फूड

जंक फूड से बालों को होने वाले नुकसान की प्रक्रिया बहुत जटिल है। आप आसान भाषा में बस इतना समझ लीजिए कि ज्यादा जंक फूड खाने से शरीर के हॉर्मोन्स का संतुलन गड़बड़ा जाता है। जंक फूड में मौजूद तेल स्केल्प को ऑयली रखता है। ज्यादा तेल से बालों के फॉलिकल्स कमजोर पड़ते हैं।

कच्चा एग वाइट

अंडे वैसे तो बाल सहित पूरे शरीर की सेहत के लिए अच्छे होते हैं। लेकिन कच्चे अंडे नुकसानदायी हो सकते हैं। कच्चा एग वाइट बायोटिन की कमी का कारण बन सकता है। बायोटिन ऐसा विटामिन है जो केराटिन प्रोडक्शन में मदद करता है। केराटिन कम होने का असर बालों पर पड़ता है।

सर्दियों में यूरिक एसिड बढ़ने से हैं दुखी? खून से इस गंदगी को निचोड़ देंगी ये चीजें

यूरिक एसिड बढ़ना एक गंभीर समस्या है जो जोड़ों में दर्द, उंगलियों में दर्द, किडनी की पथरी, गाउट सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। यूरिक एसिड एक गंदा पदार्थ होता है जो प्यूरीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को खाने से खून में जमा होता है। सर्दियों का मौसम यूरिक एसिड से पीड़ितों के लिए मुसीबत बन जाता है क्योंकि इसके लेवल बढ़ने से जोड़ों में गंभीर दर्द होने लगता है।

यूरिक एसिड बढ़ना एक गंभीर समस्या है, जो जोड़ों में दर्द, उगलियों में दर्द, किडनी की पथरी, गाउट सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। यूरिअक एसिड एक गंदा पदार्थ होता है, जो प्यूरीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को खाने से खून में जमा होता है। वैसे तो यूरिक एसिड मूत्र के माध्यम से शरीर से बाहर निकल जाता है, लेकिन कई बार किडनी यूरिक एसिड को बाहर नहीं निकाल पाती और यह जोड़ों में जाकर इकठ्ठा हो जाता है।

सर्दियों का मौसम यूरिक एसिड से पीड़ितों के लिए मुसीबत बन जाता है क्योंकि इसके लेवल बढ़ने से जोड़ों में गंभीर दर्द होने लगता है। साथ ही जो लोग पहले से गाउट, किडनी की बीमारी या गठिया से पीड़ित हैं, उन्हें इससे सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। सर्दियों में यूरिक एसिड बढ़ने से आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं जैसे जोड़ों में दर्द, जकड़न, जोड़ों के हिस्से का लाल होना, चलने में परेशानी, खड़े होने में परेशानी, जोड़ों में सूजन आदि।

यूरिक एसिड कम करने के लिये क्या करें? यूरिक एसिड को कम करने के लिए, खासकर सर्दियों में इस आफत से राहत पाने के लिए आपको अपनी डाइट पर ध्यान देना चाहिए। आर्थराइटिस फाउंडेशन के अनुसार, सर्दियों में आपको कुछ

ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिनमें प्यूरीन की मात्रा कम होती है। यह खाद्य पदार्थ हैं-

पालक

सर्दी के मौसम में पालक खूब खाया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सब्जी में प्यूरीन बहुत कम होता है। यही कारण है कि गठिया कोई समस्या नहीं है। पालक आयरन का भी अच्छा स्रोत है, जो एनीमिया को ठीक कर सकता है।

ब्रोकोली

गठिया से पीड़ित लोगों के लिए ब्रोकोली सबसे अच्छा विकल्प है। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से गाउट अटैक को कम करने में मदद मिल सकती है। विटामिन सी शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में मदद करता है।

खीरा

खीरा फाइबर से भरपूर होता है और शरीर से यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है। जिन लोगों के खून में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होती है उनके लिए भी खीरा बहुत फायदेमंद होता है।

बीन्स

आर्थराइटिस फाउंडेशन के अनुसार, बीन्स प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत हैं। यह यूरिक एसिड के स्तर को नहीं बढ़ाता है और गाउट अटैक को भी रोक सकता है। इसमें अन्य जरूरी पोषक तत्व भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

विटामिन सी से भरपूर फूड्स

विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ यूरिक एसिड को तोड़ने का काम करते हैं और इसे तुरंत शरीर से बाहर निकाल देते हैं। कीवी, नींबू, आंवला, अमरूद, कीवी, संतरे और टमाटर जैसे खाद्य पदार्थ सबसे अच्छे विकल्प हैं।

ग्रीन टी

यह साबित हो चुका है कि ग्रीन टी में मौजूद कैटेचिन वास्तव में एक प्रोटीन एंटीऑक्सीडेंट है जो यूरिक एसिड निर्माण से संबंधित एंजाइमों के उत्पादन को कंट्रोल करने में मदद करता है। एक बार जब आप ग्रीन टी पीते हैं, तो यह तुरंत यूरिक एसिड के गठन को कंट्रोल करती है और गठिया को बनने से रोकती है।

पिंटो बीन्स

पिंटो बीन्स में मौजूद फोलिक एसिड प्राकृतिक रूप से यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करती है। यह राजमा की तरह होती है जिसमें प्रोटीन और कैल्शियम भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इनके अलावा अपने खाने में सेब का सिरका, अजवाइन के बीज, बेरीज आदि शामिल करें क्योंकि यह सभी चीजें यूरिक एसिड को कम करने में मदद कर सकती हैं।

ब्यूटी पार्लर की छोटी सी गलती बना सकती है इस खतरनाक सिंड्रोम का शिकार, महिलाएं रहें सावधान

बीते साल नवंबर में हैदराबाद में एक महिला हेयर वॉश करते हुए ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम का शिकार हो गई। उसको चक्कर, सर दर्द और धुंधला दिखाई देने लगा। स्थिति बिगड़ने पर उसको तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया गया। ऐसे की एक दूसरे मामले में दिल्ली के ग्रीन पार्क में फेशियल मसाज करवाते हुए उंगलियों के गलत प्रेशर से महिला की गर्दन की नस दब गई। असहनीय दर्द होने पर उसे तुरंत अस्पताल पहुंचकर फिजियोथेरेपी दी गई।

कर्नाटक में तो शादी ऐन वक्त पर इसलिए रोक दी गई क्योंकि पार्लर की वजह से दुल्हन का चेहरा खराब हो गया, नौबत ऐसी हो गई कि दुल्हन को आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। ऐसा ही एक मामला आया था मुंबई के अंधेरी इलाके से, जहां फेशियल मसाज के लिए बहुत बड़ी रकम चुकाने के बाद महिला की स्किन बुरी तरह जल गई। परमानेंट डैमेज के बाद महिला ने सैलून के खिलाफ FIR दर्ज करवाई।

अक्सर इस तरह के मामले सुनने में आते हैं, जब पार्लर में ट्रीटमेंट करवाने के दौरान महिला सिंड्रोम का शिकार हो गई या किसी वजह से एलर्जी हो गई या ट्रीटमेंट गलत होने से स्किन डैमेज हो गई वगैरह।

ब्यूटी पार्लर सिंड्रोम किसे कहते हैं?

ब्यूटी पार्लर सिंड्रोम शब्द का जिक्र पहली बार 1993 में अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में किया गया था। इस शब्द का उपयोग उन पांच महिलाओं का अध्ययन करने के बाद किया, जिनमें हेयर सैलून में शैम्पू सेशन के बाद स्ट्रोक जैसे न्यूरोलॉजिकल सिम्टम्स देखने को मिले थे। उन महिलाओं ने चक्कर आना, बैलेंस का खोना और चेहरा सुन्न होने की शिकायत की थी। उनकी आई रिपोर्ट में पांच में से चार महिलाओं को स्ट्रोक हुआ था।

नस दबने से हुई हैदराबाद के पार्लर में महिला की मौत

बीते साल के नवंबर महीने में हैदराबाद का ब्यूटी पार्लर वाला मामला भी पार्लर सिंड्रोम से जुड़ा हुआ था जब सिंक में गलत पॉजिशन लेने से हेयर वॉश करवाते हुए महिला इसकी चपेट में आ गई।

नस दबने से रुक जाती है ब्लड सप्लाई

फिजिशियन बताते हैं कि ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम आने की खास वजह होती है किसी नस का दबना। हैदराबाद वाले मामले में महिला के बीमार होने की वजह बाल वॉश करने के दौरान गर्दन पर खिंचाव और सिंक पर सही तरह से गर्दन को सपोर्ट न मिलना है। दरअसल, नस कहीं की भी हो, जब दबती है तो तब ब्रेन तक ब्लड की सप्लाई सही तरह से नहीं हो पाती है और यही स्ट्रोक की वजह बनता है। चक्कर आना, तेज सिर दर्द होना, धुंधला दिखाई देना, शरीर का कोई हिस्सा सुन्न होना जैसे लक्षण अगर दिखाई दें, तो तुरंत हॉस्पिटल ले जाना जरूरी है। डॉक्टर अनूप कहते हैं कि पार्लर में अक्सर लोग मसाज कराते हैं। अगर तरीका गलत होगा, तो आपकी हड्डी के लिए पीड़ादायक हो सकती है।

पार्लर के जरिए घर तक पहुंच सकता है इंफेक्शन

कई रिसर्च में भी सामने आ चुका है कि ब्यूटी सैलून के टूल्स और प्रोडक्ट्स से होने वाले इंफेक्शन सेहत के लिए गंभीर समस्याओं की वजह बनते हैं। एक सर्वे के मुताबिक, वार्ट्स, एक्ने, रैशेज, ड्राईनेस, मोलस्कम इंफेक्शन वगैरह कुछ कॉमन इन्फेक्शन है, जो पार्लर के जरिए घर तक आते हैं।

एअर इंडिया पर डीजीसीए ने 1.1 करोड़ का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। भारत के एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने सेफ्टी से जुड़े नियमों के उल्लंघन को लेकर एअर इंडिया पर 1.1 करोड़ का जुर्माना लगाया है।

इंडिया ने बोइंग B777 एयरक्राफ्ट की कुछ फ्लाइट्स में ऑक्सीजन से जुड़े तय जरूरी नियमों और सुरक्षा मैनुअल का पालन नहीं किया था। एअर इंडिया के एक एम्प्लॉई ने इसे लेकर डीजीसीए को शिकायत की थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। पिछले हफ्ते भी डीजीसीए ने कम विजिबिलिटी की स्थिति में फ्लाइट ऑपरेशन के लिए पायलटों की रोस्टरिंग में चूक के लिए एअर इंडिया पर 30 लाख का जुर्माना लगाया था। डीजीसीए को अक्टूबर में एयरलाइन के एक कर्मचारी की शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया था कि एअर इंडिया मुंबई/बेंगलुरु-सैन फ्रांसिस्को के बीच बोइंग B777 विमान के जरिए जो फ्लाइट ऑपरेट करती है उसमें सेफ्टी के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।

नवंबर 2022 के बाद से ऐसा हो रहा है। शिकायत के आधार पर एविएशन रेगुलेटर ने एअर इंडिया के विमानों की '12 मिनट कैमिकल पैसेंजर ऑक्सीजन सिस्टम' की जांच की। ऑक्सीजन सिस्टम विमान में लगभग 12-15 मिनट तक ऑक्सीजन का उत्पादन कर सकते हैं। इमरजेंसी आने पर इतने समय में विमान को कम ऊंचाई पर ला सकते हैं जहां सप्लीमेंट्री ऑक्सीजन की जरूरत नहीं होती। जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद डीजीसीए ने एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

जमीन के बाद आसमान में 'सड़क' बनाएंगे गडकरी

खर्च होंगे 1.25 लाख करोड़, दुनिया का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट शुरू

हाइलाइट्स

- **सरकार ने 5 साल का प्लान तैयार कर लिया है.**
- **इस पर सवा लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे.**
- **नेशनल रोपवे डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत बनाए जाएंगे.**

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की निगाहें अब आसमान की ओर हैं. जमीन पर सड़कों और एक्सप्रेसवे का जाल बिछाने के बाद उनका अगला लक्ष्य लोगों को आसमान के रास्ते सैर कराने का है. ऐसे दुर्गम रास्ते जहां सड़क मार्ग से जाना संभव नहीं और पैदल जाना चुनौती भरा होता है, वहां गडकरी ने हवाई रास्ता तलाशना शुरू कर दिया है. उन्होंने अगले 5 साल का प्लान तैयार कर लिया है, जिस पर सवा लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। गडकरी ने नेशनल रोपवे डेवलपमेंट प्रोग्राम जो पर्वतमाला परियोजना का ही हिस्सा है, इसके तहत देशभर में 200 रोपवे प्रोजेक्ट बनाने का लक्ष्य रखा है. इसे 5 साल में तैयार कर लिया जाएगा और प्रोजेक्ट पर करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है. गडकरी ने कहा है कि इसके लिए धन की व्यवस्था सरकार के साथ-साथ प्राइवेट कंपनियों से भी की जाएगी. योजना को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के जरिये पूरा किया जाएगा।

शहरों के लिए भी बनेगा रोपवे

गडकरी का कहना है कि रोपवे व्यवस्था सिर्फ पहाड़ी स्थलों पर पर्यटन बढ़ाने में काम नहीं आएगा, बल्कि शहरी क्षेत्रों के लिए भी यह ट्रांसपोर्ट का सुगम साधन बन सकता है. मेरा पूरा विश्वास है कि रोपवे का निर्माण देश में टूरिज्म बढ़ाने के साथ नौकरियां पैदा करने और ट्रैफिक को आसान बनाने का मुख्य जरिया बन सकता है।

दुनिया का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट

गडकरी ने बताया कि भारत में करीब 1,200 किलोमीटर के रोपवे प्रोजेक्ट तैयार किए जाएंगे, यह दुनिया का सबसे बड़ा रोपवे प्रोजेक्ट है. दरअसल, देश का 30 फीसदी हिस्सा पहाड़ और जंगलों से घिरा है, जहां सड़क या रेल मार्ग विकसित करना चुनौती है. इसका विकल्प रोपवे के जरिये पूरा किया जा सकता है.

अभी चल रहे कई प्रमुख प्रोजेक्ट

गडकरी ने बताया कि कई चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है. इसमें हेमकुंड साहिब, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे दुर्गम पहाड़ी रास्ते शामिल हैं. केदारनाथ रोपवे की ऊंचाई तो 3,600 मीटर है, जबकि यह 10 किलोमीटर लंबा होगा. एक घंटे में 3,600 लोगों को ले जाने की क्षमता रहेगी इस ट्रॉली में. पहाड़ी एरिया में रोपवे बनाने के साथ ही देश का पहला अर्बन रोपवे भी तैयार किया जा रहा है. वाराणसी में बन रहा यह प्रोजेक्ट 4 किलोमीटर लंबा है. अभी इस रास्ते को तय करने में 1 घंटा लगता है, जो घटकर 15 मिनट रह जाएगा.

आयकर रिटर्न भरने वाले 10 साल में दोगुने से अधिक होकर 7.78 करोड़ हुए

सरकार ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं की संख्या दोगुनी से अधिक होकर 7.78 करोड़ हो गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 23 में दायर आयकर रिटर्न (आईटीआर) की संख्या 7.78 करोड़ थी, जो 2013-14 में दायर 3.8 करोड़ आईटीआर की तुलना में 104.91 प्रतिशत अधिक है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 14 के 6,38,596 करोड़ रुपये से 160.52 प्रतिशत बढ़कर 2022-23 में 16,63,686 करोड़ रुपये हो गया। सरकार ने बजट में प्रत्यक्ष कर (व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट टैक्स) से 18.23 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के 16.61 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 9.75 प्रतिशत अधिक है। सीबीडीटी के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 23 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 173.31 प्रतिशत बढ़कर 19,72,248 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 14 में 7,21,604 करोड़ रुपये था।

एसईबीआई पर जी-सोनी का मर्जर रोकने का आरोप

जी के फाउंडर सुभाष चंद्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखी चिट्ठी, दखल देने की मांग की

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। जी के फाउंडर और प्रोमोटर सुभाष चंद्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को चिट्ठी लिखकर सोनी के साथ मर्जर रोकने करने की कोशिश का एसईबीआई पर आरोप लगाया है। हालांकि, उन्होंने यह चिट्ठी मर्जर टूटने के एक हफ्ते पहले 16 जनवरी को लिखी थी। भाष चंद्रा ने एसईबीआई के बारे में चिट्ठी में लिखा कि शेयर मार्केट रेगुलेटर 'पूर्व निर्धारित मानसिकता' के साथ काम कर रहा है। उन्होंने वित्त मंत्री से माइनॉरिटी शेयरहोल्डर्स के हितों की रक्षा करने के लिए दखल देने की मांग भी की।

सुभाष चंद्रा ने लिखा, 'मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूं कि अगर सेबी को किसी भी तरह का संदेह है तो उसे जांच नहीं करनी चाहिए। कंपनी और अन्य सभी लोग जांच में सहयोग कर रहे हैं, यहां तक कि विभाग ने एक पूर्व डॉयरेक्टर को भी तलब किया है, उनसे 4 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई है। मेरी चिंता इस नए नोटिस के समय और इसकी जरूरत को लेकर है, क्योंकि ये जी और कल्वर मैक्स के विलय की टाइमलाइन से मेल खाता है।' जी के साथ सोनी ने 22 जनवरी को मर्जर कैंसिल कर दिया था। दिसंबर 2021 में इन दोनों कंपनियों ने इसके लिए एग्रीमेंट साइन किया था।

अब हर हाथ में होगा मेड इन इंडिया आईफोन!

रतन टाटा के प्लान को सरकार ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। देश में आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग को बड़ा बूस्ट मिला है। कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने टाटा-विस्ट्रॉन की डील को हरी झंडी दे दी है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन के भारत में ऑपरेशन को खरीदने के लिए पिछले साल अक्टूबर में एक डील की थी। विस्ट्रॉन का बेंगलुरु के करीब एक प्लांट है जिसमें आईफोन की एसेंबलिंग की जाती है।

टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन के बीच इस डील के लिए करीब एक साल से बातचीत चल रही थी। विस्ट्रॉन का यह प्लांट आईफोन-14 मॉडल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। वर्तमान में इस प्लांट में 10,000 से ज्यादा वर्कर्स काम करते हैं। विस्ट्रॉन का भारतीय प्लांट अपनी 8 प्रोडक्शन लाइनों में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। इवान की कंपनी विस्ट्रॉन ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाती है। विस्ट्रॉन भारत में आईफोन बिजनस से निकलना चाहती है और टाटा ने खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। टाटा के अधिग्रहण के बाद विस्ट्रॉन पूरी तरह से भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा, क्योंकि यह भारत में ऐपल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करने वाला कंपनी का एकमात्र प्लांट है।

ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन ने 2008 में इंडियन मार्केट में एंट्री की थी, तब कंपनी कई डिवाइसेस के लिए रिपेयर फैसिलिटी प्रोवाइड कराती थी। 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशंस को एक्सपेंड किया और ऐपल के लिए आईफोन का प्रॉडक्शन शुरू किया था। चीन और अमरीका के बीच विवाद के बीच ऐपल ने अपने ग्लोबल प्रॉडक्शन का लगभग 25% भारत में शिफ्ट करने के प्लान की घोषणा की थी। ऐपल के प्रॉडक्ट्स को असेंबल करने वाली तीन ताइवानी फर्मों में से सिर्फ विस्ट्रॉन भारत छोड़ रही है। फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन ने भारत में अपनी प्रोडक्शन लाइनें बढ़ा दी हैं। भारत सरकार कंपनियों को अपने उत्पादन और रोजगार बढ़ाने के लिए इन्सेंटिव दे रही है।

सेंसेक्स 689 अंक की तेजी के साथ 71,060 पर बंद

निफ्टी भी 215 अंक चढ़ा

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 24 जनवरी को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 689 अंक की तेजी के साथ 71,060 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 215 अंक की तेजी रही, ये 21,453 के स्तर पर बंद हुआ। जी के शेयर में आज 6.28% की तेजी रही, जो 165.75 रुपए पर बंद हुआ।

सोनी के साथ मर्जर कैंसिल होने के कारण 23 जनवरी को इसमें 30% की गिरावट आई थी। डाबर इंडिया को चलाने वाले बर्मन फैमिली को कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में 5.27% हिस्सा खरीदने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के शेयर 4.98% की तेजी देखने को मिली। यह 227.85 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। ईपैक ड्यूरेबल लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ में निवेश का आज आखिरी दिन है।

यह इश्यू 19 जनवरी को ओपन हुआ था, जिसके जरिए कंपनी 640.05 करोड़ जुटाना चाहती है। 29 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। आज आईपीओ ग्रे मार्केट में 13.91% यानी 27 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 230 रुपए के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 257 रुपए पर हो सकती है।

सोना-चांदी हुआ महंगा

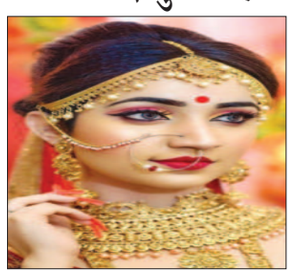

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 24 जनवरी, 2024 को सोना और चांदी महंगा हुआ है. इसके साथ ही सोने की कीमत 62 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी का भाव 70 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 62435 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 70475 रुपये है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 62355 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह 62435 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी दोनों महंगे हुए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर..	06-13 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	कुंभ...	08-03 बजे
मंगल	धनु	में	मीन ..	09-41 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-17 बजे
गुरु-	मेष	में	वृष--	13-02 बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन..	15-02 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-14 बजे
राहु-	मीन	में	सिंह...	19-26 बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या..	21-33 बजे
			तुला....	23-38 बजे
			वृश्चिक	00-49 बजे
			धनु.....	04-06 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय -**06-53** सूर्यास्त. -**18-03**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - **23 -23** - तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - पौष शुक्ल पक्ष , गुरूवार **25 January**
नक्षत्र - पुनर्वसु - **08 - 16** - तक उपरान्त पुष्य
योग - विष्कुंभ - **07 - 31** - तक उप प्रीति
करण- विष्टि - **10 -34** - तक उप- बव
विशेष:- पूर्णिमा व्रत
व्रत -त्योहार - अमृत गुरु पुष्य योग

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:53 से 15:17 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:53 - 08:15 शुभ	अमृत	18:03 - 19:42 शुभ
रोग.	08:15 - 09:40 अशुभ	चंचल	19:42 - 21:17 शुभ
उत्पात	09:40 - 11:04 अशुभ	रोग	21-17 - 22:53 अशुभ
चंचल	11:04 - 12:28 शुभ	काल	22:53 - 24:28 अशुभ
लाभ.	12:28 - 13:53 शुभ	लाभ	24:28 - 02:04 शुभ
अमृत	13:53 - 15:17 शुभ	उत्पात	02:04 - 03:39 अशुभ
काल	15:17 - 16:42 अशुभ	शुभ	03:39 - 05:15 शुभ
शुभ	16:42 - 18:03 शुभ	अमृत	05:15 - 06:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती ।इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है। बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा। आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है। वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे । आपने अभी हाल –फिलहाल ही अपनी जीवन शैली में कुछ परिवर्तन किये हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वास्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए । किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पेंशन स्कीम के सब्सक्राइबर्स को मिलेंगे टैक्स पर फायदे

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। एक सप्ताह बाद नया बजट आने वाला है. इस बजट में एनपीएस यानी नेशनल पेंशन सिस्टम के सब्सक्राइबर्स को सरकार की तरफ से तोहफा मिल सकता है. कुछ रपटों में दावा किया जा रहा है कि सरकार बजट में एनपीएस पर टैक्स संबंधी फायदों का ऐलान कर सकती है, ताकि इसे और आकर्षक बनाया जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार बजट में नेशनल पेंशन सिस्टम को और आकर्षक बनाने संबंधी घोषणाएं कर सकती है. एनपीएस में कंट्रीब्यूशन और एनपीएस से निकासी पर सब्सक्राइबर्स को टैक्स कंसेशन दिए जाने पर विचार चल रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, विचार किए जा रहे टैक्स कंसेशन में वैसे वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष फोकस है।

पिछले चार महीनों में जनवरी में सबसे ज्यादा बढ़ा कारोबार

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मजबूत मांग के कारण जनवरी में भारत की व्यावसायिक गतिविधि चार महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी। एक निजी सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है।

सर्वेक्षण में अगस्त के बाद से सबसे तेज दर से इनपुट लागत बढ़ने का भी पता चला है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कम से कम निकट अवधि में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.9% रहेगी। बुधवार को रॉयटर्स पोल में इस बारे में जानकारी दी गई। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से संकलित एचएसबीसी का फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जनवरी महीने में बढ़कर 61.0 हो गया, यह सितंबर के बाद से इसका उच्चतम स्तर है। यह सूचकांक 50 अंक से ऊपर रहा। लगातार 30 वें महीने में इसमें विस्तार देखा गया। एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकनॉमिस्ट प्रांजल भंडारी ने कहा, मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में मजबूती के साथ-साथ बिजनेस सर्विसेज एक्टिविटी की मदद से जनवरी में इकोनॉमी तेज रफ्तार से बढ़ी। नए ऑर्डर एक महीने पहले की तुलना में तेज गति से बढ़े, और उसके भीतर, अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर पहले की तुलना में मजबूत रहे। जनवरी में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई बढ़कर 56.9 हो गया, जो पिछले महीने 54.9 था। प्रमुख सेवा उद्योग में गतिविधि भी तेज दर से बढ़ी और इसका पीएमआई दिसंबर में 59.0 से बढ़कर इस महीने 61.2 हो गया।

कोरोना बाद मेडिकल इंश्योरेंस–इलाज हुआ महंगा

अंतरिम बजट में बढ़ सकती है मेडिक्लेम पर टैक्स बेनेफिट की लिमिट!

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसिया)। महंगाई के बीच कोरोना महामारी के दस्तक देने के बाद से देश में लोगों के लिए अस्पतालों में इलाज कराना महंगा हुआ है. पॉलिसीबाजार ने एक डेटा जारी किया था जिसके मुताबिक पिछले पांच वर्षों में कोई भी बीमारी होने पर अस्पताल में भर्ती होने के बाद इलाज पर खर्च दोगुनी महंगी हो चुकी है. केवल इलाज ही महंगा नहीं हुआ है बल्कि मेडिकल इंश्योरेंस भी महंगा हुआ है. मेडिक्लेम लेने पर लोगों को भारी भरकम प्रीमियम का भुगतान करना पड़ रहा है. लेकिन 2015 के बजट के बाद से इनकम टैक्स के सेक्शन 80डी के तहत मेडिकल इंश्योरेंस लेने पर डिडक्शन क्लेम करने की लिमिट में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है जिससे मेडिक्लेम इंश्योरेंस के बढ़े बोझ पर टैक्स छूट का लाभ ले सकें।

80डी के तहत बढ़ेगा डिडक्शन लिमिट

एक फरवरी 2024 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करने जा रही है. लोकसभा चुनावों के पहले नई सरकार के गठन होने के बाद पेश किए जाने पूर्ण बजट तक के लिए वोट ऑन अकाउंट सरकार लेकर आ रही है जिससे अगले चार महीनों के लिए सरकारी खर्चों की संसद से मंजूरी ली जा सके. लेकिन ये उम्मीद की जा रही है कि मोदी सरकार चुनावी रण में जाने से पहले अंतरिम बजट में लोकलुभावन एलान के जरिए वोटरों को लुभाने की कोशिश करेगी. ऐसे में उम्मीद है कि इलाज पर बढ़ते खर्च और मेडिकल इंश्योरेंस के महंगे होने के बाद वित्त मंत्री मेडिक्लेम प्रीमियम के भुगतान पर टैक्स छूट क्लेम करने के लिए डिडक्शन की लिमिट को बढ़ाने पर बढ़ा सकती हैं.

25,000 रुपये तक टैक्स डिडक्शन बेनेफिट

मौजूदा समय में 60 साल से कम उम्र के लोग 25,000 रुपये तक प्रीमियम के भुगतान पर टैक्स डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं. 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए ये लिमिट 50,000 रुपये है. इसके अलावा प्रीवेंटिव हेल्थ चेकअप कराने पर 5,000 रुपये तक टैक्स डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है.

डिडक्शन लिमिट से ज्यादा है प्रीमियम

अब अगर कोई व्यक्ति पत्नी और दो बच्चों के लिए 5 लाख रुपये तक का मेडिक्लेम लेता है तो उसे सालाना 36,365 रुपये तक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ता है. और 10 साल के लिए मेडिक्लेम लेता है तो उसे 40,227 रुपये सालाना प्रीमियम का भुगतान करना पड़ता है और अगर 20 लाख का मेडिकल इश्योरेंस लेता है तो उसे 47,000 रुपये सालाना प्रीमियम का भुगतान करना होता है. ऐसे में 80डी के तहत 25,000 रुपये के प्रीमियम भुगतान पर टैक्स डिडक्शन बेनेफिट नाकाफी है.

9 सालों में नहीं किया गया कोई बदलाव

साल 2015 में पेश किए गए बजट में पिछली बार सरकार ने 80डी के तहत डिडक्शन लिमिट को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किया था. उसके बाद 9 सालों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. सीनियर सिटीजंस के लिए 2018 में इस लिमिट को 30,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये किया गया था. लेकिन इस बीच लोगों ने कोरोना का दंश झेला है लेकिन टैक्स डिडक्शन क्लेम करने की लिमिट में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है.

नए इनकम टैक्स रिजीम के तहत भी मिले बेनेफिट

ऐसे में वित्त मंत्री से 80डी के तहत डिडक्शन लिमिट को बढ़ाये जाने की मांग की जा रही है. वहीं मेडिकल इंश्योरेंस का फायदा केवल उन्हीं टैक्सपेयर्स को मिलता है जो पुरानी इनकम टैक्स रिजीम के तहत रिटर्न फाइल करते हैं. नए इनकम टैक्स रिजीम में इस डिडक्शन का लाभ नहीं मिलता है. ऐसे में ये भी मांग की जा रही है मेडिकल इंश्योरेंस के प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का बेनेफिट नए इनकम टैक्स रिजीम में दिया जाए. अब सवाल उठता है कि लगातार छठी बार बजट पेश कर रहीं निर्मला सीतारमण टैक्सपेयर्स को ये सौगात देती हैं या नहीं?

कर्पूरी ठाकुर का निधन हुआ तो घर तक नहीं था

ओबीसी आरक्षण देने वाले पहले मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मैंने फर्स्ट डिविजन से मैट्रिक पास किया, तब गांव में सिर्फ पांच बच्चे ही मैट्रिक पास कर पाए थे। तब बाबूजी नाई का काम कर रहे थे। वे गांव के एक संपन्न आदमी के पास मुझे लेकर गए और कहा कि सरकार ये मेरा बेटा है, फर्स्ट डिवीजन से मैट्रिक पास किया है। उस आदमी ने अपनी टांगें टेबल के ऊपर रखते हुए कहा, 'अच्छा, फर्स्ट डिवीजन से पास किए हो? मेरा पैर दबाओ।'

यह किस्सा बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर ने अपने प्रमुख सचिव यशवंत सिन्हा को सुनाया था।

दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे और जननायक नाम से मशहूर कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से नवाजा जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनकी 100वीं जयंती से एक दिन पहले 23 जनवरी को यह घोषणा की। भ्रष्टाचार, परिवारवाद के धुर विरोधी रहे कर्पूरी का 1988 में निधन हुआ तो विरासत में एक घर तक नहीं छोड़कर गए।

24 जनवरी, 1924 को समस्तीपुर के पितौंझिया में कर्पूरी ठाकुर का जन्म हुआ था। बाद में उनके गांव का नाम कर्पूरीग्राम हो गया। कर्पूरी ठाकुर 6 साल के हुए, तो उनका दाखिला समस्तीपुर के ताजपुर मिडिल स्कूल में हुआ। 1933 में उन्होंने 5वीं की परीक्षा पास की।

अगले साल यानी 1934 में मकर संक्रांति पर्व के दूसरे दिन बिहार की धरती डोल गई। इतनी तीव्रता का भूकंप था कि हजारों घर ढह गए। बड़ी मात्रा में जान-माल की हानि हुई। बिहार दौरे पर आए गांधी जी ने कहा, 'आज हम सब पर बिना किसी भेदभाव के संकट आया है। यदि आपने और मैंने इस संकट से कोई नैतिक शिक्षा नहीं हासिल की, तो हमारी ये उपेक्षा इस संकट से भी बुरी होगी।' गांधी जी की बातों से कर्पूरी ठाकुर बेहद प्रभावित हुए। इसी साल 11 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई।

छात्र जीवन से ही वे राजनीति में दिलचस्पी लेने लगे थे। वे एआईएसएफ के अनुमंडलीय मंत्री थे। एक दिन समस्तीपुर के कृष्णा टॉकीज में सभा हुई। जिसमें कर्पूरी को भी बोलने का मौका मिला। उन्होंने कहा- हमारे देश की आबादी इतनी ज्यादा है कि केवल थूक फेक देने से अंग्रेजी राज बह जाएगा।

इस भाषण के चलते उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ। उन्हें एक दिन की जेल और 50 रुपए जुर्माना लगा। उन्होंने सजा कबूल की और आजादी के आंदोलन में कदम बढ़ा दिया।

पढ़ाई छोड़कर अगस्त क्रांति आंदोलन में कूदे

कर्पूरी ठाकुर ने 1939 में मैट्रिक की परीक्षा पास की। इसके बाद दरभंगा के एक कॉलेज में एडमिशन लिया, लेकिन पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। वे अगस्त क्रांति में कूद पड़े। 9 अगस्त 1942 को दरभंगा में छात्रों की बैठक हुई। कर्पूरी ने क्रांतिकारी भाषण दिया। उसका असर यह हुआ कि सरकारी भवनों पर तिरंगा फहराने लगा। रेल की पटरियां उखड़ने लगीं।

नेपाल में अंडरग्राउंड रहकर बंदूक चलाना सीखा

अंग्रेज कर्पूरी को खोज रहे थे और वे नेपाल में जाकर अंडरग्राउंड आंदोलन से जुड़ गए। नेपाल में ही उनकी मुलाकात जयप्रकाश नारायण से हुई। उन्होंने नेपाल के सुरंगा पहाड़ में आजाद दस्ते की ट्रेनिंग देखी। नित्यानंद सरदार और गुलेली सरदार ट्रेनर थे। बंदूक चलाना, बम बनाना सिखाया जाता था। कर्पूरी ने भी ट्रेनिंग शुरू कर दी।

यहां जयप्रकाश नारायण की सीख काम आई कि हमें बदला नहीं बदलाव चाहिए। हमें युद्ध की कला नहीं, क्रांति का विज्ञान सीखना है। इसके बाद कर्पूरी ने सोशलिस्ट पार्टी जॉइन कर ली।

कर्पूरी, समस्तीपुर के पितौंझिया के एक स्कूल से ही आजादी का आंदोलन चलाने लगे। एक रात 2 बजे अचानक पुलिस ने स्कूल को घेर लिया। कर्पूरी को उनके साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। एक साल की सजा हुई। इसके बाद जेल में उन्होंने कैदियों को संगठित किया। धरना प्रदर्शन शुरू हो गया। परेशान अंग्रेजों ने उन्हें भागलपुर जेल ट्रांसफर कर दिया। पर वे मानने वाले कहां थे। कर्पूरी ठाकुर ने भागलपुर में आमरण अनशन शुरू कर दिया। 29वें दिन जब वे मरणासन्न हुए, तो उनकी मांगे मानी गईं। 26 महीने बाद नवंबर 1945 में कर्पूरी की जेल यात्रा समाप्त हुई। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के सक्रिय सदस्य बने। नारा दिया- कमाने वाला खाएगा, लूटने वाला जाएगा, नया जमाना आएगा। गांव-गांव में यह नारा गूंजने लगा। आजादी के चंद महीने बाद कर्पूरी के नेतृत्व में किसानों की

संस्था 'हिंद किसान पंचायत' पूरे बिहार में प्रसिद्ध हो गई। 1952 में पहला आम चुनाव हुआ। लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी हुए।

समस्तीपुर के ताजपुर निर्वाचन क्षेत्र से कर्पूरी ठाकुर सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार बने। वे साइकिल और पैदल प्रचार करने लगे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को हराया। तब से 1988 तक वे लगातार बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे। कर्पूरी ठाकुर पर लिखी किताब 'महान कर्मयोगी जननायक कर्पूरी ठाकुर' में एक दिलचस्प किस्से का जिक्र है। किताब में उनके बेटे रामनाथ ठाकुर कहते हैं, 'विधायक बनने के बाद की बात है। एक प्रतिनिधिमंडल के साथ जननायक को ऑस्ट्रिया जाना था, लेकिन उनके पास कोट ही नहीं था। वे एक दोस्त से कोट मांगकर ऑस्ट्रिया गए। उसके बाद वहां से यूगोस्लाविया गए, तो मार्शल टीटो ने देखा कि उनका कोट फटा हुआ है।' कर्पूरी ठाकुर से जुड़ा एक और दिलचस्प किस्सा है वे जब पहली बार उपमुख्यमंत्री बने तो अपने बेटे रामनाथ को खत लिखा। इसका जिक्र उनके बेटे रामनाथ ने एक इंटरव्यू में करते हुए कहा कि खत में तीन बातें लिखी थीं- ''तुम इससे प्रभावित नहीं होना। कोई लोभ-लालच देगा, तो उस लोभ में मत आना। मेरी बदनामी होगी।'' सीएम बनने के बाद भी उन्होंने बेटे को यहीं खत लिखा था। पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह एक बार कर्पूरी ठाकुर के घर आए। उनके घर का दरवाजा इतना छोटा था कि चौधरी चरण सिंह को सिर में चोट लग गई। इस पर चरण सिंह ने कहा, 'कर्पूरी, इसको जरा ऊंचा करवाओ।' उधर से कर्पूरी का जवाब आया, 'जब तक बिहार के गरीबों का घर नहीं बन जाता, मेरा घर बन जाने से क्या होगा?'

एक बार मंच से कर्पूरी ठाकुर भाषण दे रहे थे। इस दौरान बोफोर्स घोटाले पर राजीव गांधी के कथित स्विस बैंक के खाते का जिक्र कर रहे थे। भाषण के दौरान ही उन्होंने धीरे से एक पर्ची पर लिखकर पूछा कि 'कमल' को अंग्रेजी में क्या कहते हैं।

लोकदल के तत्कालीन जिला महासचिव हलधर प्रसाद ने उस स्लिप पर 'लोटस' लिख कर कर्पूरी की ओर बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने कहा, 'राजीव मने कमल, और कमल को अंग्रेजी में लोटस बोलते हैं। इसी नाम से स्विस बैंक में खाता है राजीव गांधी का।'

1967 में पहली बार उपमुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म किया। इसके चलते उनकी आलोचना भी हुई। तब अंग्रेजी में फेल मैट्रिक पास लोगों का मजाक 'कर्पूरी डिवीजन से पास हुए हैं' कह कर उड़ाया जाता था। कर्पूरी ठाकुर के बहनोई एकबार उनके पास नौकरी की सिफारिश लेकर पहुंचे। उनकी बात सुनकर कर्पूरी गंभीर हो गए। उन्होंने 50 रुपए देते हुए कहा- जाइए, उस्तरा खरीद लीजिए और पुश्तैनी धंधा कीजिए। 1970 में कर्पूरी ठाकुर पहली बार मुख्यमंत्री बने। उनकी सरकार महज 163 दिन ही चली। 1977 में वे दोबारा मुख्यमंत्री बने तो एस-एसटी के अलावा ओबीसी के लिए आरक्षण लागू करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बना। 1978 में बतौर सीएम कर्पूरी ठाकुर ने बिहार में कई स्तरों पर लागू होने वाला आरक्षण लागू किया। इसमें कुल मिलाकर 26% आरक्षण दिया गया। इनमें 20% आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसीस के लिए था। वहीं महिलाओं और सवर्ण जातियों में शामिल आर्थिक रूप से पिछड़ों को 3-3% आरक्षण भी इस व्यवस्था में शामिल था।

खास बात यह कि आरक्षण की इस व्यवस्था का भारतीय जनसंघ ने भारी विरोध किया, जबकि जनसंघ उस समय की जनता पार्टी सरकार की मुख्य हिस्सेदार थी। जब लालू यादव ने कहा- कर्पूरी जी आरक्षण की बात करते थे, तो लोग उन्हें मां-बहन-बेटी की गाली देते थे 1990 की बात है। बिहार में खगड़िया जिले में लालू प्रसाद यादव भाषण दे रहे थे। इसमें उन्होंने कर्पूरी ठाकुर का जिक्र करते हुए कहा- 'जब कर्पूरी जी आरक्षण की बात करते थे, तो लोग उन्हें मां-बहन-बेटी की गाली देते थे। और, जब मैं रेजरबेसन (रिजर्वेशन) की बात करता हूं, तो लोग गाली देने के पहले अगल-बगल देख लेते हैं कि कहीं कोई पिछड़ा-दलित-आदिवासी सुन तो नहीं रहा है।'

कर्पूरी ठाकुर को लेकर बिहार में राजनीति गर्म है

12 जुलाई 2022 को बिहार विधानसभा भवन बनने के 100 साल पूरे होने के मौके पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग की थी। हाल के कुछ सालों में जनता दल (यूनाइटेड) ने बिहार में बड़े में पैमाने पर कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाने पर जोर दिया है। पटना से लेकर बिहार के समस्तीपुर में उनके गांव पितौझिया तक हुए कई कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हो चुके हैं।

कर्पूरी ठाकुर की जयंती समारोह मनाने को लेकर बिहारी बीजेपी और जदयू के बीच टकराव भी है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी का आरोप है कि पटना के मिलर हाईस्कूल का मैदान बीजेपी की रैली के लिए अलॉट था, लेकिन ऐन मौके उसे जदयू को दे दिया गया। अब जदयू इसी मैदान में 24 जनवरी को कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर बड़ा कार्यक्रम करने जा रही है।

चौधरी ने कहा कि अगर मैदान बीजेपी नहीं दिया गया, तो पार्टी अपने कार्यक्रम बीरचंद पटेल मार्ग पर आयोजित करेगी। वहीं, कर्पूरी ठाकुर का जन्मदिन जदयू और राजद के कार्यालयों के सामने मनाया जाएगा।

2023 में हुई जातीय जनगणना के अनुसार बिहार, अति पिछड़ा वर्ग यानी ईबीसीस 36.02% आबादी के साथ सबसे बड़ा समुदाय है। कर्पूरी भी ईबीसी वर्ग से थे। इसके बाद अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसीस की आबादी 27.13% और अनुसूचित जातियों यानी एससीस की 19.66% आबादी है।

लोकसभा चुनाव के लिहाज से बिहार में अति पिछड़ी जातियों की खास भूमिका है। सभी पार्टियां इन्हें लुभाने में जुटी हैं। ऐसे में सामाजिक न्याय के हीरो माने जाने वाले कर्पूरी ठाकुर का महत्व और ज्यादा बढ़ गया है।

मौत संदिग्ध, जांच की कई बार मांग हुई

कर्पूरी ठाकुर हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट के मरीज थे। ऐसे में उनके लिए नमक खाना जहर के समान था। इसके बावजूद उन्हें सांख्य योगक्रिया के तहत किसी अतुलानंद ने 16 फरवरी 1988 को पानी में सेंधा नमक मिलाकर 13 लीटर पानी पिलाया था। 17 फरवरी को अस्पताल में उनका निधन हो गया। अतुलानंद कौन था, इसका पता आज तक नहीं चला। इसकी जांच की मांग बार-बार होती रही है।

सोरेन सरकार गरीबों के लिए बनाएगी 20 लाख घर

सीएम बोले- केंद्र मुकरा तो हमने खुद बनाने का लिया फैसला

रांची, 24 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गरीबों के लिए 20 लाख घर बनाने का एलान किया है। खूंटी जिले के तोरपा में 'अबुआ आवास योजना' के लाभार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साल 2027 तक हम लगभग राज्य के गरीबों के लिए 20 लाख घर बनाकर तैयार करेंगे। सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने केंद्र से गरीबों के लिए आठ लाख घरों की मांग की थी। पहले तो केंद्र ने इसे स्वीकार किया लेकिन बाद में वह अपनी ही बात से मुकर गए।

'केंद्र के मुकरने के बाद हमने खुद बनाने का लिया फैसला'

अपने संबोधन में सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र के नकारने के बाद हमारी सरकार ने फैसला लिया कि हम अपने खजाने से गरीबों को घर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरू की है। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के तहत योजना के लिए आवेदन मांगे गए हैं। सीएम ने इस तरह की योजना को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में झारखंड राज्य के गठन के बाद अपनी तरह की राज्य में पहली पहल है।

2027 तक गरीबों के लिए बनाएंगे 20 लाख घर- सोरेन

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि हमें योजना के लिए 30 लाख से अधिक आवेदन मिले हैं। इसलिए सरकार ने 2027 तक 20 लाख लाभार्थियों को घर उपलब्ध कराने का फैसला किया है। कार्यक्रम के दौरान सीएम सोरेन ने खूंटी और सिमडेगा के आठ हजार से अधिक लाभार्थियों को आवास योजना के लिए स्वीकृति पत्र और पहली किस्त भी जारी की है।

पीएमएवाई योजना से बेहतर हमारी योजना- सोरेन

सीएम सोरेन ने दावा किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए केंद्र 1.20 लाख रुपये देता था। हमने तीन कमरों के घर के निर्माण के लिए दो लाख रुपये देने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी योजना पीएमएवाई योजना से बेहतर होगी।

मां ने नवजात को चूहों के बिल में डाला

बस्तर में रोने की आवाज आई तो लोगों ने निकाला, प्रेमी ने अपनाने से किया इनकार

जगदलपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के एक गांव में नवजात बच्ची को उसकी मां ने चूहे के बिल में डाल दिया। रोने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बच्ची को बाहर निकाला। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बच्ची की हालत अभी ठीक है। मामला कोड़ेनार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक तोकापाल गांव की रहने वाली एक युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती गर्भवती थी। 22 जनवरी की आधी रात उसने बच्ची को जन्म दिया। जिसके बाद उसने इसकी जानकारी प्रेमी को दी। युवक ने प्रेमिका और बच्ची को अपनाने से मना कर दिया।

अगले दिन 23 जनवरी को युवती ने नवजात को मारने का प्लान बनाया और गांव में ही नीलगिरी के पेड़ के पास चूहों के बिल में बच्ची को पाट दिया। जिस समय नवजात को पाटा गया, उसके कुछ देर बाद ही गांव के सरपंच पति ने पहले रोने की आवाज सुनकर वहां जाकर देखा था। फिर लोगों की मदद से बच्ची को बिल से सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक मूसा चूहा काफी बड़े साइज के होते हैं और संयुक्त रूप से बिल बनाकर रहते हैं। ये जंगल या पेड़ों के आस-पास बिल बनाते हैं। इन्हीं के बिल में मासूम को डाला गया था। मामले की जानकारी पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। मौके पर पहुंची 108 संजीवनी एक्सप्रेस से बच्ची को फौरन गांव के अस्पताल लाया गया। फिर उसे बेहतर इलाज के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों की मानें तो बच्ची की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सेक्शन कमांडर और आरपीसी सीएनएम सदस्य ने किया सरेंडर

दोनों कई घटनाओं में थे शामिल

बीजापुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बीते दिनों बीजापुर पुलिस के प्रयासों से भैरमगढ़ एरिया प्लाटून सेक्शन कमांडर और आरपीसी सीएनएम सदस्य ने सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति से प्रभावित होते हुए नक्सल पंथ से तौबा कर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उक्त दोनों नक्सली कई महत्वपूर्ण घटनाओं में शामिल थे।

रोनी पदम की क्राइम कुंडली

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को भैरमगढ़ एरिया कमेटी के प्लाटून नंबर 13 बी सेक्शन कमांडर रोनी पदम उर्फ जैनी पति अनिल पदम उर्फ छोटू उम्र 32 निवासी पुनेम पारा पालनार थाना गंगालूर - पालनार आरपीसी सीएनएम सदस्य अनिल पदम पिता कोवा उम्र 24 निवासी पालनार पटेलपारा थाना गंगालूर ने बीजापुर पुलिस अधीक्षक आंजनेय वाष्णेय व पुलिस के आला अफसरों के समक्ष राज्य सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, रोनी पदम को वर्ष 2004 में बाल संगम सदस्य के रूप में भर्ती किया गया। वर्ष 2005 में सीएनएम सदस्य के रूप में कार्य किया। वर्ष 2006 में पालनार जीआरडी सदस्य के रूप में कार्य किया। वर्ष 2007 में उसूर एलओएस पीएलजीएस सदस्य के रूप में काम किया। वर्ष 2010 से 2014 तक सीआरबी दलम के प्लाटून नंबर 22 में पीपीएम के पद व प्लाटून नम्बर 22 बी सेक्शन के कमांडर के रूप में काम किया। रोनी वर्ष 2009 में नीलमडगू पुलिस नक्सली मुठभेड़ की घटना में शामिल थी।

वहीं वर्ष 2013 में कोकरा के मुठभेड़ की घटना और वर्ष 2015 में बेचापाल मुठभेड़ की घटना में शामिल रही। दूसरी तरफ अनिल पदम वर्ष 2007 से 2010 तक ग्राम पालनार का बाल संगम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती किया गया। वर्ष 2011 में बाल संगम सदस्य के पद से पालनार आरपीसी सीएनएम सदस्य के पद पर पदोन्नत किया गया।

वर्ष 2023 तक पालनार आरपीसी सीएनएम सदस्य के पद पर पालनार आरपीसी भूमकाल मिलिशिया सदस्यों के साथ संत्री ड्यूटी करता था। अनिल पदम वर्ष 2020 में पुलिस पार्टी को नुकसान पहुचाने गंगालूर मार्ग में प्रेशर आईईडी लगाने और ब्लास्ट की घटना में शामिल रहा। वर्ष 2020 गंगालूर से चेरपाल जाने वाली सड़क पर गड्ढा खोदकर मार्ग अवरुद्ध करने की घटना में शामिल था। उक्त नक्सली दंपति को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने पर इन्हें उत्साहवर्धन के लिए शासन की आत्मसमर्पण व पुर्नवास नीति के तहत 25 -25 हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि दी गई है।

महेंद्र छाबड़ा बने रहेंगे छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

सरकार बनते ही भाजपा ने चेयरमैन की नियुक्ति आदेश किया था निरस्त, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन महेन्द्र छाबड़ा अपने पद पर बने रहेंगे। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के बाद राज्य शासन के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें उन्हें पद से हटाने का आदेश जारी किया था। हाईकोर्ट ने राज्य शासन को अपने पूर्व के आदेश और नियमों का गंभीरता के साथ पालन करने के लिए भी कहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन के पद पर पदस्थ महेन्द्र छाबड़ा ने अधिवक्ता संदीप दुबे और मानस वाजपेयी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने शासन के पद से हटाने के आदेश को चुनौती दी थी।

याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता को पूर्ववर्ती राज्य सरकार ने नियम के अनुसार तीन साल के लिए नियुक्ति आदेश जारी किया था। जिसके आधार पर याचिकाकर्ता महेन्द्र छाबड़ा चेयरमैन के पद पर वैधानिक रूप से काम कर रहे थे। लेकिन, राज्य में सत्ता परिवर्तन होते ही आवास एवं पर्यावरण विभाग ने 15 दिसंबर को पत्र लिखकर राजनीतिक नियुक्तियों को समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही सभी राजनीतिक नियुक्तियों को निरस्त करने का आदेश जारी किया गया है। इसी एक आदेश के तहत राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सहित आयोग और मंडल के सभी अध्यक्षों को हटा दिया गया है, जिसे अलग-अलग याचिका दायर कर चुनौती देने का सिलसिला चल रहा है।

सबसे पहले महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने याचिका दायर कर पद से हटाने के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें हाईकोर्ट ने राहत दी है।

पूर्व में मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य शासन के फैसले पर रोक लगा दी है। केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नाराजगी भी जताई थी और कहा था कि कानून में तीन वर्ष का कार्यकाल निर्धारित है।

इसके साथ ही शासन के आदेश में भी समय सीमा निर्धारित है, उसे राजनीतिक नियुक्ति की आड़ में आयोग और संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को हटाया नहीं जा सकता। कानून के तहत की गई नियुक्ति को उसी प्रक्रिया के तहत ही हटाया जाना चाहिए।

एम्स के 700 ठेका कर्मचारी हड़ताल पर

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर एम्स में आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल का आज दूसरा दिन है। हड़ताल की वजह से स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही हैं। पहले दिन आउटसोर्स कर्मचारी अस्पताल के गेट नंबर 4 पर एक साथ हड़ताल पर बैठ गए। मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नौकरी से हटाए जाने को लेकर 700 कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।

ये सारे ठेका कर्मचारी रायपुर एम्स प्रबंधन पर रेगुलर स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के खिलाफ हैं। इसके साथ ही उनका कहना है कि, उन्हें बिना कारण हटाने की तैयारी की जा रही है।

इसलिए हड़ताल पर कर्मचारी

कर्मचारियों का कहना है कि इन्हें हटाकर एम्स प्रबंधन भर्ती प्रक्रिया शुरू कर रेगुलर स्टाफ की भर्ती करने वाली है। इसके कारण लगभग 700 ठेका कर्मचारियों की नौकरी खतरे में है। हम बेरोजगार हो जाएंगे तो परिवार की रोजी-रोटी भी प्रभावित होगी। कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल एम्स के डायरेक्टर से मुलाकात करने भी गया था लेकिन एम्स के डायरेक्टर ने कर्मचारियों से मुलाकात करना भी मुनासिब नहीं समझा।

कर्मचारियों का कहना है कि कोविड काल के दौरान अपने घर परिवार को छोड़कर एम्स हॉस्पिटल में अपनी सेवाएं दी हैं। बावजूद इसके एम्स प्रबंधन हमें नौकरी से निकालने के लिए तैयार है। ठेका आउटसोर्स के माध्यम से काम करने वाले कर्मचारी रायपुर एम्स हॉस्पिटल में कई पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

हॉस्पिटल में सेवाएं हो रही प्रभावित

ठेका आउटसोर्स के माध्यम से काम करने वाले कर्मचारी एम्स हॉस्पिटल में पिछले 10-12 सालों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। एम्स हॉस्पिटल में एलडीसी, डाटा एंट्री ऑपरेटर, स्टोर कीपर, वायरमैन, इलेक्ट्रिकल, लैब टेक्नीशियन, लिफ्टमैन, फार्मासिस्ट, ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन जैसे तमाम विभागों में ठेका कर्मचारी काम कर रहे हैं।

रेगुलर स्टाफ की भर्ती होने से इनको अपने काम से निकाले जाने का डर भी सताने लगा है। जिसके कारण मंगलवार को एम्स हॉस्पिटल के गेट नंबर 4 पर इन कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया और काम बंद कर प्रदर्शन करने लगे। जिससे एम्स में कई तरह की सेवाएं भी प्रभावित हो रही है।

जिसे मरा समझा 15 साल बाद वो जिंदा मिला

जमशेदपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। 15 साल पहले जिसे मरा समझकर परिवार वालों ने अंतिम संस्कार कर दिया, वह जिंदा लौट आया। जिस वक्त वह परिवार से दूर हुआ, उसका एक महीने का बेटा था। आज बेटा 15 साल का हो गया है। जून 2023 में सुबोध गौड़ और महेश गौड़ को जमशेदपुर के मानगो से सटे टाटा-रांची एनएच 33 पर एक व्यक्ति बारिश में भीगता मिला। इन्हें दया आ गई, व्यक्ति को देखकर वह उसके पास गए तो पता चला कि इसके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं है। वह हाइवे पर बने पुल में ही रहता था। पहनने के लिए कपड़े नहीं है, दिन भर भटक कर खाना तलाश करता है और खाता है। उसकी दिमागी हालत भी ठीक नहीं है, दोनों ने मिलकर उसके रहने की व्यवस्था कर दी। उसके कुछ दिनों बाद वह कहां का रहने वाला है, उसका नाम क्या है ? पता करना शुरू किया। उसे कुछ याद नहीं था उसका घर, परिवार पता करने में काफी वक्त चला गया। बृजलाल से उसके घर का पता पूछा जाने लगा, लेकिन वह ठीक से अपना पता नहीं बता पा रहा था। बृजलाल ने बताया गांव का नाम सोनटोला और पास के जगह का नाम पाथरी है। उसे कुछ और ठीक से याद नहीं था। आदिवासी संगठन से जुड़े दीपक रंजीत ने एक महीने बाद बृजलाल से फिर मुलाकात की। उससे उसका घर, परिवार और पता फिर पूछा। बृजलाल इस बार भी अपना पूरा पता नहीं बता पा रहा था।

नवाज की रैली में टाइगर लेकर पहुंचा समर्थक

पूर्व पीएम की पार्टी का चुनाव चिह्न भी लॉयन, नवाज बोले- इसे फौरन वापस भेजो

लाहौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की रैली में एक समर्थक असली टाइगर लेकर पहुंच गया। 'समा न्यूज' के मुताबिक- घटना सोमवार 22 जनवरी की है। दरअसल, शेर पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज (पीएमएल-एन) का इलेक्शन सिम्बल भी है।

'जियो न्यूज' के मुताबिक- जैसे ही नवाज को रैली में समर्थक के टाइगर लाने की जानकारी मिली, उन्होंने फौरन इसे वापस भेजने को कहा। बाद में पार्टी प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मरियम नवाज ने उर्दू में सोशल मीडिया पोस्ट किया। कहा- समर्थक इस तरह की हरकतें न करें।

पहले माजरा जान लीजिए

नवाज शरीफ लाहौर की एनए-130 सीट से जनरल इलेक्शन लड़ रहे हैं। एनए-130 के मायने हैं, नेशनल असेंबली सीट नंबर 130। बहरहाल, नवाज कैम्पेन रैली के लिए सोमवार शाम लाहौर पहुंचे। रैली में लाया गया टाइगर लोहे के पिंजरे में कैद था। लेकिन, इसको देखने के लिए भीड़ जुटने लगी।

खबर लगते ही नवाज ने फौरन पार्टी के आला ओहदेदारों को इसे वापस भेजने को कहा। इसके बाद जो शख्स इसे लेकर आया था, वह इसे वापस भी ले गया। पार्टी प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा- नवाज पहले ही कह चुके हैं कि कोई असली टाइगर या कोई दूसरा जानवर लेकर रैली में नहीं आएगा। हमें अपने नेता की बात माननी चाहिए। उन्होंने इस घटना पर नाराजगी जताई है।

शेर आया-शेर आया...और आ गया टाइगर

नवाज की पार्टी पीएमएल-एन का इलेक्शन सिम्बल शेर ही है। नवाज शरीफ जब भी किसी रैली में जाते हैं तो अकसर उनके समर्थक 'देखो...देखो कौन आया...शेर आया-शेर आया' के नारे लगाते हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब नवाज की रैली में कोई समर्थक असली टाइगर या शेर लेकर आया हो। 2016 और इसके बाद 2018 में भी इस तरह का वाकया पेश आ चुका है।

पांच महीने पहले सड़क पर घूम रहा था शेर

अगस्त 2023 में पाकिस्तानी की पोर्ट सिटी (बंदरगाह वाला शहर) कराची के लोग उस वक्त दहशत में आ गए थे, जब यहां के एक बिजी मार्केट की सड़कों पर शेर खुलेआम टहलता नजर आया था। तब कराची के एसएसपी शेराज नाजिर ने 'डॉन न्यूज' से कहा था- अब तक यही मालूम हुआ कि इस शेर को चार लोग पिकअप वैन से ले जा रहे थे। यह कूदकर भाग गया और पहले एक ट्रक के नीचे छिप गया। हमने वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन टीम की मदद ली। इसके मालिकों का कहना है कि शेर बीमार था और वह इसे इलाज के लिए ले जा रहे थे।

कराची के लोकल मीडिया नेटवर्क 'टाइम्स ऑफ कराची' की रिपोर्ट के मुताबिक- एक बड़ी गाड़ी में कुछ लोग आए और चुपचाप इस शेर को यहां छोड़कर भाग गए। दूसरी तरफ, कुछ लोगों का यह भी दावा है कि यह शेर पालतू है और इसके मालिक इसे किसी दूसरी जगह शिफ्ट करना चाहते थे, इससे पहले ही यह गाड़ी से उतरकर भाग गया।

करीब एक घंटे तक अफरातफरी मची रही और लोग दहशत में भागते नजर आए। कुछ देर बाद वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन टीम और पुलिस ने मोर्चा संभाला। शेर को एक बेसमेंट में घेरा गया। इसके बाद उसे कथित तौर पर शॉटगन से नींद का इंजेक्शन देकर काबू किया गया। बाद में पिंजरे में कैद कर लिया गया।

सरकारी नियम

कराची सिंध प्रांत की राजधानी है। तीन साल पहले यहां नया वाइल्फ लाइफ कानून लागू किया गया था। यहां लोगों को जंगली जानवर रखने की मंजूरी दी जाती है, हालांकि इसके लिए शर्तें अब बेहद सख्त कर दी गई हैं। लेकिन, करप्शन के चलते लोग इनका पालन नहीं करते। शेर भी पाला जा सकता है, लेकिन इसके लिए 39 शर्तें पूरी करनी होती हैं।

श्रमिकों को ले जा रहा विमान टेक-ऑफ के बाद दुर्घटनाग्रस्त, छह की मौत

बढ़ सकती है हताहतों की संख्या

ओटावा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तरी कनाडा में मजदूरों को खदान में ले जा रहा एक छोटा यात्री विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, इस हादसे में एक व्यक्ति की जान बच गई है। हालांकि, व्यक्ति की हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सेना और संघीय पुलिस मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने मलबा बरामद किया। ट्रेंटन, ओंटारियो में संयुक्त बचाव समन्वय केंद्र ने कहा कि सुबह के 8:50 बजे उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान से संपर्क टूट गया था। शहर के एक अस्पताल ने बताया कि उन्होंने अपने सामूहिक प्रोटोकॉल को सक्रिय कर दिया है। जबकि, आर्कटिक क्षेत्र के प्रमुख कोरोनर गार्थ एगरबर्गर ने कहा कि मृतकों की गिनती जारी है। उन्होंने इसके अलावा कोई अन्य जानकारी नहीं दी है। जेटस्ट्रीम ट्विन टर्बोप्रॉप एयरलाइनर का संचालन करने वाली नॉर्थवेस्टर्न एयर ने बताया कि यह एक चार्टर विमान था, जो श्रमिकों को खदान तक ले जा रहा था।

म्यांमार की सेना ने तीन ब्रिगेडियर जनरलों को सुनाई मौत की सजा

विद्रोहियों के सामने कर दिया था आत्मसमर्पण

नाएप्यीडॉ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। म्यांमार की सेना ने अपने तीन ब्रिगेडियर जनरलों को मौत की सजा सुनाई है। यह तीनों ब्रिगेडियर जनरल वह हैं, जिन्होंने उत्तरी शान के लौकई में ब्रदरहुड अलायंस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अन्य तीन ब्रिगेडियर जनरलों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। 4 जनवरी को जुंटा के 200 से ज्यादा अधिकारियों समेत लगभग 2,400 सैनिकों ने चीन सीमा पर कोकांग में म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी (एमएनडीएए) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

एमएनडीएए ने सैनिकों और उनके 1600 रिश्तेदारों को वापस सेना के पास भेज दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक लॉककाई मुख्यालय प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल मो क्याव थू, कोकांग स्व-प्रशासित क्षेत्र के कार्यवाहक प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल तुन तुन म्यिंट और डिवीजन 55 के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल जॉ मायो विन को मौत की सजा सुनाई गई है। कथित तौर पर तीनों को यांगून की जेल में रखा गया है। ब्रिगेडियर जनरल ए मिन ऊ, ब्रिगेडियर जनरल थाव जिन ऊ और ब्रिगेडियर जनरल आंग जॉ लिन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सभी छह जनरलों पर सेना के कानून के तहत शर्मनाक तरीके से अपनी पोस्ट छोड़ने का आरोप लगा था। द इरावदी की रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व सेना कप्तान काउंग थू विन ने बताया कि सेना उन सैनिकों को मौत की सजा देती थी, जो अपना पद छोड़ देते थे। जुंटा बॉस मिन आंग ह्लाइंग के पास सरेंडर करने वाले जनरलों को लेकर धैर्य नहीं है। काउंग थू विन ने आगे कहा कि कठोर दंड देने का उद्देश्य दूसरे कमांडरों में आत्मसमर्पण न करने का डर पैदा करना है। लौक्काई की हार के बाद मिन आंग ह्लाइंग पर उनके समर्थक इस्तीफे का दबाव बना सकते हैं। क्योंकि 2021 में तख्तापलट के बाद लौक्काई सबसे बड़ी हार है।

ब्रदरहुड अलायंस में अराकान आर्मी और ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी शामिल है। पिछले साल इन्होंने 27 अक्टूबर को उत्तरी शान प्रांत में ऑपरेशन 1027 की शुरुआत की थी।

जबरन मजदूरी कराने से जुड़े मामले में भारतीय-अमेरिकी जोड़ा दोषी

20 साल की जेल की सजा

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के वर्जीनिया में शख्स से अपनी दुकानों पर जबरन मजदूरी कराने से जुड़े मामले में एक भारतीय-अमेरिकी जोड़े को दोषी पाया गया है। वर्जीनिया में संघीय अदालत में चले इस मामले में हरमनप्रीत सिंह (30) और कुलबीर कौर (43) पर अपने ही एक दूर के भाई से गैस स्टेशन और किराने की दुकान में जबरन काम करने का मामला चल रहा था। इसमें पाया गया कि इस जोड़े ने न सिर्फ शख्स कैशियर के तौर पर काम कराया, बल्कि उससे खाना बनवाने, साफ-सफाई कराने और दुकानों में बिक्री का लेखा-जोखा भी रखवाते थे। मामले में दोषी पाए जाने के बाद अब इस जोड़े को 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा रिहाई के पांच साल बाद भी उन पर निगरानी रखी जाएगी। इस जोड़े पर 2,50,000 डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक वकील जनरल क्रिस्टेन क्लार्क ने कहा कि इस जोड़े ने अमेरिका में युवक को स्कूल भेजने का झूठा वादा किया। लेकिन उसे स्कूल न जाने देकर पीड़ित का भरोसा तोड़ा। इसके अलावा उससे शारीरिक, मानसिक तौर पर दुर्व्यवहार का शिकार भी बनाया गया। वह भी इसलिए ताकि यह जोड़ा युवक से हर तरह का फायदा उठा सके।

हरमनप्रीत और कुलबीर को पीड़ित के आव्रजन से जुड़े दस्तावेजों को जब्त करने और उसे समय समय चोट पहुंचाने का भी दोषी पाया गया। बताया गया है कि इस जोड़े ने उसके रहन-सहन की स्थिति को और बिगाड़ दिया था और उससे कम तनख्वाह में कई-कई घंटे काम कराया गया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि जबरन मजदूरी और मानव तस्करी घिनौने अपराध हैं, जिनकी समाज में कोई जगह नहीं है।

तुर्किये की संसद ने स्वीडन की नाटो सदस्यता को दी मंजूरी

अंकारा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तुर्किये की संसद ने मंगलवार को स्वीडन को नाटो में शामिल किए जाने संबंध में लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। इससे स्वीडन के दुनिया के शक्तिशाली सैन्य गठबंधन में शामिल होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किये की संसद में 346 सदस्यों में से 287 ने स्वीडन को नाटो में शामिल करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि 55 सांसदों ने इसका विरोध किया। दक्षिणपूर्वी चीन में बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद मरने वालों की संख्या 25 तक पहुंच गई है, बचाव दल जीवित बचे लोगों का पता लगाने के प्रयास जारी रखे हुए हैं। मंगलवार तक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 19 लोग लापता हैं।

न्यू हैम्पशायर के चुनाव में ट्रम्प ने हेली को हराया

रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की रेस में आगे, डेमोक्रेटिक पार्टी से बाइडेन जीते

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी में उम्मीदवारी के लिए इलेक्शन चल रहे हैं। इस दौरान बुधवार सुबह (भारतीय समयानुसार) न्यू हैम्पशायर राज्य के चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जीत दर्ज की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वोट की गिनती पूरी होने से पहले ही उन्हें 55.4% वोट मिल चुके हैं, जबकि भारतीय मूल की निक्की हेली को 42% वोट हासिल हुए। दूसरी तरफ डेमोक्रेटिक पार्टी से न्यू हैम्पशायर में जो बाइडेन जीत चुके हैं। उन्हें 66.8% वोट मिले। वहीं दूसरे नंबर पर रहे डीन फिलिप्स को सिर्फ 20% ही वोट मिले हैं।

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसके पहले दोनों पार्टियां, यानी रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, इस इलेक्शन के लिए अपने-अपने उम्मीदवार फाइनल करने में जुटी हैं।

निक्की हेली बोली- चुनाव से पीछे नहीं हटूंगी

इससे पहले आयोवा राज्य में हुए चुनावों में भी ट्रम्प ने जीत हासिल की थी। इसके बाद विवेक रामास्वामी और रॉन डी-सेंटिस ने चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, न्यू हैम्पशायर में हारने के बावजूद निक्की हेली फिलहाल ऐसा कुछ नहीं करने वाली हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, नतीजे घोषित होने के बाद हेली ने कहा- ट्रम्प ने अपनी मेहनत से जीत हासिल की है। हेली ने आगे कहा- यह एक राज्य है, आखिरी नहीं। ये रेस अभी खत्म नहीं हुई है। अमेरिका में दर्जनों राज्यों में चुनाव बचे हैं। अगला राज्य मेरा पसंदीदा साउथ कैरोलीना है। मैं 24 फरवरी को यहां पूरी ताकत लगा दूंगी। मैं ट्रम्प को उम्मीदवारी और बाइडेन को राष्ट्रपति चुनाव में जरूर हराउंगी।

न्यू हैम्पशायर में पार्टी चुनाव न लड़ने के बावजूद जीते बाइडेन

न्यू हैम्पशायर में डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनावों में राष्ट्रपति बाइडेन का नाम न होने के बावजूद उन्होंने भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज की है। दरअसल, पार्टी चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद बाइडेन ने न्यू हैम्पशायर में देरी से चुनाव कराने की अपील की थी। हालांकि, पार्टी ने ऐसा करने से मना कर दिया।

चांद पर जापान ने कर दिखाया अनोखा कारनामा

अमेरिका और चंद्रयान भी नहीं कर पाए ये काम

टोक्यो, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जापान शनिवार को चांद पर उतरने वाला पांचवां देश बन गया है। इसने चांद पर स्पेसक्राफ्ट की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर इतिहास रच दिया है। लेकिन जापान ने अपनी इस लैंडिंग से अब तक के सभी स्पेसक्राफ्ट को पीछे छोड़ दिया है। जापान ने सटीक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। यह पहले के किसी भी मिशन की तुलना में अपने टार्गेट लैंडिंग साइट के बेहद करीब है। हालांकि यह मिशन सिर्फ 50 फीसदी ही कामयाब है, क्योंकि इसके सोलर पैनल पर सूर्य का प्रकाश नहीं पड़ रहा। इस कारण यह बिजली बनाने में सक्षम नहीं। टेलीमेट्री डेटा से पता चला है कि चंद्रमा की जांच के लिए जापान का लैंडर एसएलआईएम शनिवार की सुबह चंद्रमा की भूमध्य रेखा के दक्षिण में शियोली क्रेटर के पास अपने टार्गेट लैंडिंग साइट पर उतर गया। जापान के दक्षिणी तट पर तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरने के चार महीने बाद यह चांद पर उतरा। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के उपाध्यक्ष हितोशी कुनिनका ने कहा, 'एसएलआईएम ने इसे चंद्रमा की सतह पर पहुंचा दिया है। यह हमारे ग्राउंड स्टेशन के साथ संचार कर रहा है और पृथ्वी से मिलने वाले निर्देशों को मान रहा है।' कुनिनाका ने कहा, 'हालांकि ऐसा लगता है कि सौर सेल अभी बिजली पैदा नहीं कर रह और अंतरिक्ष यान पूरी तरह अपनी बैटरी पर काम कर रहा है। बैटरी कई घंटों तक चलेगी।' उन्होंने आगे कहा कि एजेंसी लैंडर की निगरानी जारी रखेगी, क्योंकि इस बात की संभावना है कि पैनल एक बार फिर से काम करना शुरू कर दें।

अमेरिकी सेना की महिला कमांडर बर्खास्त

जूनियर रैंक के पुरुष अफसरों के यौन शोषण की दोषी पाई गईं कोर्ट मार्शल मुमकिन

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना की एक महिला कमांडर कर्नल मेगन सुलिवन को बर्खास्त कर दिया गया है। उन्हें जूनियर पुरुष अफसरों के यौन शोषण का दोषी पाया गया था। कुछ महीने से मेगन के खिलाफ जांच चल रही थी। फौज से जुड़े मामलों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'मिलिट्री डॉट कॉम' ने इस बारे में रिपोर्ट पब्लिश की है। अमेरिकी सेना के प्रवक्ता ने मेगन सुलिवन को बर्खास्त किए जाने की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक- मेगन का कोर्ट मार्शल किया जाएगा या नहीं, इस पर तस्वीर साफ नहीं है। नियमों के हिसाब से उनका कोर्ट मार्शल किया जा सकता है।

हालांकि, सेना इस बारे में अब तक कुछ नहीं कह रही है। हो सकता है मेगन को किसी और बेस पर मिलिट्री ट्रेनिंग से अलग कोई काम दिया जाए। इस बारे में कुछ दिन बाद फैसला हो सकता है।

76 लोगों की जान लेने वाला साउथ अफ्रीकी आरोपी गिरफ्तार

बोला- हत्या के बाद शव जला रहा था 5 मंजिला इमारत ने आग पकड़ ली

केप टाउन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तारीख- 31 अगस्त 2023, जगह- साउथ अफ्रीका का जोहानसबर्ग शहर। देर रात एक 5 मंजिला इमारत में आग लग जाती है। बिल्डिंग में रहने वाले 12 बच्चों समेत 76 लोगों की मौत हो जाती है। 80 लोग घायल होते हैं। आग लगने की वजह सामने नहीं आती है। पुलिस जांच शुरू करती है। हादसे के 4 महीने बाद 24 जनवरी 2024 को मामला सुलझता है। पुलिस ने साउथ अफ्रीका के सबसे खतरनाक हादसों में एक कहे जाने इस मामले में भारतीय समय के मुताबिक बुधवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कबूला है कि इमारत में आग उसकी वजह से लगी। उस पर 76 लोगों की जान लेने के लिए मर्डर चार्ज लगाए गए हैं। जल्द उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। कोर्ट उसे सजा सुनाएगी। उसने कहा- मैं बिल्डिंग में रहता था। मुझे ड्रग्स की लत थी। मैं अकसर ड्रग्स लेता था। इस दौरान एक ड्रग डीलर से मेरी दोस्ती हुई। उसके कहने पर 31 अगस्त 2023 को मैंने अपने घर में एक शख्स की हत्या की थी। उसका गला दबा दिया था।

जब वो मर गया तो उसके शव को ठिकाने लगाने के बारे में सोच रहा था। दिमाग में आया की शव को जला देते हैं। इसलिए शव को बेसमेंट में लेकर गया। शव पर पेट्रोल डाला और उसमें आग लगा दी। मैं वहां से चला गया। मैं जानता था कि बिल्डिंग में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं है फिर भी बेसमेंट में शव को जलाया। इस कारण पूरी इमारत में आग फैल गई।

बिल्डिंग के इमरजेंसी एग्जिट बंद थे

पुलिस ने कहा- हादसे के फौरन बाद हमने जांच शुरू कर दी थी। जली हुई इमारत में छानबीन के दौरान हमें पता चला था कि बिल्डिंग के इमरजेंसी एग्जिट खराब थे। इमरजेंसी के दौरान होने वाले दरवाजों और खिड़कियों पर ताले लगे थे। लोग इसे खुले नहीं सके इसलिए इमारत के अंदर ही जलकर उनकी मौत हो गई। जोहानसबर्ग की जिस इमारत में आग लगी उसमें ज्यादातर बेघर और गरीब लोग रह रहे थे।

साउथ अफ्रीकी मीडिया के मुताबिक यहां कई इमारतों पर लोकल दबंगों का कब्जा है। वो इन्हें किराए पर गरीब या दूसरे देशों से भागकर आए अवैध प्रवासियों को रहने के लिए दे देते हैं। आरोपी ने बताया कि इस इमारत में रह रहे लोग कई तरह की क्रिमिनल एक्टिविटीज में लिप्त थे और ड्रग्स डीलिंग करते थे।

इस्लामिक संगठन ओआईसी ने राम मंदिर की निंदा की

कहा- हमारे धार्मिक स्थल को मिटाया गया, पाक ने कहा था- यह भारतीय लोकतंत्र पर कलंक

इस्लामाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बाद अब इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) ने भी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की निंदा की है। मंगलवार को एक प्रेस रिलीज में ओआईसी ने कहा- भारत के अयोध्या राज्य में जिस जगह पर पहले बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी, वहीं राम मंदिर बनाना और फिर प्राण प्रतिष्ठा होना चिंता का विषय है। ओआईसी ने आगे कहा- हमने पिछले सेशन में विदेश मंत्रियों की काउंसिल की बैठक में भी अपना रुख साफ किया था। हम ऐसे कदमों की निंदा करते हैं, जिनका लक्ष्य बाबरी मस्जिद जैसे अहम इस्लामिक स्थलों को मिटाना है। बाबरी मस्जिद वहां 5 सदियों तक रही थी। इससे पहले पाकिस्तान ने भी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के विरोध में प्रेस रिलीज जारी किया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ध्वस्त मस्जिद की जगह पर बना मंदिर आने वाले समय में भारतीय लोकतंत्र के माथे पर कलंक की तरह रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रेस रिलीज में लिखा था कि भारत में बढ़ती 'हिंदुत्व' विचारधारा धार्मिक सद्भाव और क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा करके भारत मुस्लिमों को दरकिनार करने की कोशिश कर रहा है।सदियों पुरानी बाबरी मस्जिद को 6 दिसंबर 1992 को चरमपंथियों की भीड़ ने तोड़ दिया था। अफसोस की बात है कि भारत की सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ इसके लिए जिम्मेदार अपराधियों को बरी कर दिया, बल्कि ध्वस्त मस्जिद की जगह पर एक मंदिर के निर्माण की भी इजाजत दे दी। यह भारतीय मुसलमानों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेलने के लिए चल रही कोशिशों में से एक है।

ओआईसी इस्लामिक या मुस्लिम बहुल देशों का संगठन है। इसमें कुल 57 देश सदस्य हैं। ओआईसी में सऊदी अरब का दबदबा है। हालांकि सऊदी अरब दुनिया के उन टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है, जहाँ मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है। हालांकि इस्लाम के लिहाज से मक्का और मदीना के कारण सऊदी अरब काफी अहम इस्लामिक देश माना जाता है। ओआईसी के गठन के वक्त इसका मकसद फिलिस्तीन की मदद करना और उसे इजराइल के साए से मुक्त कराना था। कश्मीर मुद्दे पर भी ओआईसी ने ज्यादातर पाकिस्तान का ही साथ दिया है। संगठन ने हमेशा यही कहा है कि यूएन के 1948-49 के प्रस्ताव के हिसाब से कश्मीरियों को अपने लिए खुद फैसला करने का अधिकार मिलना चाहिए। इस्लामिक देशों के अलावा 2005 में रूस को ऑब्जर्वर के तौर पर संगठन में शामिल किया गया था। इसके अलावा 1998 में बौद्ध देश होने के बावजूद थाइलैंड को 1998 में सुपरवाइजर के तौर पर ओआईसी में शामिल किया गया था।

डूमस्डे घड़ी तबाही के समय से सिर्फ 90 सेकेंड दूर

इसमें 12 बजने का मतलब प्रलय, वैज्ञानिक बोले- जंग, परमाणु हथियार की होड़ इसकी वजह

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया में बढ़ते तनाव और 2 जंगों के बीच अटॉमिक साइंटिस्ट्स ने डूमस्डे क्लॉक (विनाश की घड़ी) को रात के 12 बजने से सिर्फ 90 सेकेंड पहले सेट किया है। इस घड़ी में 12 बजने का मतलब है कि दुनिया में तबाही का समय आ गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, मंगलवार को घड़ी का समय बदलने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा- पिछले 2 सालों से रूस-यूक्रेन के बीच जंग जारी है। इजराइल और हमास के युद्ध को भी साढ़े तीन महीने बीत चुके हैं। ऐसे में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा बढ़ रहा है। इसके अलावा क्लाइमेट चेंज पहले से दुनिया को तबाही की तरफ धकेल रहा है। अटॉमिक साइंटिस्ट्स के बुलेटिन में बताया गया कि एआई और बायोलॉजिकल रिसर्च जैसी खतरनाक तकनीकों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। लेकिन इनके खतरों से निपटने की तैयारी पूरी नहीं हुई है। बुलेटिन की अध्यक्ष रेचल ब्रॉनसन ने कहा- चीन, रूस और अमेरिका जैसे 3 बड़े देश अपनी परमाणु ताकत बढ़ाने पर काफी ज्यादा पैसे खर्च कर रहे हैं। इससे परमाणु जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है।

रेचल ने आगे कहा- फरवरी 2023 में रूस ने अमेरिका के साथ न्यू स्टार्ट ट्रीटी को रद्द कर दिया था। इस समझौते का मकसद दोनों देशों में परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करना था। सिर्फ रूस और अमेरिका के पास ही दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। इसके अलावा मार्च 2023 में रूस ने अपने टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों को बेलारूस में तैनात भी करवाया था। रूस के कई मंत्री और अधिकारी लगातार यूक्रेन पर परमाणु हमले की धमकी देते रहते हैं। रेचल ने बताया कि अक्टूबर 2023 में रूस ने न्यूक्लियर वेपेन की टेस्टिंग को बैन करने वाले कानून को भी हटा दिया था।

विधानसभा में वसुंधरा राजे की सीट पर सियासी विवाद

डोटासरा बोले- शर्म आनी चाहिए, दो बार की पूर्व सीएम को निर्दलीयों-विपक्ष की लाइन में बैठाया

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने विधानसभा में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की सीट निर्दलीयों के पास करने पर तंज कसा। बीजेपी पर सवाल उठाए। डोटासरा ने कहा- आप हमारी पार्टी में अंतर्कलह की बात कर रहे हैं। इनको शर्म नहीं आती। वसुंधराजी कहां बैठी हैं, वे ना पक्ष में बैठी हैं, इधर प्रतिपक्ष की लाइन में बैठा रखा है।

डोटासरा ने कहा- आप देखिए नेता प्रतिपक्ष यहां बैठे हैं। हमारा पूर्व मुख्यमंत्री बराबर में बैठा है। आपने दो बार की सीएम को निर्दलीयों और विपक्ष की लाइन में बैठा रखा है। यह अंतर्कलह नहीं है क्या? मुख्यमंत्री की बैठकों में वसुंधरा राजे नहीं जा रहीं। यह अंतर्कलह नहीं है क्या?

इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने जवाबी पलटवार करते हुए कहा कि अपनी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष के बारे में मुख्यमंत्री रहते हुए अशोक गहलोत ने क्या-क्या कहा, वह भी बता दीजिए।

सीट को लेकर कांग्रेस राज में भी विवाद हुआ था। सचिन पायलट को बगावत से सुलह के बाद किनारे की सीट दी गई थी, तब बीजेपी ने सवाल उठाए थे। 14 अगस्त 2020 को सुलह के बाद बुलाए गए विधानसभा सत्र में गहलोत ने सदन में बहुमत साबित किया था। सदन में बहस के दौरान बीजेपी ने तब पायलट की सीट कॉर्नर पर करने पर सवाल उठाए थे। बीजेपी के सवाल उठाने पर खुद पायलट ने ही तंज भरे लहजे में जवाब दिया था। पायलट ने कहा था- बॉर्डर पर उसे भेजा जाता है, जो सबसे मजबूत हो। हम मजूबती से पार्टी के लिए लड़ेंगे।

पेपरलीक में केस पेंडिंग है तो एसआईटी किसकी जांच करेगी?

डोटासरा ने कहा- पेपरलीक की बात करते हो। केवल हाईकोर्ट की भर्ती का केस लंबित है। आप ईडी, इनकम टैक्स को ला रहे हैं। कांग्रेस को आप ईडी- इनकम टैक्स से धमका नहीं सकते।

मंत्री के स्पेशल असिस्टेंट के खिलाफ ईडी की जांच

डोटासरा ने कहा- मुख्यमंत्री जहां भी जाते है, टंग स्लिप हो जाती है। पांच साल तक भ्रष्टाचार की बात करते रहे, कल ही एक आईएएस पकड़ा गया है। आपके मंत्रियों के स्पेशल असिस्टेंट (एसए) लगे हैं। उसके खिलाफ ईडी की जांच चल रही है। आपको महिला रेसलर की चिंता नहीं है। मणिपुर जल रहा है, उसकी चिंता नहीं है। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के विभाग के साथ क्या किया। टुकड़े-टुकड़े कर दिया। शहीद वीरांगना को वो नौकरी दिलवा रहे थे, अब आप दिलवा दीजिए।

डोटासरा ने कहा- रामजी को लेकर दावे कर रहे हैं, रामजी आपके अकेले के हैं क्या, रामजी हम सबके हैं। इनमें से कितने अयोध्या गए। मुख्यमंत्री को अयोध्या नहीं बुलाया।

डोटासरा ने कहा- मुख्यमंत्रीजी न वित्त पर बोलेंगे, न दूसरे पर। मुख्यमंत्री को बुलवाइए तो सही। कैसा बोलते हैं। उन्हें तो घूमने का कह रखा है। भ्रमण करके और टंग स्लिप कराकर आ जाओ। सीएम के निर्वाचन क्षेत्र में एसडीओ तहसीलदार तक नहीं बदला जा रहा है। दिल्ली से पर्ची आ रही है। इस राज्य को केंद्र शासित प्रदेश मत बनने दीजिए। दिल्ली की पर्ची बंद करें। सीएम को फैसले लेने का अधिकार है। जब एसए ही नहीं लगे तो काम क्या करें? सांगानेर का एसडीओ तक नहीं बदला गया। राजस्थान के इंजन को चलने दीजिए।

यह पर्ची से बनी सरकार है

डोटासरा ने कहा- यह पर्ची से बनी सरकार है। पिछले दिनों घनश्याम तिवाड़ी ने इस पर मुहर लगा दी है। तिवाड़ी ने कहा था कि पर्ची जब खुली तो बड़े बड़े लोगों के होश उड़ गए। खराड़ी कह रहे हैं कि बच्चे ज्यादा पैदा करो।

डोटासरा ने कहा- अब तक तो मोदीजी फॉर्सेज में अग्निवीर बना रहे थे, लेकिन आपने तो मंत्री ही अग्निवीर बना दिया। इधर, राज्यपाल के शपथ ली और उधर मंत्री का मोरिया बोल गया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने चुटकी लेते हुए पूछा कि यह मोरिया बोलना क्या होता है। डोटासरा ने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री बनने वाले जानते हैं मोरिया कैसे बोलता हे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल होंगे कई नामचीन साहित्यकार

राम मय रहेगा इस बार का सेशन

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के संदर्भ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजकों ने बताया कि साहित्य के इस महाकुंभ में देश-दुनिया के 550 से अधिक लेखक, वक्ता और कलाकार हिस्सा लेंगे। फेस्टिवल में असमी, अवधी, बंगाली, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कुरुख, मलयालम, ओड़िया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, तमिल, तोड़ा, उर्दू और बंजारा भाषा – लामानी (लम्बाडा) के साथ ही 8 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

जेएलएफ के आयोजक टीमवर्क आर्ट्स ने जानकारी देते हुए बताया कि फेस्टिवल में साहित्य जगत की श्रेष्ठ प्रतिभाओं के आने की संभावना है। जिनमें नेशनल जिओग्राफिक की यूरोप और पश्चिमी एशिया में रीजनल मैनेजर, सिल्क : ए हिस्ट्री इन थ्री मेटामोर्फेस की लेखिका आरती प्रसाद, पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर अजय जडेजा, लेखक आनंद नीलकंठन, लेखक और पत्रकार अंजन सुंदरम, लेखक बेन मकिन्त्रे, उपन्यासकार और क्रिएटिव डायरेक्टर बोनी गार्मुस, लेखक गोपालकृष्ण गांधी, जोनाथन फ्रीडलैंड, लेखिका कैथरीन रुंडेल, कैटी किटामुरा, निकोलस शेक्सपियर, लेखिका सीतल कलंत्री, सोनोरा झा शामिल हैं।

जेएलएफ के संयोजक संजोय रॉय ने फेस्टिवल में आयोजित होने वाले विभिन्न सेशन्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार का लिटरेचर फेस्टिवल राम मय रहेगा। रामचरित मानस के गोल्डन वॉल्यूम बुक रिलीज के साथ ही भगवान राम के संदर्भ में चार अलग-अलग सेशन्स होंगे। फेस्टिवल के सह आयोजक एयू स्माल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ, संजय अग्रवाल ने कहा कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल दुनिया के सबसे प्रमुख लिटरेचर फेस्टिवल है। हमारा विश्वास है कि टीमवर्क आर्ट्स के साथ साझा दृष्टिकोण फेस्टिवल को अभूतपूर्व उपलब्धियों की ओर ले जाएगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के तहत साउथ एशिया के सबसे बड़े पब्लिशिंग एन्क्लेव जयपुर बुकमार्क (JBM)के प्रमुख सत्रों के बारे में भी चर्चा की गई। जेबीएम का आयोजन फेस्टिवल के साथ ही 5 दिन के लिए किया जाएगा, जिसमें पब्लिशिंग इंडस्ट्री के विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे और प्रकाशन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

भजनलाल सरकार अब स्टूडेंट्स से करवाएगी सूर्य नमस्कार

15 फरवरी से होगी अभियान की शुरुआत, टीचर्स के साथ पैरेंट्स भी होंगे शामिल

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में स्टूडेंट्स पढ़ने के साथ अब योग अभ्यास भी करेंगे। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने आदेश जारी किए हैं। इसके तहत सूर्य सप्तमी (15 फरवरी) से प्रदेश के सभी स्कूलों में स्टूडेंट्स से सूर्य नमस्कार करवाया जाएगा। इसके लिए सबसे पहले स्कूल में तैनात टीचर्स को योग टीचर्स से ट्रेनिंग दिलवाई जाएगी। वहीं, इसके बाद स्टूडेंट्स, टीचर्स , पेरेंट्स के साथ आम जनता और जनप्रतिनिधि मिलकर इस अभियान की शुरुआत करेंगे। ताकि यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बन सके।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आदेश के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में सूर्य सप्तमी से सूर्य नमस्कार कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत सभी सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जाएगा।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

योग अभ्यास की व्यवस्था की जाएगी

प्रदेशभर में सूर्य नमस्कार का अभ्यास करते समय स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग - अलग योग अभ्यास की व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान कोई भी स्टूडेंट्स गलत तरीके से योग न करें। इसे ध्यान में रखने के लिए एक्सपर्ट द्वारा सबसे पहले स्कूल टीचर्स को ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। ताकि वह स्टूडेंट्स को सही योग क्रिया सीखा सके।

वर्ल्ड रिकार्ड के लिए भी भेजा जाएगा

राजस्थान में शिक्षा विभाग द्वारा 15 फरवरी (सूर्य सप्तमी) से अभियान की शुरुवात की जाएगी। इसमें स्टूडेंस के साथ टीचर्स, पेरेंट्स, स्थानीय जनप्रतिनिधि और आम जनता भी शामिल होगी। जिसे वर्ल्ड रिकार्ड के लिए भी भेजा जाएगा। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा योग अभ्यास करने वाले स्टूडेंट, टीचर्स, पेरेंट्स, स्थानीय जनप्रतिनिधि और आम जनता सभी लोगों की जानकारी शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से उसी दिन 2 बजे दर्ज की जाएगी।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सुबह की प्रार्थना में कम से कम 15 सूर्य नमस्कार का अभ्यास रोज एक स्टूडेंट को करना चाहिए। क्यों कि सूर्य के प्रकाश से ही हम सब कुछ कर पा रहे हैं। इस प्रकार सूर्य सप्तमी पर एक बड़ा कार्यक्रम भी होगा। लोगों में व्यायाम करने की रुचि भी रहेगी। एक बार पहले 15 फरवरी तक सूर्य नमस्कार करना अनिवार्य रखेंगे। जब एक बार छात्रों कि व्यायाम करने की आदत बन जाएगी। तब वह अपने आप ही स्कूलों में सूर्य नमस्कार कर सकेंगे। बता दें कि पूर्व वसुंधरा (बीजेपी) सरकार के कार्यकाल के दौरान भी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में सूर्य नमस्कार को आनिवार्य घोषित किया गया था। उस वक्त भी सुबह प्रार्थना के बाद स्टूडेंट्स द्वारा सूर्य नमस्कार और योग करना अनिवार्य करने के आदेश जारी किए गए थे। लेकिन तब कई धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था।

जमीन-मकान लेना और भी महंगा हुआ

हाउसिंग बोर्ड ने 26 फीसदी तक बढ़ाई रेट; जानें- जयपुर-जोधपुर जैसे शहरों में कितना असर

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अपनी जमीनों की कीमतें बढ़ा दी हैं। जयपुर, जोधपुर समेत 15 से ज्यादा जिलों में 170 से ज्यादा आवासीय योजना में कीमतें 8.50 से लेकर 26 फीसदी तक बढ़ाई हैं। सबसे ज्यादा कीमतें हनुमानगढ़, झुंझुनूं की स्कीमों में बढ़ाई गई हैं। जयपुर के जगतपुरा में स्थित इंदिरा गांधी आवासीय योजना में अब कीमत 17,875 रुपए प्रति वर्गमीटर (करीब 1.20 गज) कर दी है।

यानी 100 वर्ग मीटर (करीब 120 गज) की जमीन करीब 17,87,500 रुपए की होगी। यहां कीमतें में 23 फीसदी से ज्यादा बढ़ाई गई हैं। ये कीमतें 1 जनवरी से लागू मानी जाएगी। इस निर्णय के बाद अब निर्माणाधीन मकानों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो जाएगी।

हाउसिंग बोर्ड से जारी नई रेट लिस्ट में सबसे ज्यादा 26 फीसदी दरें हनुमानगढ़ योजना की बढ़ाई हैं।

हनुमानगढ़ योजना की आवासीय आरक्षित दर 6355 रुपए प्रति वर्गमीटर थी, जो बढ़कर अब 8015 रुपए प्रति वर्गमीटर हो गई।

यानी 26.12 फीसदी का इजाफा किया है। हाउसिंग बोर्ड अगले महीने यहां 400 से ज्यादा मल्टी स्टोरी फ्लैट्स की स्कीम लाने की तैयारी कर रहा है, जिसके लिए फरवरी से आवेदन मांगने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इसी तरह अजमेर की पंचशील, किशनगढ़ आवासीय योजना, जोधपुर की बड़ली स्कीम, विवेक विहार और कुड़ी भगतासनी सेकेंड में भी 8.52 फीसदी आवासीय आरक्षित दर बढ़ाई है।

बोर्ड की बढ़ाई ये दरें मध्यम आय वर्ग (ए) के लिए निर्धारित की गई हैं। मध्यम आय वर्ग (बी), एचआईजी कैटेगिरी के मकानों में दरें निर्धारित आवासीय आरक्षित कीमतों से 10 और 20 फीसदी ज्यादा रहेगी। जबकि एलआईजी और ईडब्ल्यूएस में दरें आरक्षित दर से 10 और 20 फीसदी कम रहेंगी।

जयपुर में जगतपुरा स्थित इंदिरा गांधी नगर आवासीय योजना में पहले 14530 रुपए प्रति वर्गमीटर की दरें थी, जो अब बढ़ाकर 17 हजार 875 रुपए प्रति वर्गमीटर कर दी है। इसी तरह जयपुर की मानसरोवर योजना की रेट्स भी 17.28 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। यहां पहले आरक्षित दर 26 हजार 180 रुपए प्रति वर्गमीटर (करीब 1.20 गज) थी, जो अब बढ़कर 30 हजार 705 रुपए प्रति वर्गमीटर हो गई। यानी 100 वर्ग मीटर (करीब 120 गज) की जमीन करीब 30,705,00 रुपए की होगी।

उदाहरण के तौर पर हाउसिंग बोर्ड की जोधपुर की बड़ली में आवासीय योजना में कोई एमआईजी 'ए' कैटेगिरी का 90 वर्ग मीटर में बना मकान आवंटित किया जाना है। पहले इस योजना में आरक्षित दर 4160 रुपए थी तो जमीन की कुल कीमत 3 लाख 74,400 रुपए होती। उस जमीन पर बनाया 700 वर्गफीट का कंस्ट्रक्शन जिसकी लागत 1350 रुपए प्रति वर्गफीट है तो उसकी लागत 9 लाख 45 हजार रुपए आती।

महिलाओं को मुफ्त स्मार्ट फोन देने की योजना पर फिलहाल रोक

समीक्षा के बाद निर्णय करेगी सरकार

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की पिछली सरकार में महिलाओं को मुफ्त स्मार्ट फोन देने की बहुचर्चित योजना पर भाजपा सरकार ने फिलहाल रोक लगा दी है। अब इस योजना की समीक्षा कराने के बाद ही सरकार इस पर अंतिम निर्णय लेगी।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने विधानसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। विधायक इन्द्रा के प्रश्न के लिखित जवाब में राठौड़ ने बताया कि गहलोत सरकार में चिरंजीवी परिवारों की लगभग साढ़े चौबीस लाख महिलाओं को इंटरनेट डाटा के साथ स्मार्ट फोन बांटे गए थे, जिस पर करीब 16 सौ करोड़ रुपये खर्च हुए।

पिछली सरकार ने 2023-24 के बजट में 40 लाख महिलाओं को स्मार्ट फोन दिए जाने की घोषणा की थी। इसे विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के कारण बंद कर दिया गया था लेकिन अब प्रदेश की वर्तमान सरकार ने इस योजना की समीक्षा करने का फैसला किया है।

कोहरे की चपेट में रहा प्रदेश : जैसलमेर, बीकानेर में दिन का पारा

10 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का; जयपुर में सर्दी से थोड़ी राहत

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में उत्तर-पश्चिम के अधिकांश जिले कोहरे की चपेट में रहे। कोहरे के कारण बीकानेर, जैसलमेर में दिन का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। जैसलमेर में आज सीजन की सबसे सर्द रात रही, यहां न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केन्द्र जयपुर ने 26 जनवरी से प्रदेश में मौसम साफ होने की संभावना है। तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है।

राजधानी जयपुर में आज मिनिमम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 9.8 पर आ गया। यहां आज मौसम साफ है। सुबह से धूप निकली है। कल भी जयपुर में मौसम साफ रहने से धूप रही। लोगों को दिन में सर्दी से राहत मिली। यही स्थिति अलवर की रही, जहां न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। यहां पिछले तीन दिन से तेज सर्दी रहने के कारण मिनिमम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस से नीचे था, जो आज बढ़कर 6.8 पर आ गया। इन शहरों के साथ आज कोटा, उदयपुर, चूरू और जोधपुर में भी मिनिमम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हुई।

इधर, दूसरी तरफ सरहदी जिले बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर में आज तापमान में गिरावट हुई और सर्दी बढ़ गई। जैसलमेर में आज सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। जैसलमेर में कल दिन में कोहरा रहने से अधिकतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे था।

बाड़मेर में भी आज न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री गिरकर 7.5 पर आ गया। यहां आज सर्द हवाओं के कारण गलन रही। बीकानेर में भी 2 डिग्री गिरकर 6.2 पर आ गया। बीकानेर में आज सुबह हल्का कोहरा रहा। हिल स्टेशन माउंट आबू में आज भी पारा शून्य पर रहा।

उत्तर भारत में कल से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होंगे। इसके असर से उत्तरी हवा आनी रुक जाएगी, जिससे सर्दी से राहत मिलेगी। 26 जनवरी से राज्य के अधिकांश शहरों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होगी। इससे यहां लोगों को कड़ाके की सर्दी से राहत मिली।

प्रेमिका से मिलने आए युवक को पीटा

सिर कुचला, 5 हड्डियां तोड़ीं, मौत, दोस्त का भी पैर तोड़ा

बूंदी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दबलाना थाना क्षेत्र में सोमवार रात प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की युवती के परिजनों ने पीट पीटकर हत्या कर दी। पहले युवक का सिर कुचला फिर 5 हड्डियां तोड़ीं। मृतक की दोनों आंखें बाहर निकल आईं। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने युवक के दोस्त का भी पैर तोड़ दिया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान गुजरिया का खेड़ा निवासी नरेंद्र गुर्जर के रूप में हुई है। नरेंद्र के चाचा ने खुशीराम और दुर्गालाल पर हत्या का केस दर्ज कराया है।

नरेंद्र और जुगराज रेण गांव में धार्मिक कार्यक्रम में गए थे। इसके बाद युवक नरेंद्र प्रेमिका से मिलने चला गया। इसकी भनक युवती के परिजनों को लग गई। उन्होंने नरेंद्र के को जमकर पीटा और हत्या कर दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद नरेंद्र का शव परिजनों को सौंप दिया। जुगराज के पैरों व हाथों में फ्रैक्चर आया है और सिर में चोट है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों को तलाश रही है।

प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी हैं, जल्द गिरफ्तारी होगी।

शॉर्ट सर्किट से क्रॉकरी शॉप में लगी आग

दमकल ने पाया काबू, पुलिस भी पहुंची, बड़ा हादसा टला

अजमेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के पुरानी मंडी में स्थित एक क्रॉकरी शॉप में अचानक आग लग गई। आग का पता चलते ही एरिया के लोग एक बार सहम गए। इसकी वजह यह कि एरिया में स्थित इसी दुकान से कुछ आगे नेल पेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी थी, जो 3 दिन तक लगातार जलती रही थी।

गनीमत ये रही कि फायरब्रिगेड की दो गाड़ियों व कर्मचारियों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर 20 मिनट पर आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रात में क्षेत्र की सभी दुकानें पूरी तरह से बंद थी। ऐसे में गलियां संकरी होने के बावजूद दमकल भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई।

कोतवाली थानाधिकारी वीरेंद्रसिंह ने बताया कि लॉर्ड कृष्णा कलेक्शन क्रॉकरी शॉप में शार्टसर्किट से पुरानी मंडी की गली में क्रॉकरी की दुकान में आग लग गई थी। मालूम चलते ही मालिक किशन नथानी मौके पर पहुंच गए। अभी तक नुकसान का आंकलन नहीं हुआ है। घटना को लेकर दुकान मालिक ने रिपोर्ट दी है। घटनास्थल पर फायर बिग्रेड की दो गाड़ियां पहुंची थी। इसमें एक बड़ी और दूसरी छोटी थी। छोटी गाड़ी में तकनीकी खामी आने के चलते पानी का प्रेशर पूरी तरह से नहीं बन पाया। ऐसे में पाइप को दुकान तक लाया गया और आग बुझाई गई। पुरानी धानमंडी में रात के समय पूरा बाजार बंद हो चुका था। जिस दुकान में आग लगी थी।

झटका मशीन की चपेट में आने से युवती की मौत

मायका-ससुराल पक्ष में चली बहस के 36 घंटे के बाद हुआ समझौता

सिरोही, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पालड़ी एम थाना क्षेत्र के पोसालिया गांव से लगते एक खेत में पशुओं से फसल बचाने के लिए लगाई गई झटका मशीन की चपेट में आने से एक युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मायका और ससुराल पक्ष के बीच चली लंबी बहस के बाद करीब 36 घंटे में हुए समझौते के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवा परिजन वापस लौट गए। पालड़ी एम थाने के एएसआई सोमाराम और एएसआई मोहनदास ने बताया कि पोसालिया के पास स्थित तेज सिंह के काश्तकार कुएं पर कुछ समय से बुझ मंडावा उदयपुर निवासी कमरू गमेती भील और उसकी पत्नी अमिया (23) वहां पर रहते हुए खेती-बाड़ी का कार्य कर रहे हैं। 22 जनवरी की सुबह 7 बजे शौच के लिए जाते समय अचानक झटका मशीन की चपेट में आने से वह वहीं गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना उसके पति ने परिजनों को दी।

मायके से पत्नी नहीं आई तो खुद का गला रेता

ससुराल से लौटकर किया सुसाइड, आंगन में खून से लथपथ पड़ा मिला

झुंझुनूं, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मायके (पीहर) से पत्नी नहीं आई तो युवक ने अपना गला रेतकर सुसाइड कर लिया। फिलहाल पुलिस इस मामले को लेकर अभी कुछ भी बोलने से बच रही है। घटना के समय युवक घर पर अकेला था। मामला झुंझुनूं शहर के बाकरा रोड इलाके का है। कोतवाल राममनोहर ठोलिया ने बताया- इस्लाम नगर, पंवार स्कूल के पास इमरान (25) नाम के युवक के खुद की गर्दन पर चाकू से वार कर सुसाइड की सूचना मिली थी। अस्पताल पहुंचे तो युवक की मौत हो चुकी थी। पहली नजर में मामला खुदकुशी का लग रहा है। मामले की जांच कर रहे हैं। अभी तक परिजनों की ओर से रिपोर्ट नहीं दी गई है। बॉडी को बीडीके अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

झुंझुनूं शहर के इस्लाम नगर में स्थानीय लोगों ने बताया कि इमरान खानजादा पुत्र सलीम खानजादा सब्जी का ठेला लगाता था। मकान में वह अपनी बीवी-बच्चों के साथ रहता था। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। दो बच्चे हैं। इमरान अपने परिवार से अलग रहता था। इन दिनों बीवी मायके गई हुई थी। इमरान अपनी पत्नी के मायके से ही लौटा था। जानकारी में सामने आया कि इमरान का पत्नी से विवाद चल रहा था। वह उसे लेने अपने ससुराल गया था। शाम करीब साढ़े छह बजे लौटने के बाद उसने गले को चाकू से काटकर सुसाइड कर लिया।

हरियाणा नागरिक संघ द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा नागरिक संघ के महासचिव राजेश गर्ग ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम प्रभू के विग्रह स्थापना के शुभ अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हरियाणा नागरिक संघ द्वारा हरियाणा भवन में धूमधाम से आयोजित हुआ। अवसर पर सुबह मंदिर परिसर में दीपोत्सव मनाया गया। शत्रुघ्न दाहिमा एवं टीम द्वारा संगीतमय सुंदरकांड परायण हुआ। सभी भक्तों के लिए राम मंदिर का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया। अवसर पर बच्चो ने राम जी, शबरी आदि की वेशभूषा में सभी को आकर्षित कीया। अध्यक्ष पदम कुमार जैन सपत्नीक बबीता जैन द्वारा प्रथम पूजा से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।तत्पश्चात सभी भक्तों ने क्रमबद्ध होकर जोत के दर्शन किए एवं महिलाओ एवं पुरुषों ने नाचते गाते हुए आनंद उठाया। सभी ने परस्पर बधाई दी। चिन्मय विद्यालय के बच्चों ने राम दरबार की झांकी प्रसुप्त की। भक्तों को श्रीराम नाम का दुपट्टा भेंट कीया गया। उपाध्यक्ष सुरेन्द्र केडिया, मानद मंत्री राजेश गर्ग, सहमंत्री नरेश मित्तल, कोषाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक विपिन सिंघानिया, कार्यकारिणी सदस्य, मदनलाल अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, पवन गुप्ता, अशोक सिंघल, दीपक अग्रवाल, श्रीभगवान अग्रवाल, संदीप मित्तल, अजय जैन, दिनेश गुप्ता, पुनीत, प्रतीक, सतप्रकाश, संजय, आशीष, प्रिती अग्रवाल आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। हरियाणा सेवा संघ के महासचिव महेश तायल, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गणेश अग्रवाल एवं भ्छै चिकित्सालय के चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस उत्सव में संघ के वरिष्ठ सदस्य धर्मपाल अग्रवाल, बेनी प्रसाद सिंघल, विनोद गुप्ता, घनश्याम दास जैन, रामगोयल, सतीश अग्रवाल, हरीमोहन धनानिया आदि उपस्थित रहे।

दो छात्र गणतंत्र दिवस परेड के लिए आमंत्रित

आसिफाबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक आदिवासी खेल स्कूल स्कूल आसिफाबाद के दो छात्रों को 26 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। स्कूल के प्रिंसिपल कृष्णा राव ने कहा कि अथराम अंजलि और थमरम सत्यभामा को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूल के छात्रों को पहली बार यह दुर्लभ अवसर मिला है। जहां अंजलि एक एथलीट हैं, वहीं सत्यभामा एक हैंडबॉल खिलाड़ी हैं। इस बीच, प्रभारी आईटीडीए-उटनूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता, जिला आदिवासी कल्याण अधिकारी रमा देवी, आदिवासी खेल अधिकारी बांदा मीना रेड्डी और कोच विद्यासागर ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित होने पर बधाई दी।

नागार्जुन सागर बैकवाटर में 200 प्रवासी पक्षी मृत पाए गए

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक परेशान करने वाली घटना में, नलगोंडा जिले के नागार्जुन सागर के बैकवाटर में ब्राउन-हेड गल्स और ब्लैक-हेड गल्स सहित 200 से अधिक प्रवासी पक्षी मृत पाए गए। चूंकि नागार्जुन सागर में ऊपरी प्रवाह से कम प्रवाह के कारण जल स्तर कम हो गया है, इसलिए क्षेत्र के किसान चंदमपेट मंडल के विजाग कॉलोनी में सतह क्षेत्र में विभिन्न फसलों की खेती कर रहे थे। पक्षी प्रेमियों की एक टीम, जो मंगलवार को विजाग कॉलोनी में पक्षी भ्रमण पर थी, को पक्षियों के शव मिले। उन्होंने देखा कि पक्षी विजाग कॉलोनी के पास नागार्जुन सागर के बैकवाटर बांध पर फैले हुए थे। तस्वीरें लेने के बाद, वन्यजीव फोटोग्राफर श्रीराम रेड्डी ने कहा कि उन्होंने मुख्य वन्यजीव वार्डन एमसी परगायन को सूचित किया, जिन्होंने नागार्जुन सागर डीएफओ पी राजशेखर को इस मुद्दे की जांच करने का आदेश दिया। राजशेखर ने एफडीओ सर्वेश्वर, एफआरओ साईप्रसाद और वन्यजीव जीवविज्ञानी महेंद्र रेड्डी के साथ बुधवार को जगह का दौरा किया। चैंकाने वाली बात यह है कि वन विभाग की टीम को कुछ घंटों की खोज के बाद नागार्जुन सागर के बैकवाटर में लगभग 200 सीगल के शव मिले। वन अधिकारी और पक्षी विशेषज्ञ पक्षियों की मौत के कारण का तुरंत पता नहीं लगा सके। दिलचस्प बात यह है कि इस क्षेत्र में कोई अन्य पक्षी या जानवर मृत नहीं पाया गया, जो जहर की संभावना को खारिज करता है। मौत का कारण जानने के लिए वन अधिकारियों ने सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) को नमूने भेजने का फैसला किया है। वन अधिकारी भी घटना की जांच की योजना बना रहे हैं। क्षेत्र में किसान मूंगफली उगा रहे थे। प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों को संदेह है कि मौत का कारण फ्लू हो सकता है। मौत के सटीक कारण का पता लगाने के लिए सीसीएमबी, पशु चिकित्सा जैविक अनुसंधान संस्थान (वीबीआरआई), मेहदीपट्टनम और सलीम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड हिस्ट्री (एसएसीओएन), कोयंबटूर को एक-एक नमूना परीक्षण के लिए भेजा गया है। मछुआरों, किसानों और स्थानीय लोगों ने अधिकारियों को सूचित किया है कि उन्होंने पक्षियों को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाया है। पक्षी आमतौर पर दक्षिण मध्य एशिया से तेलंगाना में शीतकालीन प्रवासी होते हैं। वे मार्च और अप्रैल के दौरान अपने मूल स्थानों पर लौट आते हैं जब यहा गर्मियां शुरू हो जाती हैं।

आरडब्ल्यूएस कार्यालय को फिर वापस लाने की मांग

मदनूर, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में बेकार पड़े आरडब्लूएस कार्यालय भवन में स्वच्छ भारत के तहत साफ-सफाई की गयी। इस समय स्थानीय भारतीय जनता पार्टी नेता कृष्णा पटेल ने जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक हनमंत शिंदे पर आरोप लगाते हुए बताए कि कुछ वर्ष पहिले पूर्व विधायक के नेतृत्व में संबंधित आधिकारियों ने चोरी छुपे रातोंरात मदनूर व जुक्कल मंडल के आरडब्लूएस कार्यालय को स्थानीय जनता को सूचना दिये बिना ही बिचकुंदा मंडल में स्थापित करने के बाद बेकार पड़े आरडब्लूएस कार्यालय भवन अवैध धंधा का अड्डा बन गया है। आज हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मिलकर इस भवन की साफ सफाई की। उन्होंने जुक्कल विस क्षेत्र के नव निर्वाचित विधायक लक्ष्मीकांत राव को विनती करते हुए बताया कि पूर्व विधायक के कारनामे से मदनूर व जुक्कल मंडल आरडब्ल्यूएस कार्यालय, जो बिचकुंदा मंडल में स्थापित किया गया है, इसे दो दिन के भीतर फिर से मदनूर व जुक्कल मंडल में स्थापित किया जाय। अगर नहीं होता है तो भाजपा के नेतृत्व में बेकार पड़े आरडब्लूएस कार्यालय भवन के सामने गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंड़ा लहराएंगे और शांति के साथ आंदोलन करेंगे।

सखी सहेली महिला शाखा गोशामहल द्वारा भजन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सखी सहेली महिला शाखा गोशामहल द्वारा राम मन्दिर गोशामहल में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 108 दीप प्रज्वलित कर सामूहिक हनुमान चालिसा एवं रामजी से सम्बंधित भजन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा की महिला सदस्यों और उनके परिजनों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और कार्यक्रम की सरहना की। प्रसाद स्वरूप अल्पआहार की भी व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष आरती अग्रवाल, उपाध्यक्ष संगीता पटवारी मंत्री दीया अग्रवाल, सह-मंत्री नीलम संघी, कोषाध्यक्ष एकता गुप्ता, के. शीखा अग्रवाल, मनीषा संघी, सुमुमन अग्रवाल, वर्षा पित्ती, कीर्ति गुप्ता, प्रिती अग्रवाल मोनीका अग्रवाल, पायल अग्रवाल, नेहा अग्रवाल शारदा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, किरण अग्रवाल, शोभना अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया

मदनूर, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मदनूर आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट अधिकारी सीडीपीओ सुनंदा ने स्थानीय मदनूर मंडल केंद्र के आंगनवाड़ी सेंटर में बालिकाओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने बालिका के माता-पिता के साथ परिवार वालों को बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत सभी लड़कियों को शिक्षित करना चाहिए और उनके भविष्य के कड़ी मेहनत करनी चाहिए, ताकि वे सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर मदनूर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के साथ प्रतिज्ञा की गई। इस कार्यक्रम में पर्यवेक्षक कविता, आंगनवाड़ी शिक्षक चंपबाई और संगीत प्राथमिक विद्यालय के संबंधित शिक्षकों ने उपस्थित थे।

सरकार सूक्ष्म, मध्यम, लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही हैः भट्टी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने बताया है कि राज्य सरकार सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए सभी उपाय करेगी। भट्टी विक्रमार्का ने बुधवार को यहां टूरिज्म प्लाजा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास एवं सुविधा द्वारा आयोजित वेंडर्स डेवलपमेंट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों में देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कृषि और औद्योगिक सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए कदम उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि आर्थिक सुधारों और वैश्वीकरण की पृष्ठभूमि में देश में प्रवेश करने वाली कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने सूक्ष्म और लघु उद्योगों को निगल लिया है, जिससे करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं।

गोलकुंडा में आधुनिक ध्वनि और प्रकाश शो आरंभ

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक गोलकुंडा किला को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। केंद्र सरकार ने रात में किले को और अधिक आकर्षक दिखाने और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए किले का इतिहास बताने के लिए एक आधुनिक ध्वनि और प्रकाश शो का आयोजन किया है। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने बुधवार को इसका शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय पर्यटन मंत्री चिरंजीवी और सांसद विजयेंद्र प्रसाद मौजूद रहे।

गोलकुंडा, जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखरेख में है, एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक इमारत है जो अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करती है। तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में शो की अवधि 30 मिनट 20 सेकंड है। यह गोलकोंडा के इतिहास को अंतरराष्ट्रीय स्तर के साथ दिखाने के लिए 3डी मैपिंग प्रोजेक्शन, उच्च-रिज़ॉल्यूशन प्रोजेक्टर, लेजर लाइट और मूविंग हेड्स जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग करता है।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की जानकारी के अनुसार किले को रात में रोशन किया जाता है। सप्ताहांत में छह हजार लोग इसे देखने आते हैं।

धर्मस्व विभाग के खिलाफ राज्यपाल से शिकायत दर्ज कराएगी भाजपाः एनवीएसएस प्रभाकर

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि उनकी पार्टी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक के दौरान धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने में विफलता के लिए बंदोबस्ती विभाग के खिलाफ राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के पास शिकायत दर्ज करेगी। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रभाकर ने कहा कि बंदोबस्ती विभाग हिंदू धर्म की धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था और चूंकि राम मंदिर का अभिषेक बहुसंख्यक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी, इसलिए उस दिन धार्मिक गतिविधियों का आयोजन करना उसका कर्तव्य है। राम मंदिर के अभिषेक के दौरान हिंदू परंपरा और संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित नहीं करने से लोगों की भावनाएं आहत हुईं। यह संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने धर्मस्व मंत्री से हिंदू रीति-रिवाजों के खिलाफ काम करने के लिए माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि उनकी पार्टी बंदोबस्ती विभाग द्वारा अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में विफलता के बारे में राज्यपाल से शिकायत करेगी।

आश्वासन पूरा ना करने पर कांग्रेस को सबक सिखाएंगेः केटीआर

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटीआर ने एक बार फिर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। केटीआर ने आज करीमनगर में बीआरएस पार्टी कॉरपोरेटर्स के साथ मुलाकात की। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की छह गारंटी नहीं थी। घोषणापत्र में, कांग्रेस द्वारा दी गई 420 गारंटी को लागू नहीं किया गया तो कांग्रेस नेताओं को सड़क पर खडा कर दिया जाएगा। कांग्रेस संसद चुनावों के नाम पर गारंटी के कार्यान्वयन को स्थगित करने के लिए देख रही है। तेलंगाना लोग अभी भी बीआरएस प्रमुख केसीआर से आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस संसदीय चुनावों में अधिकांश सीटें जीतेगी।

राज राजेश्वर सहस्त्रार्जुन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलादूर के एसएसके नगर में श्री राज राजेश्वर सहस्त्रार्जुन महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को आयोजित की गई। एसएसके समाज हैदराबाद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पंचामृत अभिषेक, 3 दिवसीय हवन, अलंकार पूजा एवं अन्य पूजा की गई। दत्तात्रेय महाराज का आशीर्वाद कार्यक्रम भी हुआ। इस अवसर पर एसएसके समाज के अध्यक्ष नागारी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, कोषाध्यक्ष शिव रतन, मॅक्ट सोसायटी के निदेशक तिरमाली जयप्रकाश, अजय चव्हाण, पूर्व नगरी सुरेंद्र, दगडू अशोक, मीडिया अध्यक्ष एच कुमार, पूर्व अध्यक्ष रतन राजेंद्र, यशवंत चव्हान, गंभीर नागराज, सुरथी वेंकटेश, गोरख जगदीश, एच विद्या, महिला अध्यक्ष राज कुमारी चव्हाण , 101 पुजारी एवं बहुसंख्य लोग शामिल हुए।

अमीरपेट स्थित अयोध्या में आयोजित रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर नवनिर्मित राम दरबार मंदिर में पुजा-अर्चना व शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव, आयोजक गुलाबसिंह, नवीन राजपुरेहित, विजयसिंह जाणुंदा, विक्रमसिंह, गजेन्द्रसिंह, विजय भास्कर रेड्डी, लालचन्द राठी व समाज बन्धु।

क्रेडाई ने हैदराबाद प्रॉपर्टी शो के 13वें संस्करण की घोषणा

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्रेडाई, कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, देश में निजी रियल एस्टेट डेवलपर्स का शीर्ष निकाय, ने 8 से 10 मार्च 2024 के बीच हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में 13वें क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो की घोषणा की। यह घोषणा क्रेडाई के वरिष्ठ नेतृत्व दल की उपस्थिति में की गई, जिसमें अध्यक्ष वी. राजशेखर रेड्डी, निर्वाचित अध्यक्ष एन. जयदीप रेड्डी, महासचिव बी. जगन्नाथ राव, क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो के संयोजक के. रामबाबू और उपाध्यक्ष क्रेडाई हैदराबाद शामिल थे। इस अवसर पर बी प्रदीप रेड्डी, सीजी मुरली मोहन, एम. श्रीकांत, उपाध्यक्ष, मनोज कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष और संयुक्त सचिव क्रांति किरण रेड्डी भी उपस्थित थे। नीतीश रेड्डी के साथ-साथ प्रॉपर्टी शो के लिए आयोजन समिति के सदस्य - सह-संयोजक एम श्रीराम और एन. वंसीधर रेड्डी, क्रेडाई यूथ विंग (सीवाईडब्ल्यू) समन्वयक एम. अरविंद आनंद राव, पावेन, सचिव सीवाईडब्ल्यू और धीरज भी शामिल रहे। क्रेडाई हैदराबाद के अध्यक्ष वी. राजशेखर रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद, जिसे अक्सर देश में सबसे अधिक रहने योग्य शहर के रूप में पहचाना जाता है, ने अपने रियल एस्टेट बाजार में लगातार वृद्धि देखी है। संपत्ति की बढ़ती कीमतों के बावजूद, शहर घर खरीदारों को आकर्षित करना जारी रखता है, जो नवंबर 2023 में संपत्ति लेनदेन में उल्लेखनीय वृद्धि से स्पष्ट है। पिछले वर्ष की तुलना में नवंबर 2023 के दौरान संपत्ति सौदों में 25: की वृद्धि हुई थी। यह हैदराबाद में घर खरीदने के लिए व्यक्तियों के बीच मजबूत और स्थायी रुचि को दर्शाता है। इस अवधि के दौरान 6,268 संपत्ति सौदे बंद हुए, जिससे स्टांप शुल्क राजस्व में पर्याप्त योगदान हुआ। संपत्तियों का कुल मूल्य प्रभावशाली रुपये तक पहुंच गया। 3.%41 करोड़, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में मूल्य में 29: की पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है। विशेष रूप से, लोगों में अधिक महंगे घरों को चुनने की आश्चर्यजनक प्रवृत्ति है, जो सुविधाओं, सुरक्षा और निवेश पर आशाजनक रिटर्न के साथ एक शानदार जीवन शैली की इच्छा को दर्शाती है। प्रीमियम हाउसिंग की ओर यह बदलाव आर्थिक चुनौतियों के बावजूद शहर के लचीलेपन को रेखांकित करता है। क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो का 13वां संस्करण घर खरीदारों को एक छत के नीचे सबसे प्रतिष्ठित बिल्डरों से शहर में सर्वोत्तम परियोजनाओं का मूल्यांकन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा, 2024 में हैदराबाद के रियल एस्टेट बाजार का भविष्य आशाजनक लग रहा है। क्रेडाई हैदराबाद के निर्वाचित अध्यक्ष एन जयदीप रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद में तेजी से बढ़ता रियल एस्टेट बाजार न केवल शहर की आर्थिक स्थिरता को दर्शाता है, बल्कि विकास, विश्वास और मूल्य पर निर्मित रियल एस्टेट पारिस्थितिकी तंत्र को भी दर्शाता है। यह निवेशकों और गृहस्वामी दोनों को आकर्षित करता है।

आयोध्या में श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठापना के उपलक्ष्य में श्री सीताराम कल्याणम का आयोजन गोपाल बल्दवा की ओर से नारायण गोसेवा सदन में किया गया। ब्रम्हर्षी वाद्दीपार्थी पद्माकर गुरूजी के उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ । इस अवसर पर अनेक भक्तगण उपस्थित थे।

बेल्ट शॉप हटाने को लेकर महिलाओं ने जिला आबकारी कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

आसिफाबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वांकिडी मंडल के गोइगांम गांव की महिलाओं ने बेल्ट दुकानों को हटाने की मांग को लेकर बुधवार को जिला मुख्यालय पर जिला उत्पाद शुल्क कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गोइगांम गांव में बेल्ट शॉप बनाकर शराब बेची जा रही है। इसके चलते युवा शराब के आदी हो गए हैं और अक्सर लड़ाई-झगड़े पर उतारू हो जाते हैं, महिलाओं ने मांग की कि गांव में बेल्ट की दुकानें तुरंत हटाई जाएं। बाद में उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी ज्योति किरण को प्रार्थना पत्र सौंपा। इस कार्यक्रम में गांव की 30 महिलाओं, इसुरुबाई, कंथम्मा, कमला, सरस्वती और बाई अनसूया चंद्रकला ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत-इंग्लैंड सीरीज के 3 गेमचेंजर: अश्विन नंबर-1 बॉलर, जडेजा टॉप ऑलराउंडर ; टीम इंडिया के खिलाफ रूट के 2526 रन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज कल यानी 25 जनवरी से शुरू हो जाएगी। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में पहला मुकाबला होगा। भारत से विराट कोहली शुरुआती 2 टेस्ट और इंग्लैंड से हैरी ब्रूक पूरी सीरीज नहीं खेल सकेंगे।

दोनों ही टीम में कई ऐसे प्लेयर्स हैं जो अपने दम पर मैच का रुख पलटने का दम रखते हैं। मुकाबले के ऐसे ही 3 गेमचेंजर्स के बारे में इस स्टोरी में जानेंगे।

1. रविचंद्रन अश्विन

गेंदबाजी में इंग्लैंड को रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल से पार पाना मुश्किल होगा। भारत की स्पिन पिचों पर ये ऐसे स्पिनर्स हैं जो कभी भी मैच का रुख मोड़ सकते हैं। अश्विन इस समय दुनिया के बेस्ट स्पिनर हैं। वह एशिया में 387 विकेट ले चुके हैं और सीरीज में 400 विकेट के आंकड़े को पार कर सकते हैं।

टेस्ट में वर्ल्ड नंबर-1 बॉलर अश्विन पिछले दो सालों में टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में टॉप पर हैं। उनके नाम इंग्लैंड के खिलाफ महज 19 टेस्ट में 88 विकेट हैं, जो एक्टिव इंडियन बॉलर में सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा (11) बार आउट भी किया है।

अश्विन 500 टेस्ट विकेट से महज 10 विकेट दूर हैं, उनके नाम 95 टेस्ट में 490 विकेट हैं। टॉप विकेट टेकर की लिस्ट में वह दूसरे एक्टिव स्पिनर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन उनसे आगे हैं। अश्विन मैच में 8 बार 10 या उससे ज्यादा विकेट ले चुके हैं, वहीं एक पारी में उनके नाम 34 बार 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

2. रवींद्र जडेजा

स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी रैंकिंग में नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर हैं। बॉल के साथ वह बैट से भी कारगर हैं। वह अब तक 68 टेस्ट में 275 विकेट लेने के साथ 2,804 रन भी बना चुके हैं। एशिया में उन्होंने 207 विकेट लिए हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली होम टेस्ट सीरीज में उन्होंने 22 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के खिलाफ तो वह 16 ही टेस्ट में 51 विकेट ले चुके हैं।

पिछले 2 साल में उन्होंने 10 ही टेस्ट में 43 विकेट झटक लिए हैं। उनके नाम इस दौरान 609 रन भी रहे। टेस्ट करियर के 2 शतक भी उन्होंने पिछले 2 साल में ही लगाए हैं। इंग्लैंड को पिछले दौरे पर लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल ने खूब परेशान किया था। इस बार अक्षर के साथ टीम इंडिया के बेस्ट लेफ्ट आर्म स्पिनर जडेजा भी इंग्लैंड को चैलेंज करेंगे।

3. जो रूट

इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर बैटर जो रूट भारत के खिलाफ सबसे सफल इंग्लिश क्रिकेटर हैं। उन्होंने 25 टेस्ट में 2,526 रन बनाए हैं, जिनमें 9 सेंचुरी और 10 फिफ्टी शामिल हैं। रूट सीरीज में 30 रन बनाते ही भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बैटर भी बन जाएंगे। उनसे आगे ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग हैं, जिन्होंने 2,555 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड के लिए उन्होंने 135 टेस्ट में 30 सेंचुरी और 60 फिफ्टी की मदद से 11,416 रन बनाए हैं। एक्टिव प्लेयर्स में वह टॉप रन स्कोरर हैं। एशिया में वह 23 ही टेस्ट में 2,117 रन बना चुके हैं। उन्होंने स्पिन कंडीशन में 5 सेंचुरी और 10 फिफ्टी भी लगाई हैं।

पिछले 2 साल में भी रूट ने ओवरऑल 23 टेस्ट खेलकर 1,885 रन बना दिए हैं। जिनमें 7 सेंचुरी और 7 ही फिफ्टी भी शामिल रहीं। रूट ने भारत के पिछले दौरे पर पारी में 5 विकेट भी लिए थे, इसलिए वह बॉलिंग से भी कारगर हैं।

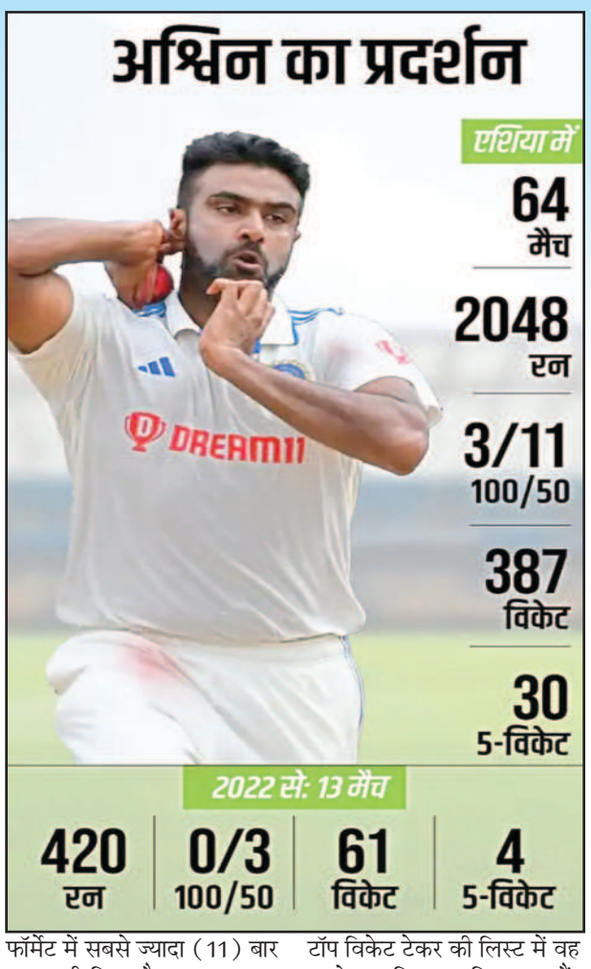

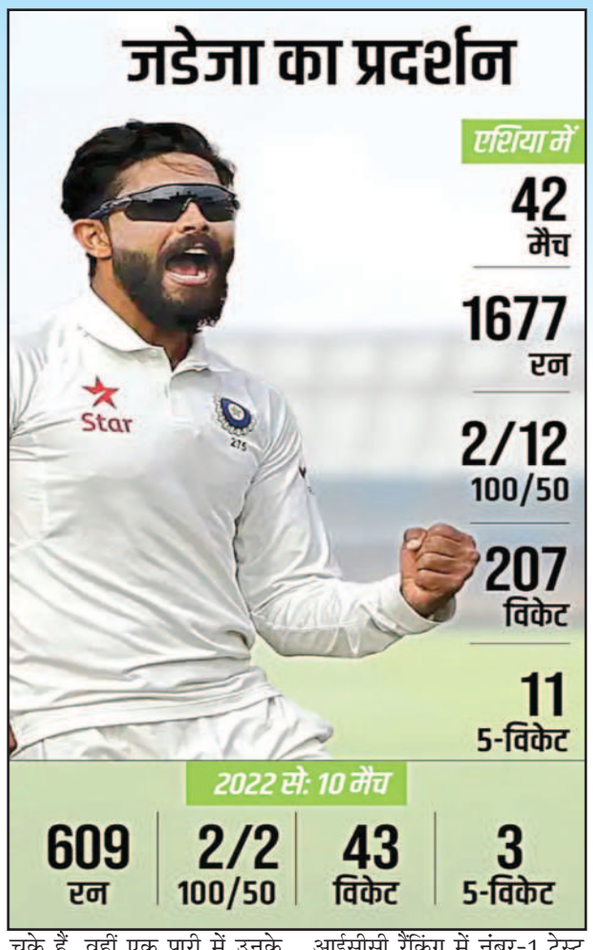

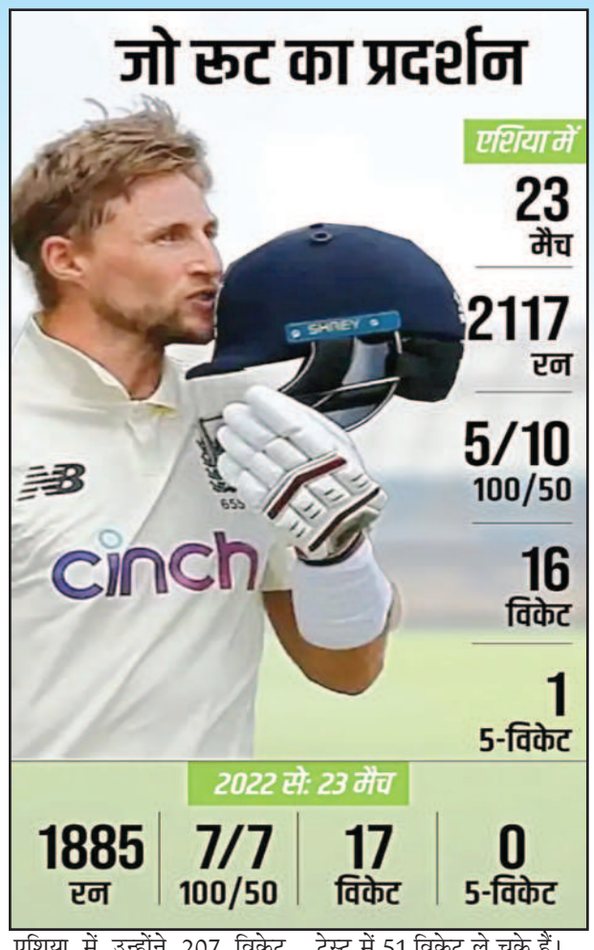

रोहन बोपन्ना ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

मेंस डबल्ड इवेंट में अर्जेंटीना की जोड़ी को हराया, वर्ल्ड रैंक-1 पाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 मेंस डबल्स इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर ग्रैंड स्लैम इतिहास रच दिया।

बोपन्ना और उनके साथी मैथ्यू एबडेन बुधवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की। उन्होंने अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी की जोड़ी के खिलाफ सीधे सेट में जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल जीत के साथ, बोपन्ना 43 साल की उम्र में दुनिया के नंबर 1 मेंस डबल्स खिलाड़ी बन जाएंगे। जब रैंकिंग अपडेट की जाएगी, तो वह टेनिस के इतिहास में रैंक-1 हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे।

क्वार्टरफाइनल में आसानी से जीते बोपन्ना

बोपन्ना और उनके साथी ने एक घंटे और 46 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में जोड़ी पर 6-4, 7-6 (5) से आसान जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी सेमीफाइनल में अनरैंक्ड पेयर टॉमस मचाक और झिझेन झांग से भिड़ेगी।

बोपन्ना ने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग नंबर 3 के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में प्रवेश किया था।

बोपन्ना ने राजीव राम का रिकॉर्ड तोड़ा

अमेरिका के राजीव राम वर्ल्ड रैंकिंग नंबर-1 पाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थे। जब उन्होंने अक्टूबर 2022 में 38 साल की उम्र में अपने करियर में पहली बार टॉप रैंक हासिल की थी।

बोपन्ना के पास एक ग्रैंडस्लैम खिताब

बोपन्ना ने 2017 में कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ फ्रेंच ओपन में मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। हालांकि, बोपन्ना मेंस डबल्स में 2010 में पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरैश के साथ और 2023 में एबडेन के साथ यूएस ओपन में दो बार उपविजेता रहे है।

पिछले साल बोपन्ना ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे

बोपन्ना ओपन पिछले साल ही ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बने थे। वह और उनके साथी एबडेन यूएस ओपन 2023 का फाइनल हार गए थे। बोपन्ना ने 20 साल से भी पहले अपना डेब्यू किया था।

बोपन्ना मास्टर्स 1000 इवेंट में मेंस डबल्स खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने पिछले साल 43 साल की उम्र में एबडेन के साथ प्रतिष्ठित इंडियन वेल्स टूर्नामेंट जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी।

एएफसी एशियन कप से बाहर हुई भारतीय फुटबॉल टीम, आखिरी मैच सीरिया ने हराया

कतर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। एएफसी एशियन कप में भारतीय फुटबॉल टीम सीरिया के खिलाफ हार गई। टीम का ग्रुप में यह तीसरा और आखिरी मुकाबला था। सीरिया ने उसे 1-0 से हरा दिया। इस हार के साथ ही भारतीय टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वह ग्रुप-बी में सबसे नीचे चौथे स्थान पर रही। टीम इंडिया को एक भी जीत नहीं मिली। सीरिया के लिए मैच का इकलौता गोल उमर खरिबीन ने किया।

भारत को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए विश्व की 91 नंबर की टीम सीरिया को हर हाल में हराना था। ड्रॉ और हार के साथ 102 रैंकिंग वाले भारत की टूर्नामेंट से विदाई हो जाती। जिसका डर था वही हुआ। टीम इंडिया मैच में हार गई। प्रशंसकों के लिए सबसे दुख की बात यह रही कि टीम टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सकी।

भारत के खिलाफ हुए छह गोल सभी ग्रुपों की शीर्ष दो टीमें को अंतिम-16 में प्रवेश मिलेगा, जबकि ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली श्रेष्ठ चार टीमें भी अंतिम-16 में प्रवेश करेंगी। तीन मैचों में छह गोल खाने वाली भारतीय टीम का गोल औसत बेहद खराब रहा। भारत टीम सीरिया को अब तक तीन बार हरा चुकी है। उसने 2007, 2009 और 2012 में इस टीम के खिलाफ नेहरू कप में जीत हासिल की थी। 2019 में इंटरकांटिनेंटल कप में दोनों के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ हुआ था। इस बार उम्मीद थी कि टीम इंडिया चमत्कार करेगी, लेकिन निराशा हाथ लगी।

दोनों टीमों का टूर्नामेंट में प्रदर्शन

इस टूर्नामेंट में सीरिया ने उज्बेकिस्तान से 0-0 से ड्रॉ खेला और ऑस्ट्रेलिया से उसे 0-1 से हार मिली। वहीं, भारत को उसने 1-0 से हराया। दूसरी ओर, भारतीय टीम को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से हराया था। उज्बेकिस्तान ने उसे 3-0 से परास्त कर दिया था। आखिरी मैच में सीरिया के खिलाफ शिकस्त मिली।

सिनर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में

अंतिम-4 में कोको गॉफ और सबालेंका में होगी टक्कर

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। इटली के यानिक सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वह पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। चौथी वरीयता प्राप्त सिनर ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी रूबलेव को 6-4, 7-6 (7-5), 6-3 से हराया। पिछले साल विंबलडन में अंतिम चार में पहुंचने के बाद 22 वर्षीय खिलाड़ी अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 2022 में माटेओ बेरेटिनी ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

कोको गॉफ ने कोस्त्युक को हराया

महिला वर्ग में कोको गाफ ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को 7-6 (8-6), 6-7 (3-7), 6-2 से मात दी। अब उनका सामना गत चैम्पियन आर्यना सबालेंका से होगा। दूसरे मैच में बेलारूस की सबालेंका ने नौवीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की बारबरा क्रेइसिकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। गॉफ और सबालेंका के बीच 25 जनवरी को मैच खेला जाएगा।

गिल और दीप्ति इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर

शमी, अश्विन और बुमराह भी सम्मानित; रवि शास्त्री को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शुभमन गिल और दीप्ति शर्मा 2023 के लिए पुरुष और महिला वर्ग में भारत के इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने गए हैं। पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर रवि शास्त्री को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। 2019 के बाद पहली बार बोर्ड ने खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया है। हैदराबाद में हुए समारोह में भारतीय क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ी भी मौजूद रहे। खिलाड़ियों के साथ टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ भी पहुंचे।

शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद शमी को 2019-20, रविचंद्रन अश्विन को 2020-21 और जसप्रीत बुमराह को 2021-22 के लिए यह अवॉर्ड दिया गया।

विमेंस कैटेगरी में दीप्ति शर्मा के अलावा 2020 से 2022 के लिए यह अवॉर्ड दिया गया। स्मृति मंधाना 2020-22 के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं। 2019-20 के लिए दीप्ति शर्मा को पुरस्कार मिला।

फारूक इंजीनियर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

1983 में भारत की वर्ल्ड चैंपियन टीम के सदस्य रवि शास्त्री और फारुख इंजीनियर को कर्नल सीएके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। फारूख ने भारत के लिए 46 टेस्ट और पांच वनडे खेले। 1961 से 1975 के बीच उन्होंने टेस्ट में 2611 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो शतक और 16 अर्धशतक लगाए।

समारोह के दौरान जब शास्त्री से उनके करियर का सबसे यादगार लम्हा पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए एक को चुनना कठिन है। इसके बाद उन्होंने 1985 में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबला, 1983 की वर्ल्ड कप जीत, वेस्टइंडीज की धरती पर शतक का जिक्र किया।

कमेंट्री करियर पर इस पूर्व क्रिकेटर ने धोनी का वर्ल्ड कप विनिंग छक्का और टी-20 वर्ल्ड कप 2007 की जीत की बात की।

शास्त्री ने कहा कि कोच के रूप में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो सीरीज जीत खास थी, लेकिन अगर आप मुझसे एक पल के बारे में पूछोगे जो सोने पर सुहागा रहा, वो गाबा में हमने आखिरी दिन जीत की दहलीज को पार किया था। उन्होंने ऋषभ पंत की तारीफ की।

मोहसिन नकवी बन सकते है पीसीबी के नए चेयरमैन

फिलहाल पंजाब के सीएम, पिछले हफ्ते जका अशरफ ने चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया था

लाहौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी के चुनाव होने पर मोहसिन नकवी का अध्यक्ष पद संभालना लगभग तय है। पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक चुनाव अगले सप्ताह की शुरुआत में हो सकते हैं।

हाल ही में जका अशरफ ने चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया है। इसके बाद से बोर्ड में चेयरमैन की कुर्सी खाली है। अशरफ ने जुलाई 2023 में नजम सेठी की जगह कार्यभार संभाला था। उनका कार्यकाल इसी साल फरवरी में खत्म होने वाला था।

45 वर्षीय नकवी वर्तमान में पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हैं। उन्हें बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के लिए अशरफ के छोड़े गए पद के लिए नामित किया गया है।

जका अशरफ इंटरिम कमेटी के हेड थे, यहां से उन्हें अंतरिम तौर पर अध्यक्ष बनाया गया था। अशरफ के साथ आईएमसी के सदस्यों की जिम्मेदारी थी कि वे बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का गठन करें और बोर्ड में चैयरमैन पद के लिए चुनाव कराएं। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ इसलिए उन्हें तीन महीने का एक्सटेंशन दिया गया था, जो कि अगले महीने पूरा होने वाला था। इससे पहले ही अशरफ ने इस्तीफा दे दिया था।

नकवी भी 10 सदस्यीय आईएमसी का हिस्सा हैं। नकवी के अलावा, आईएमसी के अन्य नौ सदस्य कलीम उल्लाह खान, अशफाक अख्तर, मुहम्मद मुसादिक इस्लाम, अजमत परवेज, जहीर अब्बास, ख्वाजा नदीम, मुस्तफा रामदे, जुल्फिकार मलिक और खुर्रम करीम सोमरू हैं।

बीसीबी के चुनाव आयुक्त शाह खावर ने अध्यक्ष के रूप में अस्थाई प्रभार लिया है। वह बुधवार को गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी मुख्यालय में एक बैठक करेंगे, जिसमें पीसीबी चुनावों का कार्यक्रम स्पष्ट होने की उम्मीद है। एक बार चुनाव होने के बाद, अध्यक्ष को तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया जाएगा।

एमआई अमीरात लगातार दूसरी जीत से टॉप पर

आईएलटी 20 में अबु धाबी नाइट राइडर्स को 9 विकेट से हराया; बोल्ट को 3 विकेट

अबु धाबी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। एमआई अमीरात ने आईएलटी 20 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। टीम ने अबु धाबी नाइट राइडर्स को 9 विकेट से हराया। इस जीत से टीम लीग की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के खाते में दो जीत और एक हार हैं। टीम के पास सबसे ज्यादा 4 अंक हैं। टीम को ओपनिंग मैच में पराजय का सामना करना पड़ा, जबकि अमीरात ने दूसरे मैच में गल्फ जाइंट्स को 18 रन से हराया था।

अबु धाबी में अमीरात की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और गेंदबाजी करने का फैसला लिया। अबु धाबी नाइट राइडर्स को उसी के होम ग्राउंड पर 14.1 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर बाद में 96 रन का टारगेट 8.1 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। लेफ्ट हैंड पेसर ट्रेंट बोल्ट और मोहम्मद रोहिद ने 3-3 विकेट हासिल किए। अकील हुसैन को दो विकेट मिले।

कीवी पेसर ट्रेंट बोल्ट प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 14 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से आंद्रे रसेल ने 25 गेंद पर 48 रन की पारी खेली। शेष बल्लेबाज नाकाम रहे। आलम यह रहा कि टीम के 9 बल्लेबाज डबल डिजिट में नहीं पहुंच से।

96 रन का टारगेट डिफेंड करते हुए अबुधाबी के गेंदबाज एमआई अमीरात का एक विकेट ही हासिल कर सके। टीम के ओपनर मोहम्मद वसीम ने नाबाद 26 रन बनाए, जबकि कप्तान निकोलस पूरन ने नाबाद 39 रन की पारी खेली। कुसल परेरा 22 रन बनाकर आउट हुए।

तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन के लिए 1174 हेक्टेयर भूमि का हस्तांतरण

सीएम रेवंत रेड्डी के साथ पूर्वी नौसेना के अधिकारियों की बैठक

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय नौसेना ने तेलंगाना को प्रमुख अड्डे के रूप में चुना है। देश का दूसरा वीएलएफ संचार स्टेशन विकाराबाद जिले में स्थापित किया जा रहा है। नौसेना जहाजों और पनडुब्बियों के साथ संचार करने के लिए वीएलएफ (वेरी लो फ्रीक्वेंसी) संचार ट्रांसमिशन स्टेशन का उपयोग करती है। यह स्टेशन विकाराबाद मंडल के पुदुरू के पास दामागुडेम वन क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा।

यह देश का दूसरा स्टेशन है। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला था। यह 1990 से नौसेना को सेवा दे रहा है। विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान ने पहले ही दूसरे रडार स्टेशन की स्थापना के लिए उपयुक्त क्षेत्र के रूप में तेलंगाना की पहचान कर ली है। वर्ष 2010 से नौसेना राज्य सरकार के संपर्क में है। तमाम पर्यावरणीय अनुमतियों और मंजूरियों के बावजूद पिछली सरकार की लापरवाही के कारण भूमि आवंटन आगे नहीं बढ़ पाया। सीएम रेवंत रेड्डी की विशेष पहल से इस परियोजना की सभी बाधाएं दूर हो गईं। कमोडोर कार्तिक शकर, सर्कल डीईओ रोहित भूपति और कैप्टन संदीप दास ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। विकाराबाद डीएफओ और नौसेना कमांड एजेंसी के अधिकारियों ने वन भूमि के हस्तांतरण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। दामागुडेम रिजर्व फॉरेस्ट के तहत 1174 हेक्टेयर वन भूमि नौसेना को सौंप दी गई है।

वर्ष 2014 में ही केंद्रीय वन एवं पर्यावरण विभाग ने नौसेना के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी थी। वन भूमि सौंपने के लिए कैंपा फंड ने 133.54 करोड़ रुपये और भूमि संरक्षण उपायों के लिए किए गए कार्यों के लिए नौसेना ने 18.56 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। दामागुडेम फॉरेस्ट प्रोटेक्शन ने इस प्रोजेक्ट को रद्द करने की मांग को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की है कोर्ट ने सरकार द्वारा तय की गई शर्तों के अनुरूप सभी सावधानियां बरतने के आदेश जारी किए हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्र में एक मंदिर है।

नौसेना को इसे बचाने की अनुमति देने पर सहमत हुई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तुरंत शहर में यातायात की भीड़ को दूर करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया। 5 जनवरी को जब वे दिल्ली गए तो रक्षा मंत्री से विशेष तौर पर मुलाकात की। रक्षा विभाग की जमीनें उन्हें हस्तांतरित करने की जरूरत बताने पर मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सीएम ने वहां के डिफेंस जोन से छेड़छाड़ किए बिना केंद्र सरकार द्वारा सुझाए गए बदलावों के अनुरूप स्काईवे के डिजाइन में कई बदलाव किए। संशोधित नए प्रस्ताव हाल ही में केंद्र को भेजे गए हैं। केंद्र सरकार ने बुधवार को स्काईवे के निर्माण के लिए आवश्यकतानुसार भूमि आवंटन को मंजूरी दे दी। कुल 3380 वर्ग गज जमीन तेलंगाना सरकार को सौंपी जाएगी।

हस्तांतरित भूमि के बदले केंद्र को पेंशन विभाग को 15.15 करोड़ रुपये का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना होगा और एक निश्चित जगह के लिए दस साल तक लाइसेंस फीस देनी होती है। रक्षा मंत्रालय इन जमीनों को चार सप्ताह के भीतर सौंपने पर सहमत हो गया है।

इसके साथ ही मेहदीपट्टनम स्काई वॉक के काम की बड़ी बाधा दूर हो गई है। मुंबई हाईवे के सबसे अहम हिस्से रैतू बाजार जंक्शन पर ट्रैफिक की समस्या हल हो जाएगी मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द इस स्काईवे का निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया।

गणतंत्र दिवस परेड फुल ड्रेस रिहर्सल पब्लिक गार्डन में आयोजित

हैदराबाद , 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गणतंत्र दिवस परेड 2024 के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल आज पब्लिक गार्डन में आयोजित की गई। रिहर्सल में वायुसेना, पुलिस, सामान्य प्रशासन और अन्य लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गईं। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन सुबह 7.30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी। वह बाद में सभा को संबोधित करेंगी। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्रिपरिषद के सदस्य, जन प्रतिनिधि, केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोग शामिल होंगे। राज्यपाल शाम को राजभवन में एटी होम की मेजबानी भी करेंगे। डीजीपी रवि गुप्ता, सचिव राजनीतिक रघुनंदन राव, डीजी फायर सर्विसेज नागी रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी ने गणतंत्र दिवस शिविर 2024 में दो सर्वश्रेष्ठ कैडेट पद हासिल किए

हैदराबाद , 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी गर्व से गणतंत्र दिवस शिविर 2024 में 17 निदेशालयों में दिए गए नौ में से दो सर्वश्रेष्ठ कैडेट पद हासिल करने की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा करता है।

तिरुपति ग्रुप से जेडी/जेडब्ल्यू आर्मी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कैडेट के रूप में मान्यता प्राप्त सार्जेंट एम. श्रीसंत और सिकंदराबाद ग्रुप से जेडी/जेडब्ल्यू नेवी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कैडेट से सम्मानित सीडीटी नागंडला धीरज ने एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी को बहुत गौरवान्वित किया है। यह उत्कृष्ट उपलब्धि निदेशालय द्वारा कैडेटों में पैदा की गई उत्कृष्टता, अनुशासन और नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। सार्जेंट एम. श्रीसंत और सीडीटी नागंडला धीरज की उपलब्धियाँ एनसीसी के भीतर विकसित किए गए कठोर प्रशिक्षण और अटूट समर्पण का प्रमाण हैं।

निदेशालय इन अनुकरणीय कैडेटों की उनके शानदार प्रदर्शन और राष्ट्रीय कैडेट कोर के मूल्यों को बनाए रखने के लिए सराहना करता है। उनकी सफलता साथी कैडेटों के लिए प्रेरणा का काम करती है और एनसीसी निदेशालय एपीएंडटी द्वारा निर्धारित उच्च मानकों को मजबूत करती है

पूर्व निदेशक के आवास पर छापा मारा

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एचएमडीए के पूर्व निदेशक के घर और उनके कार्यालयों पर आज एसीबी की छापेमारी से राज्य की राजधानी में हड़कंप मच गया। एसीबी अधिकारियों ने बुधवार को एचएमडीए के पूर्व निदेशक शिवा बालकृष्ण के घर पर तलाशी ली। एसीबी ने शिवा बालकृष्ण के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है।

इसी सिलसिले में एसीबी अधिकारियों ने राज्य भर में 20 स्थानों पर निरीक्षण किया। एसीबी ने शिवा बालकृष्ण के घरों, उनके रिश्तेदारों के घरों और कार्यालयों की तलाशी लेने के अलावा अमीरपेट में एचएमडीए कार्यालय की भी तलाशी ली है। एसीबी ने पाया कि शिवा बालकृष्ण ने अपने पद का दुरुपयोग किया और करोड़ों रुपये कमाए। मालूम हो कि बालकृष्ण एचएमडीए योजना विभाग में अहम पद पर कार्यरत थे।

दमरे के महाप्रबंधक ने काजीपेट स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट सेक्शन का निरीक्षण किया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आज यानी बुधवार को सिकंदराबाद मंडल के काजीपेट खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ श्री भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद से काजीपेट सेक्शन तक रियर विंडो निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने पटरियों, पुलों और सिग्नलिंग प्रणालियों के रखरखाव से संबंधित सुरक्षा पहलुओं की जांच की। महाप्रबंधक ने काजीपेट रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और सर्कुलेटिंग एरिया की जांच की। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे वेटिंग हॉल विस्तार कार्यों का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम जल्द से जल्द पूरा करने की सलाह दी। अरुण कुमार जैन ने काजीपेट में रेलवे अस्पताल में उन्नत पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जांच की. महाप्रबंधक ने अस्पताल में मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों से बातचीत की। बाद में, वह काजीपेट में नवनिर्मित कोच सुविधा (पिट लाइन) का निरीक्षण करने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने काजीपेट में स्टाफ रनिंग रूम के चल रहे निर्माण का निरीक्षण किया। उन्होंने क्रू लॉबी का भी निरीक्षण किया और स्टाफ सदस्यों से बातचीत की।

किशन ने सीएम रेवंत से आरआरआर भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के लिए धन जारी करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सीएम रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा और उनसे भारतमाला के तहत केंद्र सरकार द्वारा बनाई जाने वाली क्षेत्रीय रिंग रोड की भूमि अधिग्रहण लागत का 50% जारी करने का आग्रह किया। क्योंकि चरण-1 परियोजना के लिए राज्य सरकार ने इसका वादा भी किया था।

अपने पत्र में, उन्होंने कहा कि 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत के साथ, आरआरआर का निर्माण हैदराबाद शहर के चारों ओर 350 किमी की लंबाई में किया जाना था। हालांकि क्षेत्रीय रिंग रोड के निर्माण की लागत पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी, दोनों सरकारों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं कि भूमि अधिग्रहण की लागत का 50% केंद्र सरकार और शेष 50% राज्य सरकार वहन करेगी। राज्य सरकार द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय और केंद्रीय कार्यालय से तेलंगाना राज्य सरकार को कई पत्र लिखे गए हैं, जिसमें राज्य सरकार द्वारा भूमि के हिस्से के रूप में बकाया धनराशि का 50% तुरंत जमा करने के लिए कहा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को क्षेत्रीय रिंग रोड के उत्तरी भाग के निर्माण के लिए आवश्यक अधिग्रहण और निर्माण कार्य शुरू करने में सहयोग करना होगा। हालाँकि, इस मुद्दे पर राज्य सरकार की ओर से कोई अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि राज्य सरकार अपने हिस्से के रूप में जमा की जाने वाली धनराशि समय पर जमा नहीं करती है, तो भूमि अधिग्रहण कार्य में और देरी होगी। रेड्डी ने सीएम से कहा कि अगर भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में देरी हुई, तो इसका असर सड़क के निर्माण पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी से न केवल आसपास से शहर में आने वाले वाहनों के कारण यातायात की समस्याएं बढ़ेंगी, बल्कि हैदराबाद शहर के क्षेत्रों के साथ-साथ हैदराबाद के आसपास के जिलों और क्षेत्रों के विकास में भी देरी होने की संभावना है।

किशन रेड्डी ने कहा कि पहले 3 फरवरी, 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में सूचित किया था। हालाँकि, राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

इसलिए, उपरोक्त सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, मैं आपसे व्यक्तिगत रूप से इस परियोजना के मामले में एक विशेष पहल करने और परियोजना भूमि अधिग्रहण में अपने हिस्से के रूप में तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा जमा की जाने वाली 50% धनराशि जारी करने का अनुरोध करता हूं। इसे जल्द से जल्द और सुनिश्चित करें ताकि परियोजना में देरी न हो।

आज यातायात पर प्रतिबंध

हैदराबाद,24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में गुरुवार से इस महीने की 29 तारीख तक आयोजित की जाएगी। पहला टेस्ट मैच गुरुवार को सुबह 9.30 बजे शुरू होगा। दोनों टीमें पहले ही हैदराबाद पहुच गई हैं। वे स्टेडियम में अभ्यास कर रहे हैं। दर्शकों को सुबह 6.30 बजे स्टेडियम में अनुमति दी जाएगी। मैच के मद्देनजर पुलिस को सतर्क कर दिया गया। स्टेडियम में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये हैं। स्टेडियम के चारों ओर 360 सीसीटीवी कैमरों के साथ पीटीएस निगरानी स्थापित की गई है। कुल 1500 पुलिस कर्मियों और महिलाएं ऑक्टोपस बलों के साथ सुरक्षा के प्रबंध किये गये हैं । उप्पल में गुरुवार को यातायात प्रतिबंध लगाए गए हैं। वाहन पार्किंग साइटें, नियमित यातायात, महत्वपूर्ण चौराहों, मुख्य सड़कें और स्टेडियमों को डायवर्ट किया गया है। उप्पल में ट्रैफ़िक को नियंत्रित करने के लिए लगभग 250 ट्रैफ़िक स्टाफ काम करेंगे। कारों और बाइक पार्किंग के लिए सभी 15 स्थानों को इंगित करने के लिए मास्टर दिशात्मक बोर्ड और स्थान मानचित्र भी स्थापित किए गए हैं। उप्पल स्टेडियम के रास्ते में दिशा बोर्डों की स्थापना की गई है। हब्शीगुडा जंक्शन, एक मीनार मस्जिद और कुछ अन्य क्षेत्रों में पार्किंग की व्यवस्था की गयी है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि मैच के पांच दिनों तक यातायात पर प्रतिबंध रहेगा। । कुछ श्रेणियों में भारी वाहनों का मोड़ सुबह 7.30 बजे से शाम 7.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

उद्यानिकी विभाग द्वारा शहरी खेती पर प्रशिक्षण 28 जनवरी को

हैदराबाद , 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मानव शरीर के लिए आवश्यक पर्याप्त विटामिन और खनिजों की आपूर्ति में सब्जियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार के लिए, एक वयस्क को प्रति दिन 300 ग्राम सब्जियां (कंद जड़ वाली सब्जियां -50 ग्राम + पत्तेदार हरी 50 ग्राम + अन्य सब्जियां 200 ग्राम) का सेवन करना चाहिए। तेजीसे हो रहे शहरीकरण, सब्जियों की खेती के लिए आवश्यक क्षेत्र की अनुपलब्धता और सब्जियों की बढ़ती कीमतों को ध्यान में रखते हुए, बागवानी विभाग, तेलंगाना हर महीने के दूसरे शनिवार और चौथे रविवार को तेलंगाना बागवानी प्रशिक्षण संस्थान, रेड हिल्स, हैदराबाद में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह कार्यक्रम बढ़ती अच्छी गुणवत्ता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए शुरू किया गया था। छत पर कीटनाशक अवशेष मुक्त सब्जियां, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है और कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है।

हम किसी भी कीमत पर अपनी पार्टी नहीं छोड़ेंगे : बीआरएस पार्टी के विधायक

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस पार्टी के विधायक कोथा प्रभाकर रेड्डी, वी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी, गुडेम महिपाल रेड्डी और माणिक राव, जिन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी, ने आज स्पष्ट कर दिया कि वे कभी ऐसा नहीं करेंगे। किसी भी कीमत पर उनकी पार्टी नहीं छोड़ेंगे।

तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी आलाकमान पर पूरा भरोसा है। विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी किए गए वादों के प्रति गुप्त रवैया दिखा रही है और कहा कि राज्य सरकार के पास इस पर स्पष्टता नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि वह महालक्ष्मी योजना की गारंटी और अपने द्वारा की गई अन्य गारंटी को कब से लागू करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के चार विधायकों ने अपने विधानसभा क्षेत्रों में प्रोटोकॉल के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सीएम से मुलाकात की।

हमने इसी मुद्दे पर आईजी शिवधर रेड्डी और सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। हमारे दल बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। वे हमें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम केसीआर के साथ रहेंगे। मेडक हमारी पार्टी के गुलाबी झंडे का जन्मस्थान है। हम केसीआर के नेतृत्व में मेडक संसदीय क्षेत्र जीतेंगे। अगर हमारे प्रतिद्वंद्वी हमें बदनाम करना जारी रखेंगे तो हम मानहानि का मुकदमा दायर करने में संकोच नहीं करेंगे। हमारे पास राजनीतिक मूल्य हैं। हम प्रोटोकॉल उल्लंघन पर सरकार के साथ लड़ना जारी रखेंगे।

विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी ने कहा कि वे स्थानीय मुद्दों पर पहले ही जिला कलेक्टर और एसपी से मिल चुके हैं। उसी की निरंतरता के रूप में, हमने शिवधर रेड्डी और सीएम रेवंत से मुलाकात की। जब तक मैं जीवित हूं, मैं बीआरएस पार्टी कभी नहीं छोड़ूंगा।

विधायक माणिक राव ने कहा कि उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी से जहीराबाद निर्वाचन क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं के लिए धन नहीं रोकने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने उन्हें विधायक के रूप में राजनीतिक जन्म दिया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

विजयवाड़ा, 24 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आज मंडल प्रेक्षागृह, विजयवाड़ा में आयोजित की गई। मंडल के मंडल रेल प्रबंधक/विजयवाड़ा नरेंद्र ए. पाटिल इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। एम. श्रीकांत, अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रचालन), विजयवाड़ा मंडल सम्मानित अतिथि थे। विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल ने अपने संबोधन संबोधित करते हुए राजभाषा के रूप में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि राजभाषा विभाग इस रेलवे पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और इस समिति की बैठकें समय पर आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में हिंदी सीखना और सरकारी कामकाज में भी इसका प्रयोग करना बहुत आसान है। ऐसे कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं से हिंदी के प्रयोग को भी बढ़ावा मिलता है। हम 'ग' क्षेत्र में आते हैं, हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि न्यूनतम लक्ष्य से ऊपर की टिप्पणियाँ हिंदी में की जाए। र्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव श्री आशा महेश कुमार ने इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, नराकास के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों, विजेताओं का स्वागत किया। बैठक की शुरुआत में, एम. श्रीकांत, अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रचालन), विजयवाड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि विजयवाड़ा मंडल को इस तरह के आयोजन की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने नराकास के सदस्यों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और रेलवे द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की चर्चा की।उन्होंने हिंदी के महत्व पर जोर दिया और सदस्यों से सेमिनार, तकनीकी सेमिनार, जयंती, हिंदी पखवाड़ा आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए कार्यक्रमों के निर्धारित कैलेंडर का पालन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने हिंदी के महत्व पर जोर दिया और सदस्यों से सेमिनार, तकनीकी सेमिनार, जयंती, हिंदी पखवाड़ा आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए निर्धारित कार्यक्रमों का पालन करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजभाषा में किये जा रहे कार्यों को समझने में उक्त प्रारूप में रिपोर्ट प्रस्तुत करना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विजयवाड़ा मंडल के राजभाषा अधिकारी आशा महेश कुमार ने नराकास के सदस्य कार्यालयों प्राप्त रिपोर्ट पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की और सभी कार्यालयों से दैनिक कार्यों में राजभाषा कार्यान्वयन में सुधार करने का अनुरोध किया. उन्होंने यह भी बताया कि ई-ऑफिस में हिंदी में काम करना आसान है। हिंदी में टिप्पणियाँ लिखने के लिए क्विक नोटिंग एवं ई-शब्दावली का प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने नराकास के सदस्य कार्योलयों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में आवश्यक जानकारी दी और उनकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। विजयवाड़ा स्थित 40 केंद्र सरकार के कार्यालयों में से कुल 276 कर्मचारियों और अधिकारियों ने हिंदी समाचार वाचन, टिप्पण और प्रारूपण, निबंध लेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी और हिंदी अंताक्षरी में भाग लिया था. मुख्य अतिथि विजयवाड़ा मंडल के रूप में उपस्थित नरेंद्र ए. पाटिल ने दिनांक 11 दिसंबर 2023 से 18 दिसंबर 2023 तक आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के 72 विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाले तथा कॉर्पोरेशन परिचालित रीटेल आउटलेटों (कोको) के लिए सेवा प्रदाता की नियुक्ति हेतु सूचना
भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के राज्यों के विभिन्न स्थानों पर स्थित कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाले तथा कॉर्पोरेशन परिचालित रीटेल आउटलेटों में कर्मियों तथा विभिन्न सेवाओं के प्रावधान हेतु सेवा प्रदाता की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। विस्तृत विज्ञापन, निर्देशावलियां/विवरणिका और आवेदन प्रपत्र हमारी वेबसाइट (https://bharatpetroleum.in/Bharat-Petroleum-For/Business-Associates/COCO.aspx) पर उपलब्ध हैं तथा इसे डाउनलोड भी किया जा सकता है। परिपूर्ण आवेदन प्रपत्र विस्तृत विज्ञापन में यथा उल्लेखित कार्यालय में दिनांक 23.02.2024 को अपराह्न 1700 बजे तक पहुँच जाना चाहिए। शुद्धि पत्र, यदि कोई हो, उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित होगा।
Bharatgas MAK LUBRICANTS Bharat Petroleum Aviation Service
एनरजाइजिंग लाइव्स, एनरजाइजिंग नया भारत

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.